शर्मा हार्डওয়্যার
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 12 | अंक : 271 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 8 मई, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

हावड़ा में बमबाजी से तनाव पांच भाजपा कार्यकर्ता घायल पेज 2
कांग्रेस की समीक्षा बैठक कल पेज 3
डीपी में सिंदूर और कवर पर ब्रह्मोस से मुख्यमंत्री योगी ने दी दुश्मन को चेतावनी पेज 5
पीएसजी ने बायर्न म्यूनिख को बाहर कर चैंपियंस लीग फाइनल में बनाई ... पेज 7

असम : 12 को शपथ ग्रहण समारोह, पीएम हो सकते हैं शामिल

मुख्य सचिव ने की पुष्टि

गुवाहाटी। असम नई सरकार शपथ ग्रहण समारोह 12 मई को आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम गुवाहाटी के खानापारा में वेटनरी फील्ड में होगा। इस समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कई केंद्रीय मंत्री, भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री तथा उद्योग जगत के प्रतिनिधि शामिल हो सकते हैं। राज्य के मुख्य सचिव रवि कोटा ने यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, कई केंद्रीय मंत्री, भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री तथा उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के इस समारोह में शामिल होने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि शपथ ग्रहण समारोह खानपारा स्थित पशु चिकित्सालय में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने आगे बताया कि सुरक्षा और तैयारियों को लेकर उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक भी हुई है, जिसमें पुसिस महानिदेशक (डीजीपी) समेत अधिकारियों के साथ सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, प्रोटोकॉल और समन्वय पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। लेकिन उन्हें कार्यवाहक मुख्यमंत्री के रूप में काम जारी रखने को कहा गया है। भाजपा संसदीय दल के नेता के चुनाव के लिए केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा को पर्यवेक्षक और नायब सिंह सैनी को सह-पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। इस चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने 126 में से 102 सीटें जीतकर लगातार तीसरी बार सत्ता हासिल की है। जिसमें भाजपा और उसके सहयोगी दलों ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। हाल ही में संपन्न असम विधानसभा चुनाव में भाजपा नेतृत्व वाले गठबंधन ने स्पष्ट बहुमत हासिल किया है। इसके साथ ही मौजूदा मुख्यमंत्री हिमंत शर्मा के एक बार फिर मुख्यमंत्री बनने का रास्ता साफ हो गया है। इससे पहले बुधवार को हिमंत विश्व शर्मा ने राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप दिया। उन्होंने बताया कि निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव परिणामों की अधिसूचना जारी किए जाने के बाद लोकतांत्रिक परंपरा के तहत मंत्रिपरिषद का इस्तीफा दिया गया है। शर्मा ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के साथ मौजूदा विधानसभा को भंग करने की सिफारिश भी की, जिसे राज्यपाल ने स्वीकार कर लिया। साथ ही नई सरकार के गठन तक मौजूदा सरकार को कार्यवाहक सरकार के रूप में काम जारी रखने को कहा गया है। उन्होंने आगे कहा कि सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, आयोजन स्थल की तैयारियों, प्रोटोकॉल और अंतर-विभागीय समन्वय से संबंधित व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। सुचारू संचालन, निर्धारित प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन और सभी हितधारकों के बीच घनिष्ठ समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया गया। सभी संबंधित विभागों को उच्चतम स्तर की तैयारी बनाए रखने का निर्देश दिया गया है ताकि समारोह सुचारू रूप से, सुरक्षित रूप से और इस अवसर की महत्ता के अनुरूप संपन्न हो सके। वहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता दिलीप सैकिया ने बताया कि पार्टी के केंद्रीय पर्यवेक्षक, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और -शेष पृष्ठ दो पर

प. बंगाल विधानसभा भंग, ममता अब नहीं रही मुख्यमंत्री

कोलकाता में आज भाजपा विधायक दल की बैठक

नई दिल्ली (एजे/हि.स.)। पश्चिम बंगाल की राजनीति से जुड़ा एक बड़ा संवैधानिक निर्णय सामने आया है। राज्यपाल आरएन रवि ने राज्य विधानसभा को भंग करने का आदेश जारी कर दिया है। लोक भवन, पश्चिम बंगाल की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह आदेश भारत के संविधान के अनुच्छेद 174(2)(बी) के तहत प्रदत्त शक्तियों के अनुसार जारी किया गया है। जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा को 7 मई 2026 से प्रभावी रूप से भंग कर दिया गया है। यह कदम संवैधानिक प्रावधानों के तहत लिया गया है। लोक भवन की अधिसूचना में कहा गया है कि यह निर्णय संविधान के अनुच्छेद 174(2)(बी) के तहत राज्यपाल को प्राप्त अधिकारों के आधार पर लिया गया है। चुनाव में ममता बनर्जी सहित उनके कई वरिष्ठ मंत्री भी हार गए। चुनाव परिणाम आने के बाद ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि चुनाव *षड्यंत्र* और *दबाव* के बीच कराए गए। उन्होंने साफ कहा कि वह इस्तीफा नहीं देंगी और यदि जरूरत पड़ी तो उन्हें बर्खास्त किया जाए। कालीघाट स्थित आवास पर तृणमूल कांग्रेस के नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक में ममता बनर्जी ने चुनाव परिणाम को *काला दिन* बताया। -शेष पृष्ठ दो पर

अल्फा (स्वा.) से संबंध : नगालैंड से महिला गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम पुलिस ने गुरुवार को असम के चराइदेव जिले में प्रतिबंधित विद्रोही संगठन यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (इंडिपेंडेंट) की कथित तौर पर सहायता करने के आरोप में नगालैंड की एक महिला को गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान नगालैंड के तुएनसांग जिले के निवासी लिताओ कोन्याक के रूप में हुई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, उसने कथित तौर पर एक ऐसे युवक की गतिविधियों को सुविधाजनक -शेष पृष्ठ दो पर

बंगाल में सुवेंदु अधिकारी के पीए की गोली मारकर हत्या

नई दिल्ली। बंगाल में राजनीतिक हिंसा का तांडव एक बार फिर चरम पर है। बुधवार रात उत्तर 24 परगना जिले के मध्यमग्राम में बेखौफ बदमाशों ने भाजपा के कद्दावर नेता सुवेंदु अधिकारी के निजी सहायक (पीए) चंद्रनाथ रथ की गोली मारकर निर्मम हत्या कर दी गई। हमलावरों ने इस वारदात को उस समय अंजाम दिया जब रथ अपनी गाड़ी से जा रहे थे। स्थानीय सूत्रों और पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, बिना नंबर प्लेट की बाइक पर सवार तीन हमलावर दोहारिया इलाके में चंद्रनाथ की गाड़ी का पीछा कर रहे थे। मौका पाकर बदमाशों ने गाड़ी को घेर लिया और बेहद करीब से कई राउंड फायर किए। गोलियों की तड़तड़ाहट से इलाका दहल उठा। इस हमले में गाड़ी में मौजूद उनके सहयोगी बुद्धदेव बेरा भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

वंदे मातरम पर केंद्रीय मंत्रिमंडल के फैसले को मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने सख्ती से किया खारिज

नई दिल्ली (हि.स.)। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने वंदे मातरम को राष्ट्रगान *जन गन मन* के समान दर्जा देने, इसके सभी छह छंदों को अनिवार्य करने और सभी सरकारी और शैक्षणिक संस्थानों के कार्यक्रमों में जन-गण-मन से पहले पढ़ने को अनिवार्य करने के केंद्रीय मंत्रिमंडल के फैसले को सख्ती से खारिज कर दिया है। बोर्ड ने इसे पूरी तरह से भारतीय संविधान की मूल भावना, धार्मिक स्वतंत्रता, धर्मनिरपेक्ष मूल्यों और संविधान सभा के ऐतिहासिक फैसलों के विरुद्ध बताया है और सरकार से इस फैसले को तुरंत वापस लेने की मांग की है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के प्रवक्ता डॉ. सैयद कासिम रसूल इलियास ने आज गुरुवार को एक बयान में कहा कि केंद्रीय कैबिनेट का यह फैसला न केवल असंवैधानिक और अलोकतांत्रिक है, बल्कि देश की धार्मिक विविधता और संवैधानिक मूल्यों के भी खिलाफ है। उन्होंने कहा कि एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र सभी नागरिकों पर किसी विशेष धार्मिक अवधारणा या विश्वास को थोप नहीं सकता है। वंदे मातरम के -शेष पृष्ठ दो पर

बिहार कैबिनेट में *पुत्र* उदय, नीतीश कुमार के बेटे निशांत समेत तीन पूर्व सीएम के लाल बने मंत्री

पटना (एजे /हि.स.)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के मंत्रिमंडल का गुरुवार को पूर्ण विस्तार हुआ, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार को मंत्री बनाया जाना प्रमुख आकर्षण रहा। चौधरी के मंत्रिमंडल में अब तीन पूर्व मुख्यमंत्रियों के बेटे शामिल हैं – नीतीश कुमार के बेटे निशांत, जगन्नाथ मिश्रा के बेटे नीतीश मिश्रा और जीतन राम मांझी के बेटे संतोष कुमार सुमन। तीनों ने गुरुवार को शपथ ली। एनडीए ने पटना के गांधी मैदान में शपथ ग्रहण समारोह का भव्य आयोजन किया, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हुए। हवाई अड्डे से समारोह स्थल जाते समय, सड़क के दोनों ओर कतार में खड़े लोगों ने मोदी के वाहन पर फूलों की पंखुड़ियां बरसाईं। पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह, जेपी नड्डा, जीतन राम मांझी और चिराग पासवान, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और आरएलएम प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा सहित कई गणमान्य व्यक्ति समारोह में उपस्थित थे। इंजीनियरिंग स्नातक निशांत कुमार, जो लंबे समय से सक्रिय राजनीति से दूर रहे हैं, ने जेडीयू नेतृत्व के लगातार आग्रह के बाद मंत्री पद की शपथ ली। खबरों के मुताबिक, निशांत कुमार ने शुरू में यह प्रस्ताव ठुकरा दिया था, यह -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

मैं अलग सोचने वाले युवा लोगों को संदेश देना चाहता हूं कि जिनमें कुछ खोजने का, घूमने का, नामुमकिन को संभव करने का और समस्याओं को जीतने का दम है वे इस मार्ग पर चलना जारी रखें।

- अब्दुल कलाम

केरल में सीएम बनाने को लेकर कांग्रेस के अंदर खिंचतान

थिरुवनंतपुरम। केरल विधानसभा चुनाव के नतीजों में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। कांग्रेस को केरल में सबसे ज्यादा 63 सीटें मिली है। यीडीएफ गठबंधन में कांग्रेस इंडियान यूनियन मुस्लिम लीग के साथ चुनाव लड़ रही थी। जिसमें वह दूसरी बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। लेकिन अब राज्य में मुख्यमंत्री बनने को लेकर बड़ी गहमागहमी देखने को मिल रही है। कांग्रेस के नेता और उनके समर्थक आपस में मुख्यमंत्री की कुर्सी को लकर लड़ते हुए नजर आ रहे हैं। फिलहाल, मुख्यमंत्री पद के लिए सतीशन, वेणुगोपाल और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला के नामों पर -शेष पृष्ठ दो पर

थलापति की शपथ पर संकट : राज्यपाल बोले-

बिना 118 विधायकों के नहीं बनेगी बात

नई दिल्ली। तमिलनाडु में सरकार गठन को लेकर सस्पेंस बरकरार है। इस बीच थलापति विजय अपनी पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के साथ दो दिनों से राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर के दरवाजे पर दस्तक दे रहे हैं, लेकिन अभी तक सफलता नहीं मिली है। गुरुवार को तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने *तमिलगा वेट्री कझगम* के अध्यक्ष जोसेफ विजय को चेन्नई के लोक भवन में बुलाया। बैठक के दौरान, राज्यपाल ने समझाया कि सरकार बनाने के लिए तमिलनाडु विधानसभा में जरूरी बहुमत का समर्थन नहीं बन पाया है। टीवीके के पास 108 विधायकों का समर्थन है, जबकि बहुमत के लिए 118 की जरूरत है। कांग्रेस के साथ गठबंधन से कुछ अतिरिक्त समर्थन मिला है, लेकिन अभी भी बहुमत से पांच सीटें कम हैं। राज्यपाल ने साफ संकेत दिया है कि बिना ठोस बहुमत साबित किए किसी भी दल को सरकार बनाने का निमंत्रण नहीं दिया -शेष पृष्ठ दो पर

हमीरपुर नाव हादसा

कॉल बनी काल, फोन उठाते ही यमुना में डूब गई छह जिंदगियां

हमीरपुर। नाव में सवार होकर घर को वापस लौट रहे लोगों के लिए एक फोन कॉल, काल बन गई। घटना से पूर्व नाविक के फोन में एक काल आई और इस काल के उठाते ही छह जिंदगियां यमुना नदी में डूब गईं। घटना को लेकर चलाए गए रेस्क्यू के बाद गुरुवार की सुबह एक के बाद एक शव मिलने से अफरा-तफरी मच गई और शव देखते ही स्वजन बेसुध हो गए। शाम सवा पांच बजे तक टीम ने सभी शवों को बरामद कर लिया और उन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। यमुना में डूबे लोगों की तलाश के लिए रातभर चले रेस्क्यू में एक भी शव टीम के हाथ नहीं लगा। -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

पांच राज्यों में चुनाव के दौरान 1,400 करोड़ से अधिक की अवैध वस्तुएं जब्त

नई दिल्ली (हि.स.)। चुनाव आयोग ने असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की विधानसभाओं के आम चुनाव और पांच राज्यों की सात विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनावों के दौरान आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) का कड़ाई से पालन कराते हुए 1,400 करोड़ -शेष पृष्ठ दो पर

फलता सीट को छोड़ सभी पांच राज्यों से हटाई गई आदर्श आचार संहिता

नई दिल्ली (हि.स.)। चुनाव आयोग ने असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में हुए विधानसभा चुनावों तथा विभिन्न राज्यों की विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनावों के बाद गुरुवार को आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) को तत्काल प्रभाव से हटाए -शेष पृष्ठ दो पर

पाकिस्तान में कोई आतंकी ठिकाना सुरक्षित नहीं *ऑपरेशन सिंदूर* अंत नहीं शुरुआत : भारतीय सेना

जयपुर (हि.स.)। ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर भारतीय सेना ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ भारत की कार्रवाई केवल एक सैन्य अभियान नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की नई रणनीतिक नीति का संकेत है। सेना ने दो टूक कहा कि अब पाकिस्तान में कोई भी आतंकवादी ठिकाना सुरक्षित नहीं है और ऑपरेशन सिंदूर अभी समाप्त नहीं हुआ, बल्कि यह आतंकवाद के खिलाफ भारत की निर्णायक लड़ाई की शुरुआत है। जयपुर स्थित साउथ वेस्टर्न कमांड में गुरुवार को आयोजित संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में भारतीय थल सेना, वायु सेना और नौसेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने ऑपरेशन सिंदूर की रणनीति, उपलब्धियों और उसके प्रभावों पर विस्तार से जानकारी दी। सेना ने इस अभियान को पिछले कई दशकों में पाकिस्तान प्रायोजित सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत का सबसे व्यापक और समन्वित सैन्य अभियान बताया। पत्रकार वार्ता में इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ के डिप्टी चीफ (ऑपरेशन) लेफ्टिनेंट जनरल जुबिन ए. मिनवाला, डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई, डायरेक्टर जनरल एयर ऑपरेशन एयर -शेष पृष्ठ दो पर

भारत-म्यांमार बॉर्डर पर भड़की हिंसा, मणिपुर के कामजोंग में उग्रवादियों ने कई घरों में लगाई आग

नई दिल्ली/इंफाल। भारत-म्यांमार सीमा के पास मणिपुर के कामजोंग जिले के गांवों पर हथियारों से लैस उग्रवादियों ने गुरुवार तड़के हमला किया और घरों में आग लगा दी। स्थानीय निवासियों ने किसी तरह भागकर जान बचाई। पुलिस के अनुसार, उग्रवादियों ने तड़के करीब चार बजे कसोम खुल्लेन पुलिस थाना क्षेत्र के तांगखुल नगा गांवों नामली, वांगली और चोरो पर हमला किया, जिसके कारण सीमावर्ती बस्तियों के निवासियों को पास के जंगलों में शरण लेनी पड़ी। ये गांव अंतर्राष्ट्रीय सीमा से एक किलोमीटर से भी कम दूरी पर स्थित हैं। हमले के दौरान भागने की कोशिश में एक बुजुर्ग महिला घायल हो गई। ग्रामीणों के अनुसार, नामली में दो घर, वांगली में तीन-चार घर और चोरो में एक चर्च को छोड़कर कई घर जलकर खाक हो गए। फुंग्यार के विधायक एल. कीशिंग ने आरोप लगाया कि यह हमला सीमा पार से म्यांमार स्थित उग्रवादी समूहों कुकी नेशनल आर्मी (बर्मा) -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

हावड़ा में बमबाजी से तनाव पांच भाजपा कार्यकर्ता घायल

कोलकाता। बंगाल में चुनाव बाद हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। बुधवार रात हावड़ा में भाजपा कार्यकर्ताओं को निशाना बनाकर बमबाजी किए जाने का आरोप लगा है। इस घटना में पांच भाजपा कार्यकर्ता गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को आरजी कर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना पानीहाटी के वार्ड नंबर-2 स्थित दत्त रोड इलाके की है। जानकारी के अनुसार, बुधवार रात भाजपा कार्यकर्ता स्थानीय लोगों के साथ बातचीत कर रहे थे। तभी बाइक सवार कुछ बदमाश वहां पहुंचे। प्रत्यक्षदर्शियों का दावा है कि एक बाइक पर चार लोग सवार थे। आरोप है कि आते ही उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं को निशाना बनाकर एक के बाद एक तीन बम फेंके और फिर मौके से फरार हो गए। बम विस्फोट के बाद इलाके में तनाव फैल गया। सूचना मिलने पर खड़दह थाने की पुलिस और केंद्रीय बल के जवान मौके पर पहुंचे तथा स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और आरोपितों की तलाश में छापेमारी की जा रही है। भाजपा ने इस हमले के लिए तृणमूल कांग्रेस समर्थित बदमाशों को जिम्मेदार ठहराया है। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस ने इन आरोपों को खारिज कर दिया है। बंगाल में चुनाव के बाद हिंसा बढ़ने के बीच, बुधवार को उत्तर 24 परगना जिले के बशीरहाट इलाके में भाजपा के एक कार्यकर्ता पर कथित तौर पर तृणमूल कांग्रेस के संरक्षण प्राप्त बदमाशों ने गोली मार दी। भाजपा ने यह दावा किया। सूत्रों के अनुसार भाजपा कार्यकर्ता रोहित राय को पेट में गोली लगने के कारण बशीरहाट के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत गंभीर लेकिन स्थिर बताई जा रही है। पार्टी के मीडिया प्रकोष्ठ द्वारा जारी एक वीडियो फुटेज में राय को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि जब वह कुछ अन्य लोगों के साथ अपने इलाके में भाजपा के झंडे लगा रहे थे, तभी तृणमूल के आठ से 10 कार्यकर्ताओं के एक समूह में से तीन बदमाशों ने उन पर गोली चलाई।

मणिपुर में उग्रवादी संगठनों के अनेक कैडर गिरफ्तार, हथियार व विस्फोटक बरामद

इम्फाल (हि.स.)। मणिपुर में सुरक्षा बलों और पुलिस द्वारा बीते 24 घंटे में चलाए गए अलग-अलग अभियानों में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठनों के कई कैडरों को गिरफ्तार किया। गुरुवार को जारी आधिकारिक सूचना के अनुसार, अभियान के दौरान भारी मात्रा में नकदी, हथियार, विस्फोटक और अन्य सामान भी बरामद किए गए। सुरक्षा बलों ने इंफाल पश्चिम जिले के लामसांग थाना क्षेत्र स्थित लामलोंगेई आवांग लेकाई निवासी केसीपी (पीएससी- पोलित ब्यूरो स्टैंडिंग कमेटी) के कैडर हाओबाम जॉनसन मैतेई (25) उर्फ सनाथोई उर्फ सागेई को उसके घर से गिरफ्तार किया। उसके पास से एक मोबाइल फोन और आधार कार्ड बरामद किया गया। इसी संगठन की एक महिला कैडर सलाम ओंगबी कोंजेंगबाम करुणा देवी (51) उर्फ पिपिक को भी इंफाल थाना क्षेत्र के सगोलबंद मेइनो लेइराक स्थित उसके आवास से गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से 6.81 लाख रुपए नकद, एक मोबाइल फोन और आधार कार्ड बरामद किया गया। एक अन्य अभियान में प्रीपाक (पीआरओ) के कैडर वांगखेम रोहित सिंह उर्फ अंगखेई (25) को चिंगमेइरोंग मानिंग लेकाई स्थित उसके घर से गिरफ्तार किया गया। उसके पास से दो मोबाइल फोन और 1400 रुपए नकद बरामद हुए। वहीं, मणिपुर पुलिस ने तीन मई को इंफाल एयरपोर्ट के निकट हुए विस्फोट मामले में संलिप्त केसीपी (पीएससी) के कैडर लैशराम इबोमचा मैतेई (47) को इंफाल पूर्व जिले के पोरोमपट थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि आरोपित को 10 दिनों की पुलिस हिरासत में भेजा गया है और मामले की आगे जांच जारी है। उसके पास से एक मोबाइल फोन और आधार कार्ड भी बरामद किया गया। इससे पहले सुरक्षा बलों ने यूकेएनए के स्वयंभू लेफ्टिनेंट सीमेनलाल हाओकिप (22) को चुराचांदपुर जिले के एम सोंगगेल गांव से गिरफ्तार किया था। पूछताछ के आधार पर सुरक्षा बलों ने एस खोलें और उखा लोइखाई के जंगल क्षेत्रों में तलाशी अभियान चलाया। अभियान के दौरान एक 7.62 एमएम एके-47 राइफल, एक एके मैगजीन, एक ब्लॉक .32 एसीपी पिस्तौल, एक 9 एमएम पिस्तौल मैगजीन, विभिन्न बोर के 26 जिंदा कारतूस, दो हैंड ग्रेनेड, चार आईईडी, एक रेडियो सेट, एक मारुति जिप्सी वाहन तथा एक स्मार्टफोन बरामद किया गया।

कोकराझाड़ में ग्रीन बोडोलैंड मिशन के तहत पर्यावरण जागरूकता रैली का आयोजन

कोकराझाड़। पर्यावरण संरक्षण और वृक्षारोपण के प्रति जन-जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आज कोकराझाड़ में *ग्रीन बोडोलैंड मिशन* के अंतर्गत एक भव्य जागरूकता रैली निकाली गई। *एक छात्र, एक पेड़, एक भविष्य* के ध्येय वाक्य (मोटो) के साथ आयोजित इस रैली का नेतृत्व बोडो नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन (बीओएनएसयू) ने वन विभाग और सिखना जहलाव मल्टीपर्पज को-ऑपरेटिव सोसाइटी के सहयोग से किया। यह जागरूकता रैली बोडलैंड क्षेत्रीय परिषद (बीटीसी) सचिवालय के मुख्य द्वार से शुरू हुई। जहलाव द्विमलु रोड से होते हुए यह रैली कोकराझाड़ सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में पहुंचकर संपन्न हुई। रैली में बीओएनएसयू के स्वयंसेवकों, वन विभाग के अधिकारियों और विभिन्न सामाजिक संगठनों के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों के बीच जागरूकता पत्रक (लीफलेट्स) और पौधों का वितरण किया गया। संगठन के नेताओं ने जनता से अपील की कि वे पर्यावरण की रक्षा करें और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में अपना योगदान दें।

सोहराबुद्दीन शेख मामला : बॉम्बे हाई कोर्ट ने पुलिसकर्मियों समेत सभी 22 आरोपितों को किया बरी

मुंबई (हि.स.)। गुजरात के कुख्यात अपराधी सोहराबुद्दीन शेख के कथित फर्जी मुठभेड़ मामले में बंबई उच्च न्यायालय ने विशेष अदालत के महत्वपूर्ण फैसले को बरकरार रखते हुए 21 पुलिस अधिकारियों समेत सभी 22 आरोपितों को बरी करने का निर्णय बरकरार रखा है। सोहराबुद्दीन शेख के भाइयों की दायर याचिका को अदालत ने खारिज कर दिया। यह मामला वर्ष 2005 का है। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने अपनी जांच में दावा किया था कि सोहराबुद्दीन शेख, उनकी पत्नी कौसर बी और सहयोगी तुलसीराम प्रजापति का अपहरण कर उनकी फर्जी मुठभेड़ में हत्या की गई थी। सीबीआई के अनुसार, 26 नवंबर 2005 को अहमदाबाद में सोहराबुद्दीन शेख का एनकाउंटर किया गया, जबकि कौसर बी की हत्या कर शव को ठिकाने लगाया गया था। इसके एक वर्ष बाद तुलसीराम प्रजापति की भी कथित फर्जी मुठभेड़ में मौत हो गई थी। इस मामले में गुजरात, राजस्थान और आंध्र प्रदेश के कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों पर आपराधिक साजिश रचने का आरोप लगाया गया था। वर्ष 2018 में विशेष सीबीआई अदालत ने साक्ष्यों के अभाव में सभी 22 आरोपितों को बरी कर दिया था। अदालत ने अपने 358 पृष्ठों के फैसले में सीबीआई की जांच प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए थे। अदालत ने टिप्पणी की थी कि जांच एजेंसी ने निष्पक्ष जांच के बजाय पूर्वनिर्धारित कहानी के आधार पर राजनीतिक नेताओं को फंसाने का प्रयास किया। इस फैसले के खिलाफ सोहराबुद्दीन शेख के भाइयों रुबाबुद्दीन और नयाबुद्दीन ने बंबई उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। याचिका में आरोप लगाया गया था कि विशेष अदालत ने कई गवाहों के बयान और महत्वपूर्ण साक्ष्यों को नजरअंदाज किया।

चैन स्नेचर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी की दिसपुर थाने की पुलिस ने एक महिला के गले से चैन छीनने के आरोप में एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान विशाल सिंह के रूप में की गयी है। पुलिस ने गुरुवार को बताया की चेन छिनैती के मामले में बिहार निवासी एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार युवक विशाल सिंह मूल रूप से बिहार के भागलपुर का निवासी बताया गया है। गिरफ्तार आरोपित एक महिला के गले से चेन छीन कर फरार हो गया था। गिरफ्तार आरोपित के पास से पुलिस ने छीनी गई चेन के अलावा एक बाइक जब्त किया है। गिरफ्तार आरोपित के ऊपर गुवाहाटी में चेन छिनैती के अन्य कई मामलों में शामिल होने का आरोप है।

অসম লোকসেৱা আয়োগ
ASSAM PUBLIC SERVICE COMMISSION
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-781022.

No.82PSC/CON/Exam-14/2025-2026

NOTIFICATION

The Assam Public Service Commission hereby declares today, the 7th May, 2026, the results of the Screening Test (OMR based) for recruitment to the post of **Assistant Engineer (Mechanical) under Water Resources Department. (Advt. No.15/2025 Dated 11.04.2025)** conducted by the Commission on 11/01/2026. Candidates bearing the following Roll Numbers will have to appear in the Interview/Viva-Voce to be conducted by the Commission. The date of Interview will be notified shortly.

Roll Number of candidates to be appeared in the Interview are stated below (horizontally):

20009	20072	20131	20132	20220	20457	20480	20490	20503	20658
20664	20728	20831	20873	20952	20964	20968	20982	21020	21146
21177	21251	21296	21311	21340	21352	21380	21387	21411	21412
21514	21599	21641	21671	21795	21844	21884			

NB : Results may be accessed through the APSC's website www.apsc.nic.in

Principal Controller of Examinations,
Assam Public Service Commission,
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-22

-- DIPR /D/VBS-8/8-May-26

पृष्ठ एक का शेष

असम : 12 को शपथ...

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, असम में भाजपा विधायक दल के नेता के चुनाव की निगरानी के लिए 9 मई को गुवाहाटी पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि 10 मई को गुवाहाटी में भाजपा विधायक दल की बैठक होगी। इसके बाद एनडीए की बैठक होगी जिसमें केंद्रीय पर्यवेक्षक मौजूद रहेंगे।

प. बंगाल विधानसभा...

उन्होंने पार्टी विधायकों से विरोध स्वरूप काला कपड़ा पहनने की अपील भी की। संवैधानिक विशेषज्ञों का कहना है कि मुख्यमंत्री पद पर बने रहने के लिए विधानसभा का विश्वास आवश्यक होता है। ऐसे में बहुमत खोने या चुनाव हारने के बाद राज्यपाल मुख्यमंत्री से इस्तीफा मांग सकते हैं। यदि इस्तीफा नहीं दिया जाता, तो राज्यपाल मुख्यमंत्री और मंत्रिपरिषद को पद से हटाने की कार्रवाई कर सकते हैं। इधर, नई सरकार के शपथ ग्रहण तक प्रशासनिक व्यवस्था बनाए रखने को लेकर भी चर्चा चल रही है। कुछ रिपोर्टों में कहा गया है कि राज्यपाल अंतरिम व्यवस्था के तहत सीमित अवधि के लिए प्रशासनिक जिम्मेदारी संभाल सकते हैं। इसी बीच कोलकाता में कल भाजपा विधायक दल की बैठक होने जा रही है। इस बैठक को बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि इसमें मौजूदा राजनीतिक स्थिति और आगे की रणनीति पर चर्चा की जाएगी। इस बैठक में केंद्रीय पर्यवेक्षक अमित शाह भी मौजूद रहेंगे।

अल्फा (स्वा.) से संबंध...

बनाने और मार्गदर्शन करने में मदद की थी जो अल्फा-आई में शामिल हो गया था। जांचकर्ताओं को संदेह है कि उसके क्षेत्र में सक्रिय आतंकवादी नेटवर्क से संबंध हो सकते हैं। पुलिस ने बताया कि महिला से पूछताछ की जा रही है ताकि विद्रोही संगठन के साथ उसकी संलिप्तता और संभावित संबंधों का पता लगाया जा सके। मामले की आगे की जांच जारी है।

बंगाल में सुवेंदु अधिकारी ...

सुवेंदु अधिकारी अस्पताल पहुंच गए हैं। मूल रूप से पूर्व मेदिनीपुर के निवासी चंद्रनाथ रथ, भाजपा के रणनीतिक गलियारों में एक जाना-माना नाम थे। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, भवानीपुर विधानसभा चुनाव के दौरान सुवेंदु अधिकारी की टीम के वह सबसे प्रमुख चेहरों में से एक थे। इस हत्याकांड के बाद बंगाल की सियासत में उबाल आ गया है। भाजपा ने इसे *राजनीतिक हत्या* करार देते हुए कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए हैं। वहीं, पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर दी है, लेकिन अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। रात के सन्नाटे में हुई इस वारदात ने प्रशासन के उन दावों की पोल खोल दी है, जिनमें शांति और सुरक्षा की बात कही जाती है।

वंदे मातरम पर केंद्रीय ...

कई छंदों में दुर्गा और अन्य देवताओं की महिमा और पूजा की अवधारणा शामिल है, जो एकेश्वरवाद की मूल मुस्लिम मान्यता के साथ सीधे टकराता है। उन्होंने कहा कि इस्लाम बिना किसी साझेदारों के केवल एक अल्लाह की इबादत सिखाता है और किसी भी प्रकार का शिर्क (अल्लाह के साथ किसी को साझीदार ठहराना) स्वीकार नहीं करता। डॉ. इलियास ने कहा कि कांग्रेस ने ही 1937 में रवीन्द्रनाथ टैगोर की सलाह मानते हुए यह निर्णय लिया था कि वंदे मातरम के केवल पहले दो छंद ही गाए जाने चाहिएं, क्योंकि बाद वाले छंद धार्मिक प्रकृति के थे और सभी वर्गों को स्वीकार्य नहीं थे। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए 1950 में संविधान सभा ने भी केवल प्रथम दो छंदों को ही राष्ट्रगान के रूप में मान्यता दी थी। ऐसे में सभी छह खंडों को अनिवार्य बनाना न केवल ऐतिहासिक सहमति से विचलन है, बल्कि एक खतरनाक और उकसाने वाला कदम भी है। उन्होंने आगे कहा कि देश की एकता और अखंडता उत्पीड़न, एकरूपता और धार्मिक सर्वोच्चता से नहीं बल्कि संविधान, आपसी सम्मान और धार्मिक स्वतंत्रता की सुरक्षा से मजबूत होती है। सरकार को देश के संवेदनशील धार्मिक मुद्दों को राजनीतिक उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल करने से बचना चाहिए और राष्ट्रीय सद्भाव को नुकसान पहुंचाने वाले फैसले लेने से बचना चाहिए। बोर्ड ने स्पष्ट किया कि अगर सरकार ने तुरंत फैसला वापस नहीं लिया तो ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड इसके विरुद्ध कोर्ट का दरवाजा खटखटाने को मजबूर होगा।

बिहार कैबिनेट में ...

कहते हुए कि वे कोई भी औपचारिक पद स्वीकार करने से पहले एक समर्पित पार्टी कार्यकर्ता के रूप में अपनी साख साबित करना चाहते हैं। 243 सदस्यीय विधानसभा में 89 विधायकों के साथ भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है और उसके 15 मंत्री हैं, जिन्होंने गुरुवार को शपथ ली। इनमें से अधिकतर वे मंत्री हैं जो पिछले साल नवंबर में एनडीए के विधानसभा चुनावों में शानदार वापसी के बाद नीतीश कुमार के मंत्रिमंडल में शामिल थे। जेडीयू के कुल 15 मंत्री हैं, जिनमें से 13 ने गुरुवार को गांधी मैदान में शपथ ली। विजय कुमार चौधरी और बिजेंद्र प्रसाद यादव ने सम्राट चौधरी के साथ अप्रैल में शपथ ली थी और उन्हें उपमुख्यमंत्री नामित किया गया था। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के नेतृत्व वाली लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के संजय कुमार सिंह और संजय कुमार पासवान मंत्री पद पर वापस आ गए हैं, और इसी तरह केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी (हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा) और उपेंद्र कुशवाहा (राष्ट्रीय लोक मोर्चा) के पुत्र संतोष कुमार सुमन और दीपक प्रकाश भी मंत्री पद पर वापस आ गए हैं। उधर शपथ ग्रहण समारोह के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सहित कई शीर्ष नेता उपस्थित रहे। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन ने मंच पर एक-एककर मंत्रियों को शपथ दिलाई। शपथ लेने वालों में श्रवण कुमार, विजय कुमार सिन्हा, डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल, लेसी सिंह, राम कृपाल यादव, नीतीश मिश्रा, दामोदर रावत, संजय सिंह टाइगर, अशोक चौधरी, भगवान सिंह कुशवाहा, अरुण शंकर प्रसाद, मदन सहनी, डॉ. संतोष कुमार सुमन, रमा निषाद, रत्नेश सादा, कुमार शैलेन्द्र, शीला कुमारी, केदार प्रसाद गुप्ता, लखेंद्र कुमार रौशन, सुनील कुमार, श्रेयसी सिंह, मो. जमा खान, नंद किशोर राम, शैलेष कुमार उर्फ बुलो मंडल, डॉ. प्रमोद कुमार, श्वेता गुप्ता, मिथिलेश तिवारी, डॉ. रामचंद्र प्रसाद, संजय कुमार सिंह, संजय कुमार और दीपक प्रकाश शामिल रहे। समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, पूर्व मुख्यमंत्री सह राज्यसभा सदस्य नीतीश कुमार सहित कई केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। इसके अलावा केन्द्रीय मंत्री जेपी नड्डा, जीतन राम मांझी, गिरिराज सिंह, चिराग पासवान, बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी और बिजेंद्र प्रसाद यादव, राज्यसभा सदस्य उपेन्द्र कुशवाहा समेत अन्य जनप्रतिनिधि भी कार्यक्रम में शामिल हुए। समारोह में बड़ी संख्या में आम लोग भी उपस्थित रहे, जिससे गांधी मैदान का माहौल उत्साहपूर्ण रहा।

केरल में सीएम बनाने ...

विचार किया जा रहा है। लेकिन आज अलाप्पुझा में वाईएमसीए ब्रिज और मट्टनचेरी ब्रिज कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल के खिलाफ कुछ पोस्टर देखने को मिले। इन पर लिखा था ऐसे कदमों से बचें जिनसे अलाप्पुझा में उपचुनाव थोपा जाए। इसी बीच उनके समर्थकों द्वारा भी कुछ पोस्ट दिखाए गए। इन पोस्टर के जरिए उन्हें ऐसा नेता बताया गया जिसने आगे बढ़कर नेतृत्व किया। आज ही वी. डी. सतीशन के समर्थकों ने नेट्टूर में प्रदर्शन किया और मांग की कि उन्हें केरल का अगला मुख्यमंत्री बनाया जाए। वे विधानसभा चुनावों में यूडीएफ के प्रचार का एक प्रमुख चेहरा थे, जिसमें इस गठबंधन ने 102 सीटें जीती थीं।

बिना 118 विधायकों ...

जाएगा। विजय ने बैठक में कहा कि उनकी पार्टी स्थिर सरकार चलाने में सक्षम है और विधानसभा में विश्वास मत हासिल करने का भरोसा जताया। उन्होंने कानूनी राय भी ली है। टीवीके का कहना है कि पहले भी सबसे बड़ी पार्टी को बिना पूर्ण बहुमत के मौका दिया गया है। हालांकि, राज्यपाल ने इस पर पुनर्विचार का आश्वासन दिया है, लेकिन तत्काल कोई फैसला नहीं लिया। दो दिनों में दो मुलाकातों के बावजूद नतीजा न निकलने से टीवीके कार्यकर्ताओं में निराशा है, लेकिन पार्टी नेतृत्व आशावादी बना हुआ है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अगर राज्यपाल से मंजूरी नहीं मिली तो पार्टी मद्रास हाईकोर्ट का रुख कर सकती है। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में टीवीके सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी थी। विजय की लोकप्रियता और फिल्मी छवि ने युवा मतदाताओं को आकर्षित किया, लेकिन गठबंधन की कमी अब चुनौती बन गई है। फिलहाल सियासी गलियारों में चर्चा है कि क्या विजय तीसरी कोशिश करेंगे या कानूनी रास्ता अपनाएंगे?

कॉल बनी काल...

लेकिन गुरुवार की सुबह होते ही शव मिलना शुरू हो गए। बारिश के बीच भी टीमों का रेस्क्यू जारी रहा और वह नदी में डूबे लोगों की तलाश करते रहे। वहीं ग्रामीण भी नदी किनारे डटे रहे। उच्चाधिकारी भी घटना स्थल पर मौजूद हैं और संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश देते रहे। हर कोई उस काल को घटना का काल मान रहा है जो नाविक विष्णु के मोबाइल पर आई थी। लोग कह रहे हैं कि न उसके मोबाइल पर फोन आता और न ही यह हादसा होता। इस घटना के बाद से पूरे गांव में शोक छाया हुआ है। महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों समेत आसपास के गांव के लोग भी नदी किनारे पहुंच गए हैं और वहां पर डटे हुए हैं। नदी में करीब दस किमी के दायरे में टीम ने जाल डालकर डूबे हुए लोगों की तलाश करना शुरू कर दी थी। लेकिन रात का अंधेरा और नदी का तेज बहाव कहीं न कहीं टीम के लिए बाधक बना रहा और यही कारण रहा कि रात में टीम को कोई सफलता नहीं मिली और सुबह होते ही टीम को शव मिलना शुरू हो गए और शाम करीब सवा पांच बजे तक टीम ने सभी शव नदी से बरामद कर उन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के बाद जिन घरों के लोग नदी में डूबे थे, वह रातभर सो नहीं सके। स्वजन समेत ग्रामीण रातभर नदी किनारे निगाहें लगाए बैठें रहे कि शायद नदी में डूबे उनके परिवार का सदस्य सकुशल निकल आए। लेकिन रात में कोई सफलता टीम को नहीं लगी। नदी किनारे अंधेरा होने के कारण जिला प्रशासन के द्वारा इमरजेंसी लाइट का भी बंदोबश्त किया गया था। ताकि किसी भी प्रकार की कोई दिक्कत न हो। रातभर नदी किनारे लोगों का जमावड़ा लगा रहा। घटना स्थल से लेकर सीएचसी कुरारा और जिला अस्पताल तक 108 एंबुलेंस की टीमें अलर्ट रहीं। नदी में डूबने के बाद जो लोग सकुशल निकल आए उन्हें तत्काल सीएचसी कुरारा पहुंचाया गया। वहीं सुबह से मिलने वाले शव भी 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल भिजवाए गए। 108 एंबुलेंस के प्रभारी कपिल वार्ष्णेय और भूपेंद्र सिंह अपनी पूरी टीम के साथ मुस्तैद नजर आए। टीम ने सारी रात और पूरा दिन कड़ी मेहनत के साथ अपने कार्य को किया। खरबूजा खाकर नाव से लौट रहे लोग बोरियों में खरबूज, तरबूज भी भरे हुए थे। नाव का संतुलन बिगड़ने के बाद जब वह पलट गई तो घटना के बाद नदी में डूबी नाव का भी कोई सुराग नहीं लग सका, वहीं बच्चे और अन्य स्वजन जिन बोरियों में भरकर खरबूजा लेकर घर आ रहे थे, वह भी नदी के पानी में बह गए। इस घटना के बाद से पूरे गांव में हलचल मची हुई है।

पाकिस्तान में कोई आतंकी...

मार्शल अवधेश कुमार तथा डायरेक्टर जनरल नेवल ऑपरेशन वाइस एडमिरल ए.एन. प्रमोद सहित कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारी मौजूद रहे। लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने यह साबित कर दिया कि *आत्मनिर्भर भारत* केवल नारा नहीं, बल्कि भारत की सैन्य शक्ति को कई गुना बढ़ाने वाली वास्तविक क्षमता है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में भारतीय सेना द्वारा उपयोग किए जा रहे 65 प्रतिशत से अधिक रक्षा उपकरण देश में ही निर्मित हो रहे हैं। राजीव घई ने कहा कि 7 मई, 2025 को शुरू हुए अभियान के दौरान भारतीय सेना ने सात और भारतीय वायु सेना ने दो प्रमुख आतंकी लक्ष्यों को निशाना बनाया था। इन कार्रवाइयों में आतंकवादी शिविरों को भारी क्षति पहुंची और 100 से अधिक आतंकियों के मारे जाने की पुष्टि हुई। उन्होंने दावा किया कि नियंत्रण रेखा पर बाद में हुई झड़पों में पाकिस्तान के 100 से अधिक सैनिक भी मारे गए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने लंबे समय तक आतंकवादी ढांचे को सुरक्षित समझा, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर ने यह धारणा पूरी तरह तोड़ दी। आतंकवादी कैंपों का स्थान बदलते रहने और उन्हें सीमा से भीतर खिसकाने की कोशिशों के बावजूद भारतीय सेना की पहुंच और क्षमता पर कोई असर नहीं पड़ा। प्रेस कांफ्रेंस के दौरान राजीव घई ने प्रसिद्ध शायर दुष्यंत कुमार की पंक्तियां उद्धृत करते हुए कहा कि सिर्फ हंगामा करना मेरा मकसद नहीं, मेरी कोशिश है कि ये सूरत बदलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखेगा और राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर आवश्यक कदम उठाएगा। राजीव घई ने कहा कि भारत ने अपने स्पष्ट रणनीतिक उद्देश्यों को प्राप्त करने के बाद संघर्ष को अनावश्यक रूप से लंबा नहीं खींचा। उन्होंने कहा कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों में चल रहे युद्धों ने यह दिखाया है कि लंबे संघर्ष किस प्रकार विनाशकारी हो सकते हैं। भारत ने संतुलित लेकिन तीव्र कार्रवाई के माध्यम से पाकिस्तान की जोखिम लेने की क्षमता और इच्छा दोनों को प्रभावित किया। एयर मार्शल अवधेश कुमार ने कहा कि भारत हमेशा *जियो और जीने दो* के सिद्धांत में विश्वास करता है, लेकिन जब शांति की इच्छा को कमजोरी समझा जाए और संयम को निष्क्रियता माना जाए, तब निर्णायक कार्रवाई आवश्यक हो जाती है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य पूरी तरह स्पष्ट था और इसमें किसी प्रकार की नरमी की गुंजाइश नहीं रखी गई। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में सक्रिय आतंकवादी ढांचे को निशाना बनाया गया। भारतीय सेनाओं ने संयुक्त रूप से बेहद संतुलित, सटीक और प्रभावी सैन्य कार्रवाई को अंजाम दिया। एयर मार्शल ने कहा कि 7 मई 2025 की तड़के जब पहला लक्ष्य भेदा गया, तब वह भारत की सामूहिक शक्ति और संकल्प का सीधा संदेश था, जो दुश्मन की धरती तक पहुंचा। एयर मार्शल ने दावा किया कि ऑपरेशन के दौरान भारत के किसी सैन्य या नागरिक ढांचे को नुकसान नहीं पहुंचा। उन्होंने कहा कि भारतीय सेनाओं ने सभी हमलों को प्रभावी ढंग से निष्क्रिय कर दिया। उन्होंने बताया कि इस अभियान में पाकिस्तान के नौ आतंकी ठिकानों को पूरी तरह ध्वस्त किया गया, 11 एयरफील्ड को तबाह किया गया और 13 विमान मार गिराए गए। इनमें एक एयर वार्निंग विमान भी शामिल था, जिसे 300 किलोमीटर से अधिक दूरी से निशाना बनाया गया। उन्होंने कहा कि इस कार्रवाई के सभी प्रमाण दुनिया के सामने रखे जा चुके हैं। भारतीय सेना की कार्रवाई केवल जवाबी हमला नहीं थी, बल्कि यह राष्ट्रीय आत्मरक्षा का सशक्त उदाहरण थी। वाइस एडमिरल एएन प्रमोद ने बताया कि 6 और 7 मई की रात भारतीय नौसेना ने भी सेना और वायुसेना के साथ मिलकर आतंकवादी ढांचे पर सटीक हमले किए। उन्होंने कहा कि नौसेना की अग्रिम तैनाती के कारण पाकिस्तान की नौसैनिक और वायु इकाइयों को रक्षात्मक मुद्रा अपनाने पर मजबूर होना पड़ा। अधिकांश पाकिस्तानी सैन्य संसाधन अपने बंदरगाहों तक सीमित हो गए या तटरेखा के आसपास ही सक्रिय रह पाए। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने यह सिद्ध कर दिया कि भारत किसी भी उकसावे का जवाब संतुलित, रणनीतिक और निर्णायक बल प्रयोग से देने में सक्षम है। साथ ही यह भी साबित हुआ कि आतंकवादी ढांचे और उन्हें संरक्षण देने वाली सैन्य संरचनाओं को बेहद कम समय में प्रभावी ढंग से निशाना बनाया जा सकता है। लेफ्टिनेंट जनरल जुबिन ए. मिनवाला ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एयर डिफेंस में इंटीग्रेटेड एयर कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम (आईएससीएस) और आकाशतीर जैसी प्रणालियों को एकीकृत कर हवाई गतिविधियों की समग्र निगरानी सुनिश्चित की गई, जबकि अब एआई आधारित डिफेंस स्ट्रैटजिक कम्युनिकेशन डिवीजन स्थापित कर रियल-टाइम में दुष्प्रचार और फेक सूचना से मुकाबला किया जाएगा।

भारत-म्यांमार बॉर्डर ...

और पीपुल्स डिफेंस फोर्स (पीडीएफ) द्वारा किया गया। सुरक्षा बलों ने मणिपुर में एक शीर्ष उग्रवादी नेता और एक महिला कार्यकर्ता समेत छह उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है और भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है। गिरफ्तार किए गए छह विद्रोहियों में यूकेएनए का एक स्वयंभू लेफ्टिनेंट 22 वर्षीय सेइमेनियल हाओकिप भी शामिल है, जिसे चूड़चंद्रपुर, इंफाल पश्चिम और इंफाल पूर्व सहित विभिन्न जिलों से गिरफ्तार किया गया है।

पांच राज्यों में चुनाव के ...

रुपए से अधिक मूल्य की अवैध वस्तुएं जब्त कीं। आयोग ने मुख्य सचिवों, सीईओ, डीजीपी और संबंधित राज्यों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कई दौर की समीक्षा बैठकें कीं। इसके अलावा 376 व्यय पर्यवेक्षकों के साथ 7,470 फ्लाइंग स्क्वाड टीम और 7,470 स्टैटिक सर्विलांस टीमों को तैनात किया गया ताकि चुनाव हिंसा-मुक्त, भय-मुक्त और प्रलोभन-मुक्त रह सके। इन जब्ती कार्रवाइयों को इलेक्शन सीजर मैनेजमेंट सिस्टम (ईएसएमएस) प्लेटफॉर्म के जरिए और अधिक प्रभावी बनाया गया, जिसने विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय और सूचना साझा करने की प्रक्रिया को सुगम किया। 26 फरवरी से सक्रिय इस प्लेटफॉर्म के जरिए 6 मई तक कुल 1,444.96 करोड़ रुपए की जब्ती की गई।

फलता सीट को छोड़ ...

जाने की घोषणा की है। आयोग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, संबंधित राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद आदर्श आचार संहिता समाप्त हो गई है। हालांकि पश्चिम बंगाल की 144-फलता विधानसभा सीट पर आयोग द्वारा पुनर्मतदान का आदेश दिए जाने के कारण वहां आचार संहिता प्रभावी रहेगी। चुनाव आयोग ने यह आदेश कैबिनेट सचिव, संबंधित राज्यों के मुख्य सचिवों और मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को भेजा है। आदेश में कहा गया है कि चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ लागू होने वाली आचार संहिता चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक प्रभावी रहती है। आदेश में कहा गया कि अब, जबकि असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी की विधानसभाओं के लिए 2026 के आम चुनावों और गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र, नगालैंड तथा त्रिपुरा के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में हुए उपचुनावों के परिणाम संबंधित रिटर्निंग अधिकारियों द्वारा घोषित कर दिए गए हैं, इसलिए आदर्श आचार संहिता तत्काल प्रभाव से समाप्त मानी जाएगी। हालांकि, चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया कि पश्चिम बंगाल के 144-फलता विधानसभा क्षेत्र में आदर्श आचार संहिता लागू रहेगी, जहां आयोग ने नए सिरे से मतदान का आदेश दिया है।

बंगाल और असम में नहीं हुए निष्पक्ष चुनाव : भूपेंद्र हुड्डा

रोहतक। पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा का कहना है कि बंगाल और असम में विधानसभा चुनाव निष्पक्ष नहीं हुए है। चुनाव आयोग की भूमिका संदिग्ध रही। कांग्रेस केरल में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने में सफल रही है। तमिलनाडु में एक बार फिर गठबंधन की सरकार बनने जा रही है। कहा, हरियाणा की तीनों नगर निगम चुनावों में कांग्रेस भारी बहुमत से जीत हासिल करेगी। सभी निगमों में कांग्रेस का मेयर व पार्षद चुने जाएंगे। वह बुधवार शाम को डी पार्क स्थित निवास पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। पूर्व सीएम ने कहा कि जिन नगर पालिका क्षेत्रों में कांग्रेस पार्टी सिंबल पर चुनाव नहीं लड़ रही है, वहां जनता से अपील है कि वह उस मजबूत उम्मीदवार को वोट दें जो भाजपा को हराने की क्षमता रखता हो। उन्होंने कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा चुकी है। आम आदमी लगातार महंगाई की मार झेल रहा है। हाल ही में सरकार ने कॉमर्शियल एलपीजी सिलिंडर के दाम में एक महीने में ही 993 रुपए की बढ़ोतरी कर दी है। मार्च में 115 रुपए व अप्रैल में 195.50 रुपए की बढ़ोतरी हुई है। तीन माह में ही कॉमर्शियल सिलिंडरों के दाम में करीब 1,303 रुपए का इजाफा हुआ है। अब कॉमर्शियल सिलिंडर 3,071 रुपए का हो गया है। भाजपा नेताओं की ओर से पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी भजनलाल व चौधरी बंसीलाल के लिए कही अपमानजनक टिप्पणियों की निंदा करते हुए कहा कि जिम्मेदार पदों पर बैठे नेताओं को मुख्यमंत्रियों का सम्मान करना चाहिए। ऐसी टिप्पणियां निंदनीय हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा की मंडियों का दौरा किया है।

असम विस चुनाव में हुई करारी हार

कांग्रेस की समीक्षा बैठक कल

गुवाहाटी (हि.स.)। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) ने आगामी 9 मई को अपनी जिला इकाइयों की एक अहम समीक्षा बैठक बुलाई है। इस बैठक का उद्देश्य हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों में पार्टी के प्रदर्शन का आकलन करना है, जहां कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन को एक बड़ा झटका लगा था। एपीसीसी के महासचिव (संगठन) रमेन बरुवा ने एक सर्कुलर जारी किया, जिसमें संबंधित पार्टी नेताओं को बैठक के लिए गुवाहाटी में मौजूद रहने का निर्देश दिया गया है। सर्कुलर के अनुसार, एपीसीसी के सभी पदाधिकारियों, जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों, प्रभारी अध्यक्षों और वरिष्ठ उपाध्यक्षों को इस समीक्षा बैठक में शामिल होने के लिए कहा गया है। सर्कुलर में कहा गया है कि इस बैठक में असम विधानसभा चुनाव 2026 के नतीजों पर चर्चा की जाएगी। इसमें यह भी बताया गया है कि पार्टी के संगठनात्मक और चुनावी प्रदर्शन की गहन समीक्षा की जाएगी। कांग्रेस के नेतृत्व वाला विपक्षी गठबंधन 126 सदस्यों वाली असम विधानसभा में केवल 21 सीटें, जिसमें कांग्रेस 19 और राइजर दल 2 सीटें ही जीत सका, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने 102 सीटों के साथ शानदार जीत दर्ज की। इस बीच, असम कांग्रेस के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने बीते मंगलवार को कांग्रेस उम्मीदवारों के साथ एक वर्चुअल बातचीत की। इस बातचीत का मकसद उम्मीदवारों से फीडबैक लेना और चुनाव नतीजों पर चर्चा करना था।

असम के महाधिवक्ता देवजीत लोन सैकिया ने दिया इस्तीफा

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के महाधिवक्ता देवजीत लोन सैकिया ने लगभग पांच वर्षों का कार्यकाल पूरा होने और मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली वर्तमान राज्य सरकार के कार्यकाल की समाप्ति के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। सैकिया ने सोशल मीडिया पर साझा एक बयान में कहा कि उन्होंने *उच्च परंपरा और संवैधानिक मर्यादा को बनाए रखते हुए* महाधिवक्ता कार्यालय से अपना इस्तीफा सौंपा है। उन्होंने कहा कि असम राज्य की सेवा करना उनके लिए *गौरव और सम्मान* की बात रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा, मंत्रिपरिषद, विधि जगत से जुड़े सहयोगियों, सरकारी अधिकारियों तथा सभी संबंधित लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। सैकिया ने कहा कि अपने पूरे कार्यकाल के दौरान उन्हें सभी का विश्वास, सहयोग और समर्थन प्राप्त हुआ। राज्य में वर्तमान सरकार के कार्यकाल की समाप्ति के बीच उनका इस्तीफा राजनीतिक और प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

गौहाटी विश्वविद्यालय में प्राचीन सांचिपात पांडुलिपि अध्ययन विषयक कार्यशाला आयोजित

असम (हि.स.)। असम की ज्ञान-संस्कृति और विरासत के महत्वपूर्ण प्रतीक सांचिपात पांडुलिपियों के संरक्षण तथा विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करने के उद्देश्य से गौहाटी विश्वविद्यालय के सहयोग से तथा कुमार भास्कर वर्मा संस्कृत और प्राचीन अध्ययन विश्वविद्यालय की पहल पर बुधवार को कृष्णकांत हैंडिक पुस्तकालय में *प्राचीन सांचिपात पांडुलिपि अध्ययन* विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए गौहाटी विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोफेसर उत्पल शर्मा ने सांचिपात पांडुलिपियों को असम की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्मृति का जीवंत दस्तावेज बताते हुए कहा कि कि सांचिपात केवल पुरानी पांडुलिपियां नहीं हैं, बल्कि यह हमारी सभ्यता, ज्ञान-परंपरा और संस्कृति की अमूल्य धरोहर हैं। इनके संरक्षण और अध्ययन के माध्यम से हम अपनी जड़ों से जुड़ सकते हैं तथा आने वाली पीढ़ियों को भी अपनी विरासत के महत्व से परिचित करा सकते हैं। डिजिटल माध्यमों के जरिए इन अमूल्य सांचिपातों को भविष्य की पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखना हमारी जिम्मेदारी है। कार्यशाला में उपस्थित कृष्णकांत हैंडिक पुस्तकालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार डेका ने कहा कि कि सांचिपात पांडुलिपियां हमारे समाज की ज्ञान-परंपरा का अमूल्य भंडार हैं। इनके संरक्षण में नई पीढ़ी की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। इस प्रकार की कार्यशालाएं विद्यार्थियों में सांस्कृतिक चेतना विकसित करने के साथ-साथ शोध के नए द्वार भी खोलती हैं। इस कार्यशाला में पचास से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। पांडुलिपि विभाग के सह-संरक्षक धनजीत तालुकदार संसाधन व्यक्ति के रूप में उपस्थित रहे और उन्होंने सांचिपात पांडुलिपियों के इतिहास, संरक्षण की पद्धतियों तथा शोध संबंधी विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यशाला में कुमार भास्कर वर्मा संस्कृत और प्राचीन अध्ययन विश्वविद्यालय के अध्यापकों, गौहाटी विश्वविद्यालय के शिक्षकों तथा छात्र-छात्राओं ने इस कार्यशाला में भाग लिया।

तामुलपुर में अग्निवीर प्रीरिक्रूटमेंट रैली का होगा आयोजन

तामुलपुर (हि.स.)। सेना के 17वीं-असम रेजिमेंट की पहल पर आगामी 16 और 17 मई को तामुलपुर जिले स्थित 17वीं-असम रेजिमेंट के फुटबॉल मैदान में अग्निवीर प्री-रिक्रूटमेंट रैली आयोजित की जाएगी। यह रैली प्रतिदिन सुबह 5 बजे से शुरू होगी। जानकारी के अनुसार, आगामी जून माह में आयोजित होने वाली अग्निवीर भर्ती रैली की तैयारी और प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत इस प्री-रिक्रूटमेंट रैली का आयोजन किया जा रहा है। इसमें नलबाड़ी, बरपेटा, बाक्सा, दरंग, तामुलपुर, कामरूप (मेट्रो), कामरूप (ग्रामीण), उदालगुड़ी और बजाली जिलों के अभ्यर्थी भाग ले सकेंगे। आयोजकों ने उम्मीद जताई है कि इस पहल से अग्निवीर में शामिल होने के इच्छुक युवाओं के बीच जागरूकता बढ़ेगी तथा उन्हें भर्ती प्रक्रिया की तैयारी में सहायता मिलेगी।

बंगाल में सुवेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ की हत्या पर असम भाजपा ने की कड़ी निंदा

गुवाहाटी (हि.स.)। पश्चिम बंगाल के वरिष्ठ भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी के निजी सहायक (पीए) चंद्रनाथ रथ की नृशंस हत्या ने पूरे देश के सभ्य समाज की अंतरात्मा को गहराई से झकझोर दिया है। इस घटना को लेकर असम प्रदेश भारतीय जनता पार्टी ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए इसे लोकतंत्र और समाज के लिए बेहद चिंताजनक बताया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कहा है कि लोकतंत्र में राजनीतिक मतभेद और वैचारिक भिन्नताएं हो सकती हैं, लेकिन हिंसा और हथियारों के बल पर राजनीतिक बदला लेना किसी सभ्य समाज की पहचान कभी नहीं हो सकता। असम प्रदेश भाजपा मुख्यालय से गुरुवार को जारी बयान में कहा गया है कि पश्चिम बंगाल के हालिया विधानसभा चुनावों में लोगों ने निडर होकर अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का प्रयोग किया और भाजपा के पक्ष में एक स्पष्ट जनादेश दिया। हालांकि, लोगों के जनादेश का सम्मान करने के बजाय, तृणमूल कांग्रेस और विपक्षी ताकतों के कुछ तत्व एक बार फिर राज्य में हिंसा, भय और राजनीतिक प्रतिशोध का माहौल बनाने की कोशिश करते दिख रहे हैं। इस तरह के घटनाक्रम बेहद चिंताजनक और निंदनीय हैं। पश्चिम बंगाल का प्रत्येक नागरिक शांति, सुरक्षा और लोकतांत्रिक मूल्यों के संरक्षण की आकांक्षा रखता है। ऐसी बर्बरता और क्रूरता की घटनाओं के लिए किसी भी सभ्य समाज में कोई जगह नहीं है। असम प्रदेश भाजपा इस जघन्य कृत्य की स्पष्ट रूप से और कड़े से कड़े शब्दों में निंदा करती है और एक निष्पक्ष जांच की मांग करती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि दोषियों को कानून के तहत सबसे कठोर दंड देकर न्याय के कटघरे में लाया जाए। भाजपा ने कहा है कि हम यह भी उजागर करना चाहते हैं कि राजनीतिक सत्ता खोने के बाद, कुछ निहित स्वार्थों ने कथित तौर पर विभिन्न स्तरों पर भाजपा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के खिलाफ बार-बार नृशंस हिंसा की घटनाओं को अंजाम दिया है। हम उन सभी लोगों को अपनी हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं जिन्होंने अपनी जान गंवाई और दुख की इस घड़ी में शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं और एकजुटता व्यक्त करते हैं। भाजपा ने अपने बयान में कहा है कि पश्चिम बंगाल की धरती, जो गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की जन्मस्थली के रूप में पवित्र है, ने इस बार विधानसभा चुनावों में अपना जनादेश भाजपा को सौंपा है। भाजपा लोगों के कल्याण के प्रति समर्पित एक स्वस्थ, पारदर्शी और लोकतांत्रिक सरकार स्थापित करने के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध है।

कांग्रेस अब मुस्लिम लीग बन गई : अजमल

गुवाहाटी (हि.स.)। ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के प्रमुख बदरुद्दीन अजमल ने असम विधानसभा चुनाव परिणामों को लेकर एक बार फिर से कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए आज कहा कि कांग्रेस अब कांग्रेस नहीं रही, बल्कि मुस्लिम लीग में बदल गई है। अजमल आज पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। चुनावी नतीजों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए अजमल ने कहा कि कांग्रेस को दोबारा खड़ा होने में कम से कम 20 साल लगेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि असम में कांग्रेस का नेतृत्व *मियां मुस्लिम* कर रहे हैं और अब यह संदेश पूरी दुनिया तक जाएगा। अजमल ने कहा कि कांग्रेस के 19 विधायकों में से 18 मियां मुस्लिम समुदाय से हैं। उन्होंने कांग्रेस की चुनावी रणनीति और गौरव गोगोई के नेतृत्व को पार्टी की स्थिति के लिए जिम्मेदार ठहराया। अजमल ने कहा कि दो वर्ष पहले से ही वे कांग्रेस नेताओं से कह रहे हैं कि चाहे खुलकर या अंदर ही अंदर एआईयूडीएफ के साथ एक समझौता कर लें, नहीं तो चुनाव में कांग्रेस का सफाया हो जाएगा। लेकिन, कांग्रेस नेतृत्व में इसे गंभीरता से नहीं लिया। उन्होंने कहा कि आज ऊपरी असम से कांग्रेस का सफाया हो चुका है और पूरे विश्व में यह संदेश जाएगा कि कांग्रेस मियां मुसलमान का नेतृत्व करती है। उन्होंने कहा कि अब विधानसभा में कांग्रेस का प्रतिनिधित्व मियां मुसलमान ही करेंगे। अजमल ने ये टिप्पणियां असम में चुनाव परिणामों के बाद उत्पन्न राजनीतिक परिस्थिति को लेकर कीं।

पूसीरे ने लमडिंग-बदरपुर पहाड़ी सेक्शन में टकराव रोकने के उपाय किए तेज

गुवाहाटी (हि.स.)। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) ने लमडिंग मंडल के अंतर्गत रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण लमडिंग-बदरपुर पहाड़ी सेक्शन में भैंसों के टकराने की घटनाओं को रोकने के लिए कई सक्रिय कदम उठाए हैं। रेलगाड़ियों के परिचालन की सुरक्षा के साथ-साथ पशुधन की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पूसीरे ने उन संवेदनशील स्थानों पर निवारक उपायों को तेज कर दिया है, जहां अतीत में ऐसी घटनाओं की शिकायतें अक्सर मिलती रही हैं। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज बताया है कि सुरक्षा बढ़ाने के उपायों के तहत, पहाड़ी क्षेत्रों में मुख्य रेलवे सुरंगों के पास बाड़ लगाने का काम किया जा रहा है, ताकि भैंसों और मवेशियों को रेल पटरियों पर आने से रोका जा सके। हाल ही में, टनल संख्या 16 और पुल संख्या 262 के बीच, रेल पटरियों के दोनों तरफ लगभग 150 मीटर लंबा बाड़ लगाने का काम सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। इसके अलावा, टनल संख्या 10 और टनल संख्या 12 के पास भी बाड़ लगाने का काम अभी चल रहा है और इसे जल्द से जल्द पूरा करने के लिए तेजी से कार्य किया जा रहा है। उम्मीद है कि इन पहलों से मवेशियों के ट्रैक पर आने की संभावना काफी कम हो जाएगी और मवेशियों व ट्रेनों के बीच टक्कर की घटनाओं से बचा जा सकेगा, जिससे परिचालन सुरक्षा में सुधार होगा। बुनियादी ढांचे से जुड़े उपायों के साथ-साथ, पूसीरे उन गांवों में बड़े पैमाने पर जागरूकता अभियान भी चला रहा है, जो भैंसों के टकराने की घटनाओं की आशंका वाले क्षेत्रों के करीब स्थित हैं। इनमें विशेष रूप से न्यू हारांगाजाओ-डिटक छड़ा सेक्शन है। रेल अधिकारी, ग्राम परिषदों और स्थानीय निवासियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए, लोगों को रेल पटरियों और सुरंगों पर मवेशियों और भैंसों के अनाधिकृत प्रवेश से उत्पन्न होने वाले खतरों के प्रति जागरूक कर रहे हैं। इन अभियानों के दौरान, ग्रामीणों को अपने पशुधन को रेल पटरियों और परिसरों से दूर रखने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु पर्चे वितरित और जागरूकता पोस्टर प्रदर्शित किए जा रहे हैं। पूसीरे निरंतर निगरानी, बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और समुदाय की भागीदारी के जरिए पहाड़ी क्षेत्रों में सुरक्षित और बिना किसी रुकावट के ट्रेन परिचालन सुनिश्चित करने के लिए हमेशा प्रतिबद्ध है। पूसीरे स्थानीय निवासियों और पशु मालिकों से आह्वान किया है कि वे रेलवे परिचालन को सुरक्षा सुनिश्चित करने और पशुओं से जुड़ी दुर्घटनाओं को रोकने में अपना सहयोग प्रदान करें।

वशिष्ठ पुलिस ने 10 डकैतों को किया गिरफ्तार

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी की वशिष्ठ पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए डकैती और लूटपाट की घटनाओं में संलिप्त 10 डकैतों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों के पास से पुलिस ने एक एयर गन तथा डकैती में इस्तेमाल किए जाने वाले कई धारदार हथियार बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान बिपुल अली, रमजान, गाजी, नासिब, आसादुर, अब्दुर, शाहिद, सामदुर और मक्तुल हुसैन के रूप में की गई है। एक अन्य आरोपित की पहचान को लेकर पुलिस की प्रक्रिया जारी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार डकैतों से पूछताछ की जा रही है, ताकि उनके अन्य आपराधिक मामलों में शामिल होने की जानकारी जुटाई जा सके। मामले की जांच जारी है।

कछार में हथियार बरामद, महिला समेत दो गिरफ्तार

कछार (हि.स.)। कछार पुलिस द्वारा खुफिया सूचना के आधार पर अभियान चलाते हुए कछार जिला मुख्यालय शहर सिलचर से महिला और एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। दोनों के कब्जे से हथियार भी बरामद किया गया है। कछार पुलिस अधीक्षक मुख्यालय द्वारा गुरुवार को दी गयी जानकारी के अनुसार जिला के लखीपुर थाना में दर्ज केस नंबर 64/2026, धारा 308(4) बीएनएस और धारा 25(1)(ए) आर्म्स एक्ट के संबंध में बीते बुधवार की देर शाम सिलचर शहर के रामनगर, एफसीआई रोड इलाका निवासी अकरम अली के घर पर पुलिस की टीम ने तलाशी अभियान चलाया। तलाशी अभियान के दौरान, लैशराम टिकेन मैतेई नाम के एक युवक और मोनालिसा चानू नाम की एक महिला के कब्जे से एक 9 एमएम की इटालियन पिस्तौल, 05 राउंड जिंदा कारतूस, एक चीनी ग्रेनेड, आधार कार्ड, पैन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, एटीएम कार्ड, एक वाहन का नंबर प्लेट, तीन मोबाइल हैंडसेट और अन्य दस्तावेज बरामद किया गया। पुलिस इस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी रखे हुए है। गिरफ्तार दोनों किसी संगठन से जुड़े हैं या फिर हथियारों की तस्करी में शामिल हैं, इसका पता लगाने के लिए पुलिस लगातार दोनों से पूछताछ कर रही है।

प्रोजेक्ट वर्तक ने गर्व और उत्साह के साथ 66वां स्थापना दिवस मनाया

तेजपुर। बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन (बीआरओ) के प्रोजेक्ट वर्तक ने 07 मई 2026 को असम के तेजपुर में अपना 66वां स्थापना दिवस बड़े गर्व और उत्साह के साथ मनाया। इस अवसर पर, भारत के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में राष्ट्र-निर्माण और रणनीतिक बुनियादी ढांचे के विकास की दिशा में छह दशकों से अधिक की समर्पित सेवा को याद किया गया। मूल रूप से 07 मई 1960 को *प्रोजेक्ट टस्कर* के रूप में शुरू हुआ, प्रोजेक्ट वर्तक बीआरओ का पहला ऐसा प्रोजेक्ट होने का गौरव रखता है जिसने देश में सड़क निर्माण गतिविधियां शुरू कीं। 1963 में, प्रोजेक्ट के नामों के भारतीयकरण के बाद, इसका नाम बदलकर *प्रोजेक्ट वर्तक* रख दिया गया। अपनी शुरुआत से ही, यह प्रोजेक्ट देश के कुछ सबसे चुनौतीपूर्ण और रणनीतिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में महत्वपूर्ण कनेक्टिविटी प्रदान करने में सबसे आगे रहा है। 1964-65 के दौरान, इस प्रोजेक्ट ने भालुकपोंग-तेंगा-तवांग मार्ग को बेहतर बनाने का कठिन कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया। इसमें बोमडिला को सेला से जोड़ने वाले *फॉर्मेशन कटिंग* (सड़क बनाने के लिए जमीन की कटाई) के काम और भालुकपोंग से रूपा तक सड़क की सतह बनाने (सरफेसिंग) के काम शामिल थे। ये चुनौतीपूर्ण कार्य 14 बॉर्डर रोड्स टास्क फोर्स के समर्पित कर्मियों द्वारा अत्यंत प्रतिकूल भूभाग और मौसम की स्थितियों में पूरे किए गए थे। वर्तमान में, प्रोजेक्ट वर्तक तेंगा, सैपर कैंप और खिरमू में स्थित अपनी टास्क फोर्स के माध्यम से काम करता है। इस प्रोजेक्ट को असम के सोनितपुर जिले और अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम कामेंग और तवांग जिलों में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सड़कों के निर्माण, विकास और रखरखाव की जिम्मेदारी सौंपी गई है; ये सड़कें अंतर्राष्ट्रीय सीमा तक फैली हुई हैं। प्रोजेक्ट वर्तक वर्तमान में लगभग 2066.90 किलोमीटर के सड़क नेटवर्क के लिए जिम्मेदार है, जिसमें ऊंचे पहाड़ी और बर्फ से ढके क्षेत्रों के महत्वपूर्ण हिस्से भी शामिल हैं।

यह प्रोजेक्ट वोमिंगला, बुमला, यांग्त्से, नागुला, वाई जंक्शन, क्लेमटा, लुंग्रो जीजी, मंकी पास, लुंगर, धौला और असम हिल जैसे रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण दर्रों और स्थानों का रखरखाव करता है। नागरिकों और रक्षा दोनों की जरूरतों के लिए साल भर चालू कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने हेतु नियमित रूप से बर्फ हटाने और मरम्मत का काम किया जाता है। वर्तमान में, प्रोजेक्ट के जिम्मेदारी वाले क्षेत्र में 67 सड़कों पर 119 काम चल रहे हैं। यह प्रोजेक्ट 1309.22 किमी. सड़कों का रखरखाव भी कर रहा है और बेहद मुश्किल जलवायु और भौगोलिक परिस्थितियों में 550.83 किमी. सड़कों से बर्फ हटाने का काम कर रहा है। बुनियादी ढांचे के विकास के अलावा, प्रोजेक्ट वर्तक ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में बाढ़, भूस्खलन और अन्य प्राकृतिक आपदाओं के दौरान आपदा राहत, मानवीय सहायता और संपर्क बहाल करने के प्रति लगातार असाधारण प्रतिबद्धता दिखाई है। इसकी समय पर की गई कार्रवाई ने स्थानीय आबादी के साथ-साथ रक्षा बलों को भी बिना किसी रुकावट के संचार और सहायता सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाई है। अटूट समर्पण, पेशेवर रवैये और सेवा भावना के साथ, प्रोजेक्ट वर्तक के कर्मी मुश्किल इलाकों और खराब मौसम की परिस्थितियों में भी लगातार अथक परिश्रम कर रहे हैं, और दूरदराज के सीमावर्ती क्षेत्रों में ऑपरेशनल तैयारी, सामाजिक-आर्थिक विकास और राष्ट्रीय एकता में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। अपने 66वें स्थापना दिवस के अवसर पर, प्रोजेक्ट वर्तक ने सीमावर्ती बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, संपर्क बढ़ाने और देश की सबसे चुनौतीपूर्ण सीमाओं पर बेहतरीन तरीके से राष्ट्र की सेवा करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

No. CFDA/2019/05/Pt-IV/

Public Notice

Subject : Migration of Wholesale Drug Licence and Manufacturing Licence Applications from EODB Portal to ONDLS Portal w.e.f. 15th May, 2026.

This is for information of all concerned stakeholders, including applicants, existing license holders, manufacturers, wholesalers, and other entities operating under the provisions of the Drugs and Cosmetics Act, 1940 and Rules made thereunder, that the submission and processing of applications relating to **Wholesale Drug Licence** and **Manufacturing Licence** are being migrated from the existing **Ease of Doing Business (EODB) Portal** to the **Online National Drugs Licensing System (ONDLS)** Portal (https://statedrugs.gov.in) as per the approval of Government of Assam.

In this regard, the following instructions are issued for strict compliance:

1. **Processing through ONDLS :**
   All applications shall henceforth be submitted and processed exclusively through the ONDLS Portal from 15th May, 2026.
2. **Discontinuation of EODB Portal :**
   With effect from **15th May, 2026,** no new applications for:
   1. Grant and retention of Wholesale Drug Licences
   2. Grant and retention of Manufacturing Licences
   3. Endorsements, modifications, and other related services shall be accepted through the EODB Portal.
3. **Pending Applications:**
   Applications already submitted through the EODB Portal prior to 15th May, 2026 shall be processed in the existing portal.
4. **Digitization of Existing Licences:**
   All existing license holders are required to register themselves on the ONDLS Portal and create login credentials for digitization of existing Licences.
5. **Helpdesk:**
   User manuals & standard operating procedures (SOPs) are avilable in the website. In case of any technical difficulty or assistance required regarding migration, applicants may contact through mail id ondlssupport-noida@cdac.in/

All concerned are hereby requested to take note of the above and comply accordingly.This public circular is issued in the interest of facilitating a seamless and transparent online licensing process.

This matter may be treated as most urgent.

-- DIPR /D/VBS-9/
8-May-26

Commissioner
Food Safety and Drugs Control Administration, Assam

संपादकीय

ममता का 'चुनावी लूट' नारा

चुनाव में करारी पराजय के बावजूद ममता बनर्जी ने नया प्रलाप शुरू किया है कि वह 'लोकभवन' जाकर मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं देंगी। वह चुनाव में हारी नहीं हैं, तो इस्तीफा क्यों दें? वह चुनाव नहीं हारी हैं, बल्कि उनकी 100 सीटें जबरन लूट ली गई हैं। चुनाव आयोग 'मुख्य खलनायक' है और देश के प्रधानमंत्री और गृहमंत्री की निगरानी में यह 'चुनावी लूट' की गई है। ममता का बेहद गंभीर आरोप है कि मतगणना केंद्र में उनके पेट और उनकी पीठ पर लातें मारी गईं। उन्हें धकिया कर मतगणना केंद्र से बाहर निकाल दिया गया। ये आरोप हिंसात्मक भी हैं। जब ममता बनर्जी मतगणना केंद्र में गई थीं, तब वह पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री थीं और भवानीपुर सीट पर उम्मीदवार भी थीं। सवाल और आश्चर्य है कि एक सार्वजनिक स्थल पर कोई भी एक मुख्यमंत्री, महिला मुख्यमंत्री, पर हिंसात्मक हमला कैसे कर सकता है? सुरक्षाकर्मी कहां थे? ऐसे हमले की प्राथमिकी दर्ज क्यों नहीं कराई गई? क्या कोई साक्षी है उस हमले का? बहरहाल ममता बनर्जी ने 'चुनावी लूट' का नया नारा दिया है। इस मुद्दे पर अब वह सड़कों पर संघर्ष करेंगी और फिर सत्ता में लौटेंगी। बेशक ममता योद्धा किस्म की नेता रही हैं। हार के बाद ममता बनर्जी मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दें अथवा न दें, लेकिन 7 मई के बाद वह खुद ही 'पूर्व मुख्यमंत्री' हो जाएंगी। मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल 7 मई तक ही है। चुनाव आयोग ने असम और बंगाल के नवनिर्वाचित विधायकों की अधिसूचनाएं संबद्ध राज्यपालों को भेज दी हैं। राज्यपाल 'प्रोटेम स्पीकर' की नियुक्ति करेंगे और वह सभी विधायकों को शपथ दिलाएंगे। जब नई विधानसभा गठित होगी और ममता विधायक भी नहीं होंगी, तो मुख्यमंत्री कैसे बनी रह सकती हैं? नए मुख्यमंत्री और कैबिनेट 9 मई को शपथ ग्रहण कर सकते हैं। दरअसल संविधान के अनुच्छेद 154 में स्पष्ट उल्लेख है कि राज्य की कार्यपालिका की तमाम शक्तियां राज्यपाल में निहित होती हैं। राज्यपाल खुद या अधीनस्थ अधिकारियों (मुख्यमंत्री, मंत्रीगण) के जरिए उन शक्तियों का इस्तेमाल करते हैं। राज्यपाल चाहें, तो वह मुख्यमंत्री को हटा भी सकते हैं, क्योंकि ऐसी नियुक्ति राज्यपाल के 'प्लेजर' (प्रसन्नता, संतोष) तक ही सीमित होती हैं। यह अलग मुद्दा है कि मुख्यमंत्री को सदन में 'सामान्य बहुमत' प्राप्त होना चाहिए। यदि बहुमत या विश्वास का परीक्षण किया जाना है, तो उसका अंतिम निर्णय 'सदन' में ही होगा, लेकिन कोई भी निवर्तमान मुख्यमंत्री, चुनाव के बाद, सत्ता-हस्तांतरण से एकदम पहले इस्तीफा देने से इंकार नहीं कर सकता। नैतिक-वैतिक जीत-हार कुछ नहीं होता। जिसके पक्ष में जनादेश के निर्णायक आंकड़े हैं, वही सत्तारूढ़ होगा। ममता को जनादेश 'लूट' लगता है, तो डाटा और दलीलों के साथ सर्वोच्च अदालत में जाएं। ममता ने 'चुनावी लूट' का जो प्रलाप शुरू कर राज्यपाल को इस्तीफा सौंपने से इंकार का जो बयान दिया है, वह लोकतंत्र और संविधान के साथ भद्दा मजाक है। हमें याद नहीं कि देश में किसी भी मुख्यमंत्री ने, चुनाव हारने के बाद, इस्तीफा देने से इंकार किया हो। लोकतंत्र ने ममता बनर्जी के खिलाफ निर्णायक जनादेश दिया है, उसे विनम्रता से स्वीकार करना चाहिए। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन और केरलम के मुख्यमंत्री विजयन ने चुनावी पराजय के बाद इस्तीफे दे दिए हैं। उन राज्यों में सत्ता-हस्तांतरण की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। देश के किसी भी प्रधानमंत्री ने जनादेश के बाद पद छोड़ने में विलंब नहीं किया। यही भारत के लोकतंत्र की खूबसूरती और ताकत भी है। बहरहाल अब ममता बनर्जी के 'लूट' वाले नारे को राहुल गांधी, अखिलेश यादव, उद्धव ठाकरे, केजरीवाल, हेमंत सोरेन, तेजस्वी यादव सरीखे विपक्षी नेताओं ने समर्थन के ऐलान किए हैं, लेकिन खासकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चुनाव के दौरान ममता बनर्जी का खुल कर विरोध किया था और बंगाल में भाजपा की सेंधमारी के लिए ममता की ध्रुवीकरण वाली राजनीति को ही 'जिम्मेदार' करार दिया था। अब 'वोट चोरी' के बजाय 'चुनावी लूट' पर दोनों नेता साथ-साथ आने की घोषणा कर चुके हैं। बंगाल के पूरे चुनाव के संदर्भ में उन 27 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम गौरतलब हैं, जो आज भी विचाराधीन हैं। उनके मताधिकार अटके, लटके, भटके हुए हैं। ममता इस मुद्दे पर जरूर लड़ें। इस बीच जहां-जहां चुनाव हुए हैं, वहां-वहां नई सरकारों के गठन की तैयारियां चल रही हैं। तीन राज्यों में भाजपा जीती है, तमिलनाडु में द्रमुक और अन्नाद्रमुक के बजाय एक अभिनेता की नई पार्टी जीती है, जबकि केरलम में कांग्रेस के नेतृत्व वाला गठबंधन जीता है।

चुनाव आयोग ने असम और बंगाल के नवनिर्वाचित विधायकों की अधिसूचनाएं संबद्ध राज्यपालों को भेज दी हैं। राज्यपाल 'प्रोटेम स्पीकर' की नियुक्ति करेंगे और वह सभी विधायकों को शपथ दिलाएंगे। जब नई विधानसभा गठित होगी और ममता विधायक भी नहीं होंगी, तो मुख्यमंत्री कैसे बनी रह सकती हैं? नए मुख्यमंत्री और कैबिनेट 9 मई को शपथ ग्रहण कर सकते हैं। दरअसल संविधान के अनुच्छेद 154 में स्पष्ट उल्लेख है कि राज्य की कार्यपालिका की तमाम शक्तियां राज्यपाल में निहित होती हैं। राज्यपाल खुद या अधीनस्थ अधिकारियों (मुख्यमंत्री, मंत्रीगण) के जरिए उन शक्तियों का इस्तेमाल करते हैं। राज्यपाल चाहें, तो वह मुख्यमंत्री को हटा भी सकते हैं, क्योंकि ऐसी नियुक्ति राज्यपाल के 'प्लेजर' (प्रसन्नता, संतोष) तक ही सीमित होती है। यह अलग मुद्दा है कि मुख्यमंत्री को सदन में 'सामान्य बहुमत' प्राप्त होना चाहिए।

कुछ अलग

तीसमार खां बनने का जुगाड़

यहां काम से प्रचार का महत्व अधिक हो गया है। उपलब्धि से अधिक सफलता की घोषणा का। राजनीति में रहना है तो पहले तीसमार खां का जयघोष करना सीखो, और फिर जल्द से जल्द अपना जयघोष करवा के तीसमार खां को पछाड़ना सीखो। तीसमार खां बने रहना किसी का जन्म सिद्ध अधिकार नहीं, जबकि परिवारवादी तो यही चाहते हैं कि अगर आज, किसी तरह साम दाम दंड भेद से वे तीसमार खां बन गए हैं, तो उनके नाती-पोते भी यही उपाधि धारण किए रहें। परंतु इसके लिए कथनी और करनी में अंतर होना आवश्यक है। गाली परिवारवाद को दो, लेकिन अपने बेटे और पोते का भविष्य संवारने के बाद। कोई आलोचक इस विसंगति के बारे में पूछ बैठे तो उसका मुंह बंद करने के लिए अपनी वंशावली में असाधारण क्षमता का बखान व विश्वास काफी है। अपने आपको बचाने के लिए अपवाद हो सकने का सिद्धांत तैयार-बर-तैयार खड़ा है। यह तो हो गई परिवारवाद के प्रतिबंध से बच निकलने की बात। जहां तक जनता की सेवा से नेतागिरी करने का संबंध है, जनाब, आजकल वे सेवा नहीं, शासन करते हैं। यहां जन-कल्याणकारी जन-अनुकम्पा बांटी जाती है। न्यायपालिका देश को रियायतों भरी रेवडियां न बांटने की बात कहती है। रेवडियों पर अब जन-कल्याण का मुलम्मा लगा दिया गया। इसलिए आम के आम और गुठलियों के दाम हो जाते हैं। गुठलियां अवश्य बांटो, लेकिन अपना पराया देख कर। जो अपने हैं, उनका अंधा-काना भी कबूल और दृष्टिवान अगर कोई है, और अपना नहीं, तो उसकी पहचान नहीं करनी है।

भाजपा ने राष्ट्रीयता, हिंदुत्व और सांस्कृतिक चेतना को अपने राजनीतिक विमर्श का केंद्र बनाया

पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन है वैचारिक बदलाव का संकेत

वर्षों तक बंगाल को एक ऐसे राज्य के रूप में प्रस्तुत किया गया, जहां कथित रूप से जाति, धर्म और पहचान की राजनीति नहीं चलती, बल्कि विचारधारा, वर्ग-संघर्ष और बंगालियत की राजनीति प्रभावी रहती है। किंतु 2026 के चुनाव परिणामों ने इस स्थापित धारणा को गहराई से चुनौती दी है। यह चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक मनोविज्ञान में आए परिवर्तन का भी संकेत है। मतदाता अब केवल भावनात्मक नारों या वैचारिक रोमांटिसिज्म के आधार पर मतदान नहीं कर रहा, बल्कि वह अपनी सांस्कृतिक पहचान, सुरक्षा, सामाजिक संतुलन और भविष्य को भी ध्यान में रख रहा है।

पश्चिम बंगाल के हालिया विधानसभा चुनाव परिणामों को केवल एक राजनीतिक दल की जीत या हार के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। यह परिणाम उस वैचारिक संघर्ष का प्रतीक बनकर उभरे हैं, जो लंबे समय से बंगाल की राजनीति के भीतर सुलग रहा था। वर्षों तक बंगाल को एक ऐसे राज्य के रूप में प्रस्तुत किया गया, जहां कथित रूप से जाति, धर्म और पहचान की राजनीति नहीं चलती, बल्कि विचारधारा, वर्ग-संघर्ष और बंगालियत की राजनीति प्रभावी रहती है। किंतु 2026 के चुनाव परिणामों ने इस स्थापित धारणा को गहराई से चुनौती दी है। यह चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक मनोविज्ञान में आए परिवर्तन का भी संकेत है। मतदाता अब केवल भावनात्मक नारों या वैचारिक रोमांटिसिज्म के आधार पर मतदान नहीं कर रहा, बल्कि वह अपनी सांस्कृतिक पहचान, सुरक्षा, सामाजिक संतुलन और भविष्य को भी ध्यान में रख रहा है। यही कारण है कि पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की अभूतपूर्व सफलता को अनेक विश्लेषक एक प्रकार के "सांस्कृतिक पुनर्जागरण" के रूप में देख रहे हैं।

पिछले कुछ वर्षों में पश्चिम बंगाल की राजनीति में "बंगाली अस्मिता" और "हिंदू पहचान" के बीच एक वैचारिक द्वंद्व स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा था। तृणमूल कांग्रेस ने स्वयं को बंगाल की संस्कृति और क्षेत्रीय गौरव का संरक्षक बताया, जबकि भाजपा ने राष्ट्रीयता, हिंदुत्व और सांस्कृतिक चेतना को अपने राजनीतिक विमर्श का केंद्र बनाया। वास्तव में बंगाल की ऐतिहासिक चेतना कभी संकुचित नहीं रही। यह वही भूमि है जहाँ से स्वामी विवेकानंद, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय, रवींद्रनाथ ठाकुर और नेताजी सुभाषचंद्र बोस जैसे महापुरुषों ने भारतीय राष्ट्रवाद को नई दिशा दी। "वंदे मातरम्" का उद्घोष भी इसी भूमि से निकला। इसलिए जब बंगाल में राष्ट्रीयता और सांस्कृतिक अस्मिता की चर्चा होती है, तो वह केवल राजनीतिक मुद्दा नहीं रह जाता, बल्कि भावनात्मक और ऐतिहासिक संदर्भ भी ग्रहण कर लेता है। भाजपा ने इसी ऐतिहासिक चेतना को पुनः जागृत करने का प्रयास किया। दुर्गापूजा, रामनवमी, हनुमान जयंती और हिंदू धार्मिक प्रतीकों को लेकर जिस प्रकार की राजनीतिक बहसें पिछले वर्षों में सामने आईं, उन्होंने हिंदू समाज के एक बड़े वर्ग को यह महसूस कराया कि उसकी सांस्कृतिक अभिव्यक्तियां राजनीतिक विवाद का विषय बन रही हैं। परिणामस्वरूप एक बड़ा वर्ग अपनी पहचान के प्रश्न पर अधिक मुखर हुआ।

पश्चिम बंगाल की राजनीति लंबे समय से अल्पसंख्यक वोट बैंक के इर्द-गिर्द घूमती रही है। विपक्ष लगातार यह आरोप लगाता रहा कि ममता बनर्जी सरकार ने संतुलित शासन के बजाय तुष्टिकरण की राजनीति को बढ़ावा दिया। चाहे इमाम भत्ता का मुद्दा हो, धार्मिक

आयोजनों को लेकर प्रशासनिक निर्णय हों या सीमावर्ती जिलों में बदलता जनसांख्यिकीय संतुलन-इन सभी विषयों ने धीरे-धीरे हिंदू समाज के भीतर असंतोष को जन्म दिया। यह असंतोष केवल धार्मिक नहीं था, बल्कि सामाजिक और मनोवैज्ञानिक भी था। अनेक लोगों को यह लगने लगा कि राज्य में कानून व्यवस्था और प्रशासनिक निर्णयों में निष्पक्षता का अभाव है। भाजपा ने इसी भावना को राजनीतिक रूप दिया। उसने यह संदेश देने का प्रयास किया कि उसकी राजनीति केवल चुनाव जीतने की नहीं, बल्कि "सांस्कृतिक सुरक्षा" स्थापित करने की राजनीति है। यही कारण है कि चुनाव प्रचार के दौरान "जय श्रीराम" जैसे नारे केवल धार्मिक उद्घोष नहीं रहे, बल्कि वे एक प्रकार के राजनीतिक प्रतिरोध और सांस्कृतिक पहचान के प्रतीक बन गए।

इस चुनाव में हिंदी भाषी मतदाताओं की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही। पिछले कुछ वर्षों में बंगाल के औद्योगिक और शहरी क्षेत्रों में हिंदी भाषी समाज का प्रभाव बढ़ा है। यह वर्ग लंबे समय से स्वयं को राजनीतिक रूप से उपेक्षित महसूस करता रहा था। भाजपा ने इस वर्ग को संगठित करने में सफलता प्राप्त की। हालांकि इस चुनाव को केवल "हिंदी बनाम बंगाली" के दृष्टिकोण से देखना भी उचित नहीं होगा। वस्तुतः भाजपा ने हिंदी भाषी और स्थानीय हिंदू समाज के बीच एक वैचारिक सेतु बनाने का प्रयास किया। उसने यह संदेश दिया कि सांस्कृतिक राष्ट्रवाद क्षेत्रीय सीमाओं से ऊपर है। यही कारण है कि बंगाल के अनेक क्षेत्रों में भाजपा को व्यापक समर्थन मिला। पश्चिम बंगाल कभी वामपंथ का सबसे मजबूत गढ़ माना जाता था। वर्ग-संघर्ष, श्रमिक राजनीति और धर्मनिरपेक्षता की विचारधारा यहाँ की राजनीतिक संस्कृति का हिस्सा रही। लेकिन समय के साथ यह विचारधारा जमीन से कटती चली गई। वामपंथी दल जनता की नई आकांक्षाओं, युवाओं की उम्मीदों और बदलते सामाजिक यथार्थ को समझने में असफल रहे। आज का युवा केवल वैचारिक भाषण नहीं चाहता- वह रोजगार, सुरक्षा, सांस्कृतिक सम्मान और विकास चाहता है। यही कारण है कि वामपंथ धीरे-धीरे राजनीतिक हाशिये पर पहुँच गया। भाजपा ने इस खाली स्थान को भरते हुए स्वयं को एक वैकल्पिक शक्ति के रूप में स्थापित किया।

पश्चिम बंगाल में भाजपा की सफलता को अनेक लोग डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों से भी जोड़कर देख रहे हैं। डॉ. मुखर्जी केवल एक राजनेता नहीं थे, बल्कि भारतीय एकता और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने विभाजनकारी राजनीति का विरोध किया और राष्ट्रीय एकात्मता को सर्वोपरि माना। बंगाल की राजनीति में भाजपा का उभार कहीं न कहीं उसी विचारधारा की पुनरुत्थापना के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। यह संदेश देने का प्रयास किया जा रहा है कि बंगाल अब केवल क्षेत्रीय राजनीति का केंद्र नहीं रहेगा, बल्कि वह पुनः राष्ट्रीय चेतना का नेतृत्व करेगा। सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या इन चुनाव परिणामों को "हिंदू पुनर्जागरण" कहा जा सकता है? इसका उत्तर पूरी तरह सरल नहीं है, किंतु इतना स्पष्ट है कि हिंदू समाज के भीतर अपनी सांस्कृतिक पहचान को लेकर एक नई जागरूकता अवश्य उत्पन्न हुई है। यह जागरूकता केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं, बल्कि राजनीतिक अभिव्यक्ति का भी रूप ले रही है। हालांकि किसी भी लोकतंत्र में यह आवश्यक है कि सांस्कृतिक चेतना सामाजिक सौहार्द और संवैधानिक मूल्यों के साथ संतुलित रहे। यदि पहचान की राजनीति संवाद और समावेशिता के बजाय टकराव का रूप लेती है, तो वह लोकतंत्र के लिए चुनौती बन सकती है। इसलिए बंगाल के इस परिवर्तन को केवल विजय उत्सव के रूप में नहीं, बल्कि एक सामाजिक चेतावनी और आत्ममंथन के अवसर के रूप में भी देखा जाना चाहिए।

पश्चिम बंगाल की राजनीति अब एक नए मोड़ पर खड़ी है। भाजपा की जीत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बंगाल अब राजनीतिक रूप से "अपवाद" नहीं रहा। यहाँ भी वही प्रश्न महत्वपूर्ण हो गए हैं जो देश के अन्य हिस्सों में प्रभावी हैं-सांस्कृतिक पहचान, राष्ट्रवाद, सुरक्षा, विकास और सामाजिक संतुलन। लेकिन सत्ता परिवर्तन के साथ जिम्मेदारियाँ भी आती हैं। यदि भाजपा वास्तव में बंगाल में एक नए युग की शुरुआत करना चाहती है, तो उसे केवल वैचारिक नारों तक सीमित नहीं रहना होगा। उसे रोजगार, उद्योग, शिक्षा, कानून व्यवस्था और सामाजिक समरसता जैसे मुद्दों पर ठोस कार्य करना होगा। बंगाल की धरती ने हमेशा भारत को विचार, साहित्य, संस्कृति और राष्ट्रवाद की नई दिशा दी है। आज फिर इतिहास एक नए मोड़ पर खड़ा है। आने वाला समय तय करेगा कि यह परिवर्तन केवल राजनीतिक लहर साबित होगा या वास्तव में बंगाल के सांस्कृतिक और वैचारिक पुनर्जागरण का आधार बनेगा।

देश दुनीया से

क्या नई सरकार बदलेगी बंगाल का हिंसक इतिहास?

पश्चिम बंगाल की जनता ने भाजपा को प्रचंड बहुमत देकर एक बदलाव की उम्मीद जताई है लेकिन यदि यह बदलाव केवल 'चेहरों' का है और 'संस्कृति' वही हिंसक रही, तो बंगाल के विकास की राह फिर से अवरुद्ध हो जाएगी। हिंसा का असली कारण केवल 'हताशा' या 'अहंकार' नहीं है बल्कि वह राजनीतिक व्यवस्था है, जहाँ असहमति के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए। हालांकि पश्चिम बंगाल में चुनावी हिंसा कोई नई घटना नहीं है। 1970 के दशक से लेकर वामपंथी शासन और फिर टीएमसी के कार्यकाल तक, सत्ता का रास्ता हमेशा संघर्षों से होकर गुजरा है। मसलन पश्चिम बंगाल की राजनीति में 'सत्ता' और 'हिंसा' का रिश्ता दशकों पुराना है यानी पश्चिम बंगाल की का शोर अक्सर हिंसा की गूंज के राजनीति में 'सत्ता परिवर्तन' साथ सुनाई देता है लेकिन 2026 के विधानसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद जो मंजर दिखा, उसने राज्य के लोकतांत्रिक इतिहास में एक और काला अध्याय जोड़ दिया है। राजनीति राज्य के विभिन्न हिस्सों से हिंसा की जो तस्वीरें सामने आ रही हैं, वे लोकतंत्र के लिए सुखद नहीं हैं। यहां राजनैतिक दल का कार्यकर्ता केवल समर्थक नहीं, बल्कि एक योद्धा की भूमिका में होता है। शायद यही कारण है कि भाजपा और टीएमसी के शीर्ष नेतृत्व के बीच संवाद की कमी और एक-दूसरे के प्रति 'शत्रुतापूर्ण' भाषा ने निचले स्तर के कार्यकर्ताओं को और उग्र कर दिया है। विश्लेषकों का मानना है कि लोकतंत्र में हिंसा का कोई औचित्य नहीं हो सकता। यदि भाजपा को राज्य में सुशासन स्थापित करना है, तो उसे 'प्रतिशोध की राजनीति' से ऊपर उठकर कानून का शासन स्थापित करना होगा। वहीं टीएमसी को एक जिम्मेदार विपक्ष के रूप में जनादेश को स्वीकार कर अपने कार्यकर्ताओं को शांत करना होगा। प्रशासन को चाहिए कि वह दोषियों की पहचान दलगत राजनीति से ऊपर उठकर करे ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। प्रशासनिक विफलता और चुनाव आयोग की भूमिका मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने

पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव, डीजीपी और पुलिस कमिश्नर को सख्त निर्देश दिए हैं। आयोग ने स्पष्ट किया है कि उपद्रवियों को किसी भी राजनीतिक संरक्षण के बावजूद जेल भेजा जाए। चुनाव खत्म होने के बावजूद 700 से अधिक कंपनियां राज्य में रोकी गई हैं, ताकि स्थिति को नियंत्रित किया जा सके। अक्सर पश्चिम बंगाल में चुनाव के दौरान तो सुरक्षा बल तैनात रहते हैं, लेकिन परिणामों के बाद स्थानीय पुलिस पर अक्सर 'मूकदर्शक' होने के आरोप लगते हैं। इस बार चुनाव आयोग ने बेहद कड़ा रुख अपनाया है। शायद आयोग राज्य में स्थिति की गंभीरता को समझ रहा है। इसी कारण केंद्रीय बलों को तैनात रखना और उपद्रवियों को सीधे जेल भेजने का फरमान प्रशासन की साख बचाने की आखिरी कोशिश है।

लोकतंत्र में इन घटनाओं के क्या मायने: बंगाल में के बीरभूम के नानूर में टीएमसी कार्यकर्ता अबीर शेख की गला रेतकर हत्या और कोलकाता के न्यू टाउन में भाजपा कार्यकर्ता मधु मंडल की पीट-पीटकर हत्या इस हिंसा की क्रूरता को दर्शाती है। पिछले 24 घंटों में भाजपा और टीएमसी दोनों दलों के कम से कम 2-2 कार्यकर्ताओं की जान जा चुकी है। कोलकाता के न्यू मार्केट में टीएमसी दफ्तर को बुलडोजर से गिराना और आसनसोल, सिलीगुड़ी, हावड़ा में कार्यालयों को आग के हवाले करना यह बताता है कि यह केवल कार्यकर्ताओं की झड़प नहीं, बल्कि 'वर्चस्व' को खत्म करने की लड़ाई है। मुर्शिदाबाद में लेनिन की प्रतिमा को गिराना वैचारिक विद्वेष का प्रतीक बनकर उभरा, जो त्रिपुरा की 2018 की घटनाओं की याद दिलाता है। ये घटनाएँ दर्शाती हैं कि चुनावी रंजिश अब व्यक्तिगत दुश्मनी में बदल चुकी है। बंगाल में राजनीतिक दल केवल विचारधारा नहीं, बल्कि 'पाड़ा' (इलाके) पर नियंत्रण के लिए लड़ते हैं। सत्ता बदलते ही निचले स्तर के कार्यकर्ताओं में इलाके पर कब्जा करने की होड़ मच गई। लेनिन की मूर्ति का गिराया जाना या विपक्षी दल के झंडे फाड़ना केवल संपत्ति का नुकसान नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक बढ़त हासिल करने की कोशिश है।

ऐतिहासिक सत्ता परिवर्तन : पश्चिम बंगाल में 4 मई 2026 को आए चुनावी नतीजों ने न केवल राज्य की राजनीति को बदल दिया, बल्कि राजनीतिक संघर्ष के एक नए युग की की शुरुआत भी कर दी। जहां 2021 में भाजपा 77 सीटों पर रुकी थी, वहीं इस बार उसने दो-तिहाई बहुमत (207 सीटें) प्राप्त कर राज्य की राजनीति का ध्रुवीकरण अपनी ओर कर लिया। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का अपने ही गढ़ भवानीपुर से भाजपा के सुवेंदु अधिकारी के हाथों हारना, इस हार की गंभीरता को और गहरा कर देता है। सत्ता का यह विशाल हस्तांतरण केवल राजनीतिक नहीं था, बल्कि यह वर्षों से चले आ रहे प्रशासनिक और जमीनी ढांचे के ढहने का संकेत भी था। लेकिन इस ऐतिहासिक जनादेश के साथ ही राज्य के हर हिस्से से आगजनी, तोड़फोड़ और हत्याओं की खबरें आने लगीं।

'हार की हताशा' बनाम 'जीत का अहंकार' : ऐसा लगता है कि इस हिंसा के पीछे दो विपरीत मनोवैज्ञानिक स्थितियाँ काम कर रही हैं, जिन पर दोनों दलों के अपने-अपने तर्क हैं। टीएमसी की हताशा भी स्वाभाविक है जहां 15 साल तक निर्बाध शासन करने के बाद इतनी बड़ी हार को स्वीकार करना टीएमसी के जमीनी कार्यकर्ताओं के लिए कठिन रहा है।

आप का नजरीया

सडक़ पर कातिल

सडक़ पर आम नागरिक की सुरक्षा के इंतजाम इतने ढीले हैं कि वाहन सीधे खाई में पहुंच रहे हैं। पिछले कुछ दिनों में ही सडक़ दुर्घटनाओं का विवरण भले ही मानवीय गलतियों का पिटारा खोल दे, लेकिन सडक़ निर्माण में बरती गई लापरवाही भी काफी हद तक हानिकारक साबित हुई है। आनी में वाहन पर गिरे पेड़ ने स्कूल से लौट रहे चार शिक्षक लील दिए, तो इस सफर में जंगल को कातिल क्यों न मानें। साल भर का आंकड़ा निकालें, तो वन विभाग के अड़ियल कानूनों की फेहरिस्त और काम का ढर्रा यह बताता है कि सडक़ों के किनारे कितने ही खूनी पेड़ खड़े हैं और जहां कानून का नंगा नाच मौत का सबब बनता है। बेशक हमने जंगल के कानून से लांघना मुश्किल कर दिया, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि कुछ घातक पेड़ सडक़ों, बस्तियों और जीवन के हर दस्तूर के खिलाफ दैत्य बने रहें।

आनी का पेड़ अगर कातिल साबित हुआ, तो न्याय की दरकार किससे करें। बात मुआवजे की नहीं, बल्कि जिंदगी को उखाड़ फेंकने की है। हमारे जंगल वहां हैं, जहां से जीवन की राहें गुजरती हैं। सडक़ों के किनारे हर साल कितने ही पेड़ अनेक कारणों से ढह कर नुकसान पहुंचाते हैं, लेकिन ऐसी कोई योजना नहीं जो ऐसे खतरों से जान-माल को बचा ले। अगर कहीं पेड़ टूट या सूख जाते हैं, तो भी विभाग इन्हें हटाने में वर्षों लगा देता है। ऐसे में झुके, सूख गए, सडक़ की ढलान या बीचोंबीच खड़े पेड़ न हटाए गए, तो हर जगह आनी जैसा मातम पसर सकता है। सडक़ों पर जिंदगी की सुरक्षा के दाग केवल वन विभाग पर ही नहीं, बल्कि बिजली के पोल और जलापूर्ति की पाइपें भी कम दोषी नहीं। अब तो सडक़ों की मरम्मत भी काल बन रही है। नवनिर्माण की सामग्री, वाहनों की पार्किंग और मलबे के ढेर यातायात को जोखिम से भर रहे हैं। भले ही माननीय हाई कोर्ट ने बरसात के मलबे को हटाने के निर्देश पीडब्ल्यूडी को दिए थे, लेकिन सडक़ें आज भी इससे खचाखच भरी नजर आती हैं। सडक़ों पर गति सीमा नियंत्रण तथा तकनीकी तौर पर इंजीनियरिंग की खामियां भी नजरअंदाज हो रही हैं। नतीजतन मौत की कमोबेश हर छलांग में स्पीड, ओवरटेक और आगे निकलने की जल्दबाजी सामने आ रही है। चालकों के लिए पर्वतीय परिस्थितियों के अनुरूप ड्राइविंग स्किल का न होना भी एक बड़ा कारण है, लेकिन पर्यटक सीजन में अभियान के जरिए ऐसा संदेश देने में हिमाचल अभी पीछे है। चिंतपूर्णी से देहरा मार्ग के बीच ढलियारा के खतरनाक मोड़ अब चीखने-चिल्लाने की यातना बने हैं, तो न इंजीनियरिंग और न ही ड्राइविंग के लिए कोई पहरे तैयार हुए। ड्राइविंग के साथ शारीरिक क्षमता तथा ड्राइवर सीट पर बैठे व्यक्ति के स्वास्थ्य का परीक्षण भी एक जरूरत है। अगर चालकों के स्वास्थ्य परीक्षण के शिविर लगें या सडक़ों पर उनकी फिटनेस का समय-समय परीक्षण हो जाए, तो कम से कम नूरपुर जैसी घटनाओं से बचा जा सकता था। सडक़ पर चालक को आए हार्ट अटैक ने चंबा से ऊना जा रही निजी बस की सवारियों की जिंदगी खतरे में डाल दी थी। शुक्र यह कि चोटिल सवारियां बच गईं वरना यह सफर गमगीन हो सकता था। कहना न होगा कि हिमाचल की सडक़ों पर बढ़ता वाहन दबाव अब सफर के खतरे बढ़ा रहा है। वाहनों की दौड़ में ड्राइवर से लेकर सडक़ों की फिटनेस भी जरूरी है और यातायात प्रबंधन में हर यात्री के जीवन की सुरक्षा का हर पहलू अब पुख्ता करना पड़ेगा। हर दुर्घटना केवल एक टीस, हजारों सबक देती है, लेकिन ढर्रा वहीं का वहीं खड़ा है।

सडक़ों के किनारे हर साल कितने ही पेड़ अनेक कारणों से ढह कर नुकसान पहुंचाते हैं, लेकिन ऐसी कोई योजना नहीं जो ऐसे खतरों से जान-माल को बचा ले। अगर कहीं पेड़ टूट या सूख जाते हैं, तो भी विभाग इन्हें हटाने में वर्षों लगा देता है। ऐसे में झुके, सूख गए, सडक़ की ढलान या बीचोंबीच खड़े पेड़ न हटाए गए, तो हर जगह आनी जैसा मातम पसर सकता है। सडक़ों पर जिंदगी की सुरक्षा के दाग केवल वन विभाग पर ही नहीं, बल्कि बिजली के पोल और जलापूर्ति की पाइपें भी कम दोषी नहीं। अब तो सडक़ों की मरम्मत भी काल बन रही है। नवनिर्माण की सामग्री, वाहनों की पार्किंग और मलबे के ढेर यातायात को जोखिम से भर रहे हैं। भले ही माननीय हाई कोर्ट ने बरसात के मलबे को हटाने के निर्देश पीडब्ल्यूडी को दिए थे, लेकिन सडक़ें आज भी इससे खचाखच भरी नजर आती हैं। सडक़ों पर गति सीमा नियंत्रण तथा तकनीकी तौर पर इंजीनियरिंग की खामियां भी नजरअंदाज हो रही हैं। नतीजतन मौत की कमोबेश हर छलांग में स्पीड, ओवरटेक और आगे निकलने की जल्दबाजी सामने आ रही है। चालकों के लिए पर्वतीय परिस्थितियों के अनुरूप ड्राइविंग स्किल का न होना भी एक बड़ा कारण है, लेकिन पर्यटक सीजन में अभियान के जरिए ऐसा संदेश देने में हिमाचल अभी पीछे है। चिंतपूर्णी से देहरा मार्ग के बीच ढलियारा के खतरनाक मोड़ अब चीखने-चिल्लाने की यातना बने हैं, तो न इंजीनियरिंग और न ही ड्राइविंग के लिए कोई पहरे तैयार हुए। ड्राइविंग के साथ शारीरिक क्षमता तथा ड्राइवर सीट पर बैठे व्यक्ति के स्वास्थ्य का परीक्षण भी एक जरूरत है। अगर चालकों के स्वास्थ्य परीक्षण के शिविर लगें या सडक़ों पर उनकी फिटनेस का समय-समय परीक्षण हो जाए, तो कम से कम नूरपुर जैसी घटनाओं से बचा जा सकता था। सडक़ पर चालक को आए हार्ट अटैक ने चंबा से ऊना जा रही निजी बस की सवारियों की जिंदगी खतरे में डाल दी थी। शुक्र यह कि चोटिल सवारियां बच गईं वरना यह सफर गमगीन हो सकता था।

दृष्टि कोण

प्रेम का धर्म, धरा का मंदिर

भगवान श्री कृष्ण का विराट रूप। मानो हजारों सूर्य चमक उठे। हर दिशा में मुख और आंखें। उस अनंत अपार शरीर में सारी सृष्टि। सारी सृष्टि में वही एक अनंत प्रभु व्याप्त। चारों ओर से देवों, असुरों, ऋषियों और सिद्धों का स्तुति गान। प्रकाश ही प्रकाश। भगवान श्री कृष्ण के इस अद्भुत और दिव्य विराट रूप से अभिभूत और विकल हुए अर्जुन ने नतमस्तक होकर हाथ जोड़े और विनीत स्वर में बोला, 'हे केशव, मैंने भूल से, अज्ञानवश, मजाक में, सबके सामने या अकेले में कभी आपको मित्र कहा हो, आपका अनादर किया हो, तो कृपा करके मुझे क्षमा कर दीजिए।' जिस तरह से अर्जुन ने विनम्रतापूर्वक जाने-अनजाने में हुई अपनी हर भूल के लिए क्षमा मांग ली, आज के युग में भी वैसे ही विनम्रतापूर्वक क्षमा मांग लेना भारतीय संस्कृति का अभिन्न भाग है। क्षमा मांग लेना और क्षमा कर देना तभी संभव होता है जब प्रेम हमारा धर्म बन जाए, हमारा पूरा अस्तित्व ही प्रेममय हो जाए। प्रेम अगर हमारा धर्म बन जाए तो दुनिया ही बदल जाती है क्योंकि हमारा नजरिया बदल गया, सोच बदल गई, सोचने-समझने का तरीका बदल गया। हम किसी भी दृष्टिकोण से देखें, दुनिया सचमुच बदल जाती है। यह कथन भावनात्मक भी है, दार्शनिक भी, और वैज्ञानिक भी। प्रेम सामाजिक बंधन का आधार है, नैतिकता का केंद्र है और आध्यात्मिक एकत्व का अनुभव है। जब हम प्रेम को धर्म कहते हैं, तो हम यह स्वीकार करते हैं कि हमारा आचरण करुणा पर आधारित होगा। प्रेम जैविक और सामाजिक विकास का आधार है। न्यूरोसाइंस बताती है कि जब हम प्रेम और करुणा का अनुभव करते हैं, तब मस्तिष्क में ऑक्सीटोसिन, डोपामिन और सेरोटोनिन जैसे रसायन सक्रिय होते हैं। ये रसायन न केवल हमें सुख का अनुभव कराते हैं, बल्कि सामाजिक बंधन को भी मजबूत करते हैं। इस प्रकार प्रेम केवल आध्यात्मिक आदर्श नहीं, बल्कि मानव विकास की एक जैविक आवश्यकता है। जब हम कहते हैं कि हमारा प्रेम ही हमारा धर्म है तो हम धर्म की उसी सनातन व्याख्या को स्वीकार करते हैं जो

हमें बांटने के बजाय जोड़ती है। प्रेम बांटता नहीं, जोड़ता है। प्रेम किसी झंडे के नीचे खड़ा नहीं होता, वह खुले आकाश में नृत्य करता है। जब हम कहते हैं कि हमारा धर्म प्रेम है, तब हमें किसी संकीर्ण पहचान की आवश्यकता नहीं रह जाती। हम सिर्फ इनसान हो गए और इनसानियत हमारा व्यवहार हो गया। इसी तरह जब हम धरती को मंदिर मानते हैं, तब हम उस पर हिंसा नहीं कर सकते। हम उसे दूषित नहीं करते। हम ऐसा समझेंगे तो विभाजन नहीं रह जाएगा। हम धर्म के नाम पर लडने की बजाय प्रेम के नाम पर जुड़ेंगे। यदि हमारा धर्म प्रेम है, तो हम किसी को पराया नहीं मानेंगे। तब जाति, भाषा, पंथ के भेद गौण हो जाएंगे। हम सब एक ही धरती के पुत्र हैं, और यही धरती हमारा मंदिर है। इस मंदिर की रक्षा करना, इसे प्रदूषण से बचाना, इसे सम्मान देना, यही हमारी पूजा होगी। जब हम धरती को ही अपना मंदिर मान लें तो तब हमें अपने ईश्वर को दीवारों में बंद करने की जरूरत नहीं रह जाती। आकाश हमारा गुंबद है, वृक्ष हमारे स्तंभ हैं, नदियां हमारा शंखनाद हैं, और जीवन नृत्य हो जाता है, जीवन उत्सव बन जाता है क्योंकि हम जो भी देखें, जिसे भी देखें, सब तरफ उस सर्वशक्तिमान परमात्मा का ही नूर जगमगाता नजर आता है। मेरा कोई अलग ग्रंथ नहीं है, मेरा हृदय ही मेरा ग्रंथ है। हृदय का ग्रंथ शब्दों में नहीं लिखा जाता, वह अनुभवों में लिखा जाता है। जब हम प्रेम करते हैं, जब हम क्षमा करते हैं, जब हम किसी को बिना शर्त स्वीकार करते हैं- तभी हम उस ग्रंथ को पढ़ते हैं। यदि हम केवल किताबों में सत्य खोजते रहेंगे, तो हम बाहर भटकते रहेंगे। सत्य भीतर धड़क रहा है।

गौरक्षा का वचन न देने वाली पार्टियों को न दें वोट : अविमुक्तेश्वरानंद

बलिया, (हि.स.)। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने बलिया में कहा कि गाय को राज्य माता घोषित करने के लिए न तो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) बात कर रही है और न ही अन्य पार्टियां बोल रही हैं। उन्होंने बलिया प्रवास के दौरान जगह-जगह जुट रहे समर्थकों और अनुयायियों से गौ माता की रक्षा के लिए संकल्प दिलाया। अविमुक्तेश्वरानंद बुधवार शाम को बेल्थरा रोड होते हुए बलिया जनपद में प्रवेश हुए थे। आज (गुरूवार) को रेवती कस्बे में पहुंचने पर सैकड़ों लोगों ने जयकारे के साथ उनका स्वागत किया। रेवती में भक्तों ने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का फूल-मालाओं एवं अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया। उन्हें संबोधित करते हुए स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि गौ माता को पशु सूची से हटाकर माता का दर्जा दें। उन्होंने कहा कि मैं इस संबंध में सबसे पूछ रहा हूं लेकिन कोई भी पार्टी बोलने के लिए तैयार नहीं है। भाजपा भी नहीं बोल रही। अब आम जनता को ही आगे आना होगा। जनता को कड़क होकर यह कहना होगा कि सभी पार्टियां शपथपूर्वक घोषणा करें कि गौरक्षा करेंगी। अन्यथा ऐसी पार्टियों को वोट न दें। अविमुक्तेश्वरानंद ने सभी से उंगली दिखाते हुए गौरक्षा से सबंधित वेद मंत्र का जाप कराया। उन्होंने कहा कि गो हत्या करने वालों को असुर बताते हुए उनके नाश का आह्वान किया। अविमुक्तेश्वरानंद का स्वागत करने वालों में बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी (सपा) के कार्यकर्ता भी थे।

डीपी में सिंदूर और कवर पर ब्रह्मोस से मुख्यमंत्री योगी ने दी 'दुश्मन' को चेतावनी

लखनऊ, (हि.स.)। ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर पूरा देश भारतीय सेना एवं सशस्त्र बलों के अदम्य साहस और पराक्रम को नमन कर रहा है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट की प्रोफाइल तस्वीर बदलकर ऑपरेशन सिंदूर का लोगो लगाया है। मुख्यमंत्री योगी ने अपनी डीपी में सिंदूर और कवर फोटो में ब्रह्मोस मिसाइल को स्थान देकर दुश्मनों को मजबूत संदेश दिया है। सात मई 2025 की वह रात देश कभी नहीं भूल सकता, जब भारतीय थलसेना, वायुसेना और नौसेना ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान में मौजूद नौ आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया था। यह कार्रवाई पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में की गई थी। उसी रात भारत सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ऑपरेशन सिंदूर की तस्वीर साझा करते हुए "Justice is Served" लिखा था। पूरी दुनिया ने भारत की सैन्य क्षमता और आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई को देखा **।प्रधानमंत्री मोदी समेत भाजपा के शीर्ष नेताओं ने बदली डीपी** - उल्लेखनीय है कि ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं ने भी अपनी सोशल मीडिया प्रोफाइल तस्वीर बदलकर ऑपरेशन सिंदूर के प्रति सम्मान प्रकट किया। देशभर में आम नागरिक भी इस अभियान से जुड़ी तस्वीरों और प्रतीकों को सोशल मीडिया पर साझा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सोशल मीडिया अकाउंट पर डीपी में ऑपरेशन सिंदूर की तस्वीर के अलावा एक स्पष्ट रणनीतिक संदेश भी नजर आया। उनकी कवर फोटो में ब्रह्मोस मिसाइल को प्रमुखता से दिखाया गया, जिसे भारत की सबसे ताकतवर सुपरसोनिक मिसाइलों में गिना जाता है। इसे प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार की आतंकवाद के खिलाफ आक्रामक नीति के प्रतीक के रूप में देखा जा रहा है। पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर कहर बनकर टूटने वाली ब्रह्मोस मिसाइल का उत्तर प्रदेश से खास संबंध है। अब इसका उत्पादन लखनऊ में किया जा रहा है, जो राज्य के लिए गर्व का विषय है। उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के जरिए रक्षा उत्पादन क्षेत्र में तेजी से उभर रहा है। योगी सरकार लगातार यह संदेश देती रही है कि उत्तर प्रदेश अब सिर्फ कृषि और संस्कृति का प्रदेश नहीं, बल्कि रक्षा उत्पादन और आत्मनिर्भर भारत का भी बड़ा केंद्र बन रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कई मंचों से ब्रह्मोस मिसाइल और भारत की सैन्य ताकत का उल्लेख करते रहे हैं। हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ एक सैन्य अभियान नहीं था, बल्कि यह भारत के उस संकल्प की घोषणा थी कि आतंक का जवाब अब कूटनीति की मेज पर नहीं, बल्कि दुश्मन के दरवाजे पर दिया जाएगा। उनके इस बयान को पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत की बदली रक्षा नीति और आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस के रूप में देखा जा रहा है। ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर बदली गई डीपी और कवर फोटो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। समर्थक इसे राष्ट्रवाद और सैन्य सम्मान का प्रतीक बता रहे हैं, जबकि राजनीतिक गलियारों में भी योगी आदित्यनाथ के इस डिजिटल संदेश की चर्चा हो रही है।

सांसद रवि किशन ने पश्चिम बंगाल में हिंसा के लिये तृणमूल कांग्रेस को बताया जिम्मेदार

जौनपुर, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में गुरुवार को एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे भाजपा सांसद और अभिनेता रवि किशन ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए पश्चिम बंगाल के चुनावी माहौल और हिंसा को लेकर तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। सांसद रवि किशन ने कहा कि देश की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भरोसा जताया है और ममता बनर्जी को नकार दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 15 वर्षों से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को यह भ्रम हो गया था कि उन्हें कोई हरा नहीं सकता, लेकिन जनता ने लोकतांत्रिक तरीके से बदलाव का फैसला किया। रवि किशन ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस अपनी हार स्वीकार नहीं कर पा रही है और इसी वजह से पश्चिम बंगाल में हिंसा और हत्याओं की घटनाएं बढ़ रही हैं। सांसद ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस ने लूट, माफिया और गुंडों के सहारे राजनीति की है और अब उसका असली चेहरा जनता के सामने आ रहा है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी पर हमला किया गया और राज्य में लगातार हिंसा की घटनाएं सामने आ रही हैं। रवि किशन ने मीडिया के माध्यम से तृणमूल कांग्रेस कार्यकताओं को चेतावनी देते हुए कहा कि अब समय बदल चुका है और जनता ने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को स्वीकार किया है। उन्होंने कहा कि गुंडई और बदमाशी बंद करनी चाहिए, क्योंकि कानून अपना काम करेगा। भाजपा सांसद ने कहा कि सरकार बनने के बाद हिंसा फैलाने वाले लोगों को पुलिस खोज-खोज कर कानून के कटघरे में खड़ा करेगी और दोषियों को कड़ी सजा दिलाई जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि अब अपराधियों के बच निकलने के रास्ते बंद हो जाएंगे। अंत में रवि किशन ने तृणमूल कांग्रेस से पश्चिम बंगाल में हिंसा और हत्याओं का दौर बंद करने की अपील करते हुए कहा कि लोकतंत्र में जनता का फैसला सर्वोपरि होता है और सभी दलों को उसका सम्मान करना चाहिए।

समस्याओं का निस्तारण प्रभावी व गुणवत्ता के साथ हो सुनिश्चित : जिलाधिकारी

देवरिया, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के जनपद देवरिया में जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी गुरुवार को जनता दर्शन में आए फरियादियों से मिले। उनकी समस्याओं को सुनने के उपरांत संबंधित अधिकारियों को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने अपने कार्यकक्ष में राजस्व विभाग के अधिकारियों की जूम लिंक तैयार कराई है। राजस्व विभाग से संबंधित समस्याओं के निस्तारण हेतु लिंक के माध्यम से संबंधित अधिकारियों से बात कर प्रकरणों को निस्तारित किए जाने के निर्देश दिए जा रहे हैं। जिलाधिकारी ने जनसुनवाई में आये ग्राम हरपुर निजाम निवासी दिव्यांग दम्पति रहमत अली व खुशबून के पास जाकर उनकी जमीन से संबंधित फरियाद सुनी। उन्हें फल का पैकेट प्रदान किया तथा उनकी जमीनी विवाद संबंधी समस्या को सुनते हुए सदर एसडीएम को मौके पर जाकर राजस्व विभाग की टीम, जिसमें राजस्व निरीक्षक सहित दो लेखपालों को सम्मिलित करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि वे मौके पर आज ही जाकर प्रकरण की जांच कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। इसके अलावा जिलाधिकारी ने दिव्यांग दम्पति से अन्य योजनाओं से मिल रहे लाभों की भी जानकारी ली। बताया गया कि आयुष्मान कार्ड बना है, परंतु खुशबून को दिव्यांग पेंशन नहीं मिल रही है। इस पर जिलाधिकारी ने जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी प्रियंका चौधरी को फोन कर बुलवाया तथा निर्देश दिया कि विकास खंड के माध्यम से त्वरित रूप से संबंधित अभिलेख प्राप्त कर उन्हें दिव्यांग पेंशन दिलाई जाए। इस दम्पति के साथ आई दो वर्षीय बच्ची को आंगनबाड़ी केंद्र भेजे जाने के लिए जिला कार्यक्रम अधिकारी आदिश मिश्रा को भी निर्देशित किया। विकास खंड सलेमपुर अंतर्गत ग्राम जयराम कौड़िया निवासी फरियादी सीता देवी पत्नी दिनेश कनौजिया ने अपनी जमीनी विवाद से संबंधित प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। उनके साथ चार वर्षीय बच्ची अंशिका को देखकर जिलाधिकारी ने कहा कि बच्ची को स्कूल जाना चाहिए। सीता देवी ने बताया कि वह अभी कहीं पढ़ने नहीं जाती है। इस बच्ची को भी आंगनबाड़ी केंद्र भेजने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे बच्चे आंगनबाड़ी केंद्र जाएंगे तो उनका बौद्धिक विकास होगा। जिलाधिकारी ने जनता दर्शन प्रकरणों के त्वरित निस्तारण के लिए जहां जूम लिंक की व्यवस्था बनाई है, वहीं सीधे तौर पर अधिकारियों के सीयूजी नंबर के व्हाट्सएप पर प्रकरण भेजने की भी पहल की है। उन्होंने सभी अधिकारियों को भी जन समस्याओं का निस्तारण में प्राथमिकता बरतने का निर्देश दिया है।

सुलतानपुर में जनगणना 2027 का पहला चरण शुरू, जिलाधिकारी ने की स्व-गणना की अपील

सुलतानपुर, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर में गुरुवार को उत्तर प्रदेश जनगणना 2027 के पहले चरण की औपचारिक शुरूआत हो गई। जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह ने कलेक्ट्रेट स्थित अपने कार्यालय से एक वीडियो जारी कर 'स्व-गणना' कार्य के प्रारंभ होने की जानकारी दी। यह चरण 21 मई तक चलेगा। जिलाधिकारी ने बताया कि जिले का कोई भी नागरिक निर्धारित डिजिटल पोर्टल या लिंक का उपयोग करके अपनी और अपने परिवार की जानकारी स्वयं भर सकता है। उन्होंने स्वयं अपने आवास और परिवार का विवरण डिजिटल माध्यम से दर्ज कर-के इस अभियान की शुरूआत की। स्व-गणना चरण समाप्त होने के बाद, 22 मई से 20 जून तक प्रगणक घर-घर जाकर डेटा संकलन करेंगे। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जिन नागरिकों ने डिजिटल माध्यम से स्व-गणना पूरी कर ली है, उन्हें प्रगणकों को केवल एक ओटीपी देना होगा। इससे उनके द्वारा भरा गया डेटा सत्यापित हो जाएगा। जनगणना के महत्व पर जोर देते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि सटीक डेटा ही देश और प्रदेश की भविष्य की नीतियों का आधार होता है। उन्होंने सुल्तानपुर के प्रत्येक नागरिक से इस प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता और सटीकता के साथ भाग लेने की अपील की। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सरकारी योजनाओं का लाभ सही पात्रों तक पहुँच सके।

बिजली-पानी को लेकर भाजपा ने उपायुक्त कार्यालय के समक्ष किया प्रदर्शन

पूर्वी सिंहभूम, (हि.स.)। भीषण गर्मी, लगातार हो रही बिजली कटौती और गहराते जल संकट को लेकर गुरुवार को जमशेदपुर की सड़कों पर भाजपा का आक्रोश खुलकर दिखाई दिया। सिर पर पानी से भरा मटका और उस पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पोस्टर लगाए भाजपा कार्यकताओं का जत्था जब नारेबाजी करते हुए सड़क पर उतरा, तो शहर का राजनीतिक तापमान भी बढ़ गया। साकची स्थित भाजपा कार्यालय से पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास, जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू और भाजपा के सैकड़ों कार्यकर्ता पैदल मार्च करते हुए उपायुक्त कार्यालय पहुंचे और राज्य सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। जिसमें महिलाओं की भी भारी भीड़ दिखी। भाजपा कार्यकताओं के हाथों में तख्तियां, बैनर और सिर पर मटके थे। बिजली दो, पानी दो, जनता त्रस्त, सरकार मस्त और हेमंत सरकार जवाब दोह जैसे नारों से पूरा इलाका गूंज उठा। प्रदर्शन के दौरान कार्यकताओं ने आरोप लगाया कि शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक लोग बिजली और पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान हैं, लेकिन सरकार संवेदनहीन बनी हुई है। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने प्रदर्शन के दौरान राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी में जनता को राहत देने के बजाय सरकार सिर्फ घोषणाओं और विज्ञापनों में व्यस्त है। उन्होंने आरोप लगाया कि शहर के कई इलाकों में घंटों बिजली गुल रहती है, जिससे लोगों की दिनचर्या पूरी तरह प्रभावित हो रही है। पानी की किल्लत ने हालात को और गंभीर बना दिया है। उन्होंने कहा कि छोटे बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं सबसे ज्यादा परेशान हैं, लेकिन सरकार को जनता की तकलीफ से कोई सरोकार नहीं है। मौके पर रघुवर दास ने कहा कि जमशेदपुर जैसे औद्योगिक शहर में यदि लोगों को पीने का पानी और नियमित बिजली नहीं मिल पा रही है, तो यह सरकार की विफलता का सबसे बड़ा उदाहरण है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द हालात नहीं सुधरे तो भाजपा राज्यव्यापी आंदोलन छेड़ेगी। इस अवसर पर जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा दास साहू ने कहा कि भाजपा जनता की आवाज बनकर सड़क पर उतरी है। उन्होंने कहा कि शहर के कई मोहल्लों में लोग रातभर बिजली कटौती से परेशान हैं, जबकि पानी के लिए सुबह से कतार लगानी पड़ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार और प्रशासन जनता की समस्याओं के समाधान में पूरी तरह असफल साबित हुए हैं। पूर्णिमा साहू ने कहा कि भाजपा जनहित के मुद्दों पर लगातार संघर्ष करती रहेगी और जनता की समस्याओं को दबने नहीं देगी। प्रदर्शन के दौरान उपायुक्त कार्यालय परिसर के आसपास काफी देर तक गहमागहमी का माहौल बना रहा। बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकताओं की मौजूदगी को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा और पूरे इलाके में बैरिकेडिंग की गई थी। पुलिस अधिकारी लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए थे ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था न फैले। भाजपा नेताओं ने प्रदर्शन के माध्यम से मांग की कि शहर और ग्रामीण इलाकों में नियमित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, पेयजल संकट दूर करने के लिए तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था की जाए और खराब ट्रांसफार्मरों को जल्द बदला जाए। प्रदर्शन के अंत में भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर त्वरित कार्रवाई की मांग की। इस प्रदर्शन में भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव सिन्हा, पूर्व जिलाध्यक्ष सुधांशु ओझा, सुबोध झा, प्रेम झा सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राज्यपाल से मिले झारखंड बधिर क्रिकेट संघ के खिलाड़ी

रांची, (हि.स.)। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से गुरुवार को झारखंड बधिर क्रिकेट संघ के खिलाड़ियों ने रांची स्थित लोक भवन में शिष्टाचार भेंट की। बधिर क्रिकेट संघ के अध्यक्ष दीपक यादव के नेतृत्व में शिष्टमंडल ने राज्यपाल को अवगत कराया कि विषम परिस्थितियों एवं सीमित संसाधनों के बावजूद टीम के खिलाड़ियों ने निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है तथा ह्यतृतीय टी-20 नेपाल डीफ क्रिकेट टूर सीरीज ऑफ इंडिया 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया है। राज्यपाल ने टीम के खिलाड़ियों को इस उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास, समर्पण एवं टीम भावना का सशक्त प्रतीक है। खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा, दृढ़ इच्छाशक्ति और मेहनत के बल पर यह सिद्ध किया है कि चुनौतियाँ सफलता के मार्ग में बाधा नहीं बन सकतीं। उन्होंने कहा कि क्रिकेट देश का अत्यंत लोकप्रिय खेल है तथा हर्ष है कि झारखण्ड के खिलाड़ी क्रिकेट सहित विभिन्न खेल विधाओं में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राज्य एवं देश का नाम गौरवान्वित कर रहे हैं। यहां के युवाओं में खेलों के प्रति विशेष रुचि एवं अपार प्रतिभा विद्यमान है, जिसे उचित प्रोत्साहन एवं अवसर प्रदान किए जाने की आवश्यकता है। राज्यपाल ने कहा कि प्रतिभाशाली दिव्यांग खिलाड़ियों की उपलब्धियाँ समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं और वे खेल एवं खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए सदैव प्रयासरत हैं। उन्होंने झारखण्ड बधिर क्रिकेट संघ को यथासंभव सहयोग एवं प्रोत्साहन का आश्वासन भी दिया।

महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ चाईबासा में झामुमो का महाधरना

पश्चिमी सिंहभूम, (हि.स.)। पश्चिमी सिंहभूम जिला स्थित उपायुक्त कार्यालय (पुराना भवन) परिसर में गुरुवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा की ओर से एक दिवसीय महाधरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। महंगाई, बेरोजगारी और केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों के विरोध में आयोजित इस कार्यक्रम में जिले के विभिन्न प्रखंडों से बड़ी संख्या में झामुमो कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए। धरना को संबोधित करते हुए झामुमो जिला अध्यक्ष सोनाराम देवगम ने कहा कि देश में लगातार बढ़ रही महंगाई ने गरीब और मध्यम वर्ग की कमर तोड़ दी है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस, खाद्य सामग्री और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है, जबकि लोगों की आमदनी स्थिर बनी हुई है। ऐसे में परिवार चलाना आम लोगों के लिए कठिन होता जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार आम जनता की समस्याओं को नजर-अंदाज कर बड़े उद्योगपतियों और कॉर्पोरेट घरानों को लाभ पहुंचाने में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि सरकारी संपत्तियों के निजीकरण, बड़े कारोबारियों के कर्ज माफ करने और कर में राहत देने जैसे फैसलों से आर्थिक असमानता बढ़ी है। चुनाव के समय महंगाई कम करने और रोजगार देने के जो वादे किए गए थे, वे आज केवल घोषणा बनकर रह गए हैं। धरना को झामुमो महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष सह जिला परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी सुरेन, जिला उपाध्यक्ष दीपक कुमार प्रधान, मदन गागराई, मंगल सिंह तिउ, सागर महतो, तारकांत सिजुई, सनातन पिंगुवा, सोमबारी बाहांदा सहित कई नेताओं ने संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन झामुमो जिला सचिव राहुल आदित्य ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन जिला प्रवक्ता बुधराम लागुरी ने दिया।

सम्राट मंत्रिमंडल में ई शैलेंद्र और बुलो मंडल को मिली जगह, बढ़ा गंगा पार का राजनीतिक वजन

भागलपुर,(हि.स.)। लगभग 13 साल बाद भागलपुर जिले के दो विधायक भाजपा से बिहपुर विधायक इंजीनियर कुमार शैलेंद्र और जदयू से गोपालपुर विधायक शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल को बिहार सरकार में मजबूत राजनीतिक प्रतिनिधित्व मिला है। फर्क सिर्फ इतना नहीं है कि जिले से मंत्री बनाए गए हैं, बल्कि इस बार एक साथ दो नेताओं को कैबिनेट में जगह मिली है। दोनों नेता नवगछिया इलाके और गंगा पार की राजनीति से आते हैं। यानी बिहार की सत्ता में इस बार गंगा पार का राजनीतिक वजन अचानक बढ़ गया है। इससे पहले भागलपुर जिले से आखिरी बड़ा प्रतिनिधित्व तब दिखा था जब भागलपुर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के अश्विनी चौबे मंत्री बने थे। भागलपुर जिले की राजनीति लंबे समय तक शहर केंद्रित रही। लेकिन इस बार सत्ता का फोकस नवगछिया और गंगा पार के इलाकों की ओर शिफ्ट होता दिख रहा है। दरअसल, नवगछिया बेल्ट सामाजिक समीकरण, जातीय प्रभाव और सीमांचल से जुड़ाव की वजह से हमेशा राजनीतिक रूप से संवेदनशील मानी जाती रही है। यहां का वोट पैटर्न बिहार की बड़ी राजनीति को प्रभावित करता है। ऐसे में भाजपा और जदयू दोनों ने इस इलाके को साधने की कोशिश की है। दोनों दलों ने ऐसे चेहरों को मंत्री बनाया है, जिनकी पहचान सिर्फ विधायक भर की नहीं, बल्कि अपने-अपने इलाकों में मजबूत संगठनात्मक पकड़ वाले नेताओं की रही है। बिहपुर से तीन बार विधायक रह चुके इंजीनियर कुमार शैलेंद्र को भाजपा ने पहली बार मंत्री बनाकर साफ संकेत दिया है कि पार्टी अब भागलपुर और सीमांचल इलाके में अपने आक्रामक राजनीतिक नैरेटिव को और मजबूत करना चाहती है। कुमार शैलेंद्र की पहचान सिर्फ संगठन के नेता के रूप में नहीं, बल्कि एक मुखर और विवादित बयान देने वाले नेता के रूप में भी रही है।

15 सूत्री मांगों को लेकर कर्मचारियों का प्रदर्शन

भागलपुर, (हि.स.)। सुंदरवती महिला महाविद्यालय भागलपुर में गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों की गुरुवार से दो दिवसीय कलम बंद हड़ताल से विश्वविद्यालय और कॉलेजों का प्रशासनिक कामकाज प्रभावित हो गया है। बिहार राज्य विश्वविद्यालय कर्मचारी महासंघ के आह्वान पर कर्मचारियों ने अपनी 15 सूत्री मांगों को लेकर सुंदरवती महिला महाविद्यालय में प्रदर्शन और धरना दिया। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे क्षेत्रीय मंत्री सुशील मंडल ने कहा कि कर्मचारियों की लड़ाई सम्मान और अधिकारों की है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार और विश्वविद्यालय प्रशासन लगातार कर्मचारियों की जायज मांगों की अनदेखी कर रहे है। कर्मचारियों की मुख्य मांगों में सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों को लागू करना, वेतन कटौती वापस लेना, तृतीय और चतुर्थ वर्गीय कर्मचारियों की प्रोन्नति तथा एसीपी-एमएसीपी का लाभ मार्च 2026 के वेतन के साथ देने की मांग शामिल है।

पटना में आज दोपहर सम्राट मंत्रिमंडल का विस्तार, शपथ ग्रहण से पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मेगा रोड शो

पटना, (हि.स.)। बिहार की राजधानी पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नए मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण आज 12:10 बजे से शुरू होगा। इसकी तैयारी पूरी हो गई है। शपथ ग्रहण समारोह से पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पटना में रोड शो करेंगे। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रचंड जीत के बाद बिहार में मंत्रिमंडल विस्तार कार्यक्रम को भव्य बनाया जा रहा है। इस शपथ ग्रहण कार्यक्रम में जदयू, भाजपा, लोजपा (आर), हम और रालोमो की तरफ से मंत्रिमंडल के सदस्य शपथ लेंगे। ये पहली बार हो रहा है कि मंत्रिमंडल विस्तार का शपथ गांधी मैदान में हो रहा है। शपथ ग्रहण समारोह को खास और आकर्षित बनाने के लिए पटना के गांधी मैदान में बड़ा पंडाल बनाया गया है। चूंकि मौसम अनुकूल नहीं है इस वजह से जर्मन पंडाल के अंदर मंच बनाया गया है, जहां बिहार मंत्रिमंडल के सदस्य शपथ लेंगे। इस शपथ ग्रहण समारोह में पटना और आसपास के कई विधानसभा क्षेत्र के लोग, भाजपा के कार्यकर्ता, जदयू के कार्यकर्ता, लोजपा (रामविलास), हम और राष्ट्रीय लोक मोर्चा के कार्यकर्ता शामिल होंगे। प्रदेश भाजपा कार्यालय के मुताबिक प्रधानमंत्री सुबह 10:30 बजे पटना एयरपोर्ट पर पहुंचेंगे। एयरपोर्ट पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री पटना एयरपोर्ट से गांधी मैदान तक रोड शो करेंगे। इस रोड शो में राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी रहेंगे। गांधी मैदान में 12:10 बजे मंत्रिमंडल विस्तार का शपथ ग्रहण समारोह किया जाएगा। भाजपा विधायक और पूर्व मंत्री रामकृपाल यादव ने कहा कि कार्यक्रम में पूरे बिहार से बड़ी संख्या में लोग आएंगे। प्रधानमंत्री के स्वागत को लेकर लोगों में काफी उत्साह है। उनके अनुसार, यह माहौल पार्टी की बढ़ती लोकप्रियता और नेतृत्व पर जनता के भरोसे को दशार्ता है। शपथ ग्रहण समारोह को लेकर प्रशासन ने व्यापक यातायात व्यवस्था लागू कर दी है। प्रधानमंत्री के आगमन और कार्यक्रम की सुरक्षा को देखते हुए सुबह 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक या कार्यक्रम समाप्ति तक शहर के प्रमुख मार्गों पर वाहनों के परिचालन पर सख्त प्रतिबंध लगाया गया है। केवल आपातकालीन सेवाओं, आमंत्रित अतिथियों और पास धारक वाहनों को ही छूट दी जाएगी।

मुकेश अंबानी का मेगा प्लान: सीधा आसमान से चलेगा इंटरनेट

मुंबई

भारतीय इंटरनेट क्षेत्र को पूरी तरह बदलने की तैयारी हो चुकी है। रिलायंस इंडस्ट्रीज एक ऐसी परियोजना पर काम कर रही है जो मौजूदा इकोसिस्टम को नया रूप देगी। कंपनी अरबों डालर का निवेश करके लो अर्थ आर्बिट (एलईओ) सैटेलाइट्स लांच करने की योजना बना रही है, जिसका मुख्य उद्देश्य भारत का अपना सैटेलाइट-आधारित इंटरनेट नेटवर्क तैयार करना है।

यह कदम न सिर्फ तकनीकी रूप से बड़ा है, बल्कि रणनीतिक रूप से भी बेहद अहम है, क्योंकि इससे भारत को विदेशी कंपनियों पर निर्भरता कम करने या समाप्त करने में मदद मिल सकती है।

लिओ सैटेलाइट्स की खासियत यह है

एलन मस्क की स्टारलिंक को टक्कर देने की तैयारी

कि ये पृथ्वी के अपेक्षाकृत करीब, लगभग 500 से 2000 किलोमीटर की ऊंचाई पर घूमते हैं। इस वजह से इनके जरिए मिलने वाला इंटरनेट पारंपरिक सैटेलाइट्स की तुलना में काफी तेज़ और स्थिर होता है, जिसमें लेटेंसी भी कम होती है। इसकारण दुनियाभर की बड़ी टेक कंपनियां अब इसी तकनीक पर दांव लगा रही हैं।

भारत जैसे विशाल देश में, जहां अभी भी कई दूरदराज के इलाकों में इंटरनेट पहुंचाना एक बड़ी चुनौती है, वहां यह तकनीक गेम-चेंजर साबित हो सकती है। रिलायंस इसी मौके को भुनाने की तैयारी में है, ताकि गांवों, पहाड़ों और उन क्षेत्रों तक भी हाई-स्पीड इंटरनेट पहुंचाया जा सके, जहां आज तक नेटवर्क की दिक्कत बनी हुई है।

रिलायंस की रणनीति सिर्फ सैटेलाइट्स लांच करने तक सीमित नहीं है, बल्कि कंपनी एक पूरा एंड-टू-एंड इकोसिस्टम बनाने की दिशा में काम कर रही है। इसमें सैटेलाइट्स के साथ-साथ ग्राउंड इंफ्रास्ट्रक्चर, स्पेक्ट्रम प्रबंधन और यूज़र टर्मिनल्स तक को शामिल किया जाएगा।

यानी कंपनी चाहती है कि अंतरिक्ष से लेकर यूजर्स के घर तक, इंटरनेट की पूरी श्रृंखला उसके नियंत्रण में रहे। इसमें जियो प्लेटफार्म्स की मौजूदा ताकत रिलायंस के लिए सबसे बड़ा टूल बन सकती है, क्योंकि जियो पहले ही देशभर में सस्ते डेटा और बड़े नेटवर्क के साथ करोड़ों यूजर्स तक पहुंच चुका है।

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे खास पहलू यह है कि मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस का सीधा मुकाबला एलन मस्क की स्टारलिंक से हो सकता है, जो पहले से ही दुनिया भर में सैटेलाइट इंटरनेट सेवा दे रही है। स्टारलिंक के पास हजारों सैटेलाइट्स का नेटवर्क है और वह दूरदराज के इलाकों में इंटरनेट पहुंचाने के लिए जाना जाता है। हालांकि, भारत में उसकी एंट्री अभी नियामक अनुमतियों के चलते अटकी हुई है, जिससे रिलायंस को घरेलू स्तर पर एक महत्वपूर्ण बढ़त मिल सकती है।

न्यूज ब्रीफ

नई हुंडई क्रेटा लांच होगी साल 2027 में

नई दिल्ली। भारतीय कार बाजार में हुंडई क्रेटा की नई जनरेशन को लेकर चर्चाएं तेज हो गई है। हुंडई

कंपनी 2027 में इस एसयूवी का नया माडल लान्च करने की तैयारी कर रही है। ताजा रिपोर्ट्स के अनुसार यह मौजूदा क्रेटा से कहीं अधिक प्रीमियम, एडवांस और फीचर लोडेड होगी। बताया जा रहा है कि इसे नए के3 प्लेटफार्म पर तैयार किया जाएगा, जिससे इसका आकार पहले से बड़ा और सड़क पर इसकी उपस्थिति ज्यादा दमदार दिखाई देगी। नई क्रेटा के डिजाइन में भविष्यवादी स्पर्श देखने को मिल सकता है, जिसमें कंपनी की आयोनिक रेंज से प्रेरित पिक्सेल एलईडी डीआरएल, एक नया ग्रिल, क्लैमशेल बोनट और स्पोर्टी बाडी एलिमेंट्स दिए जा सकते हैं। इसके अलावा, फ्लश डोर हैंडल, बड़े ओआरवीएम, 19 इंच के अलाय व्हील और चौड़े व्हील आर्च इसे और भी आकर्षक बनाएंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसके केबिन में ड्यूल 12.3 इंच स्क्रीन सेटअप या 30 इंच का ट्रिनिटी डिस्प्ले मिल सकता है। साथ ही, डिजिटल की, 360 डिग्री कैमरा, पावर सीट्स, वेंटिलेटेड सीट्स और पैनोरमिक सनरूफ जैसे कई आधुनिक फीचर्स भी इसमें शामिल किए जा सकते हैं। इंजन विकल्पों में मौजूदा 1.5 लीटर पेट्रोल, टर्बो पेट्रोल और डीजल इंजन जारी रहने की संभावना है, और कंपनी सेल्फ-चार्जिंग हाइब्रिड तकनीक पर भी काम कर रही है। माना जा रहा है कि नई क्रेटा दिवाली 2026 या 2027 की शुरुआत में बाजार में दस्तक दे सकती है। सुरक्षा के लिए इसमें लेवल-2 एडीएएस, मल्टीपल एयरबैग्स और आटो डिमिंग आईआरवीएम जैसे फीचर्स भी होंगे।

बजाज आटो की कुल बिक्री 5,13,792 यूनिट्स तक पहुंची

नई दिल्ली। अप्रैल 2026 में बजाज आटो ने बेहद शानदार प्रदर्शन दर्ज किया है। इस दौरान कंपनी की कुल बिक्री 5,13,792 यूनिट्स तक पहुँच गई। यह बिक्री पिछले साल की तुलना में लगभग 40 प्रतिशत अधिक है। इस जबरदस्त बढ़ोतरी में सबसे बड़ा योगदान निर्यात बाजार का रहा, जिसने 83 प्रतिशत की अविश्वसनीय वृद्धि दर्ज की है। रिपोर्ट्स के अनुसार, अप्रैल 2026 में कंपनी ने कुल 4,39,953 टू-व्हीलर बेचे, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह आंकड़ा 3,17,937 यूनिट्स था। घरेलू बाजार में भी कंपनी की बिक्री स्थिर रूप से बढ़ी और टू-व्हीलर बिक्री 11 प्रतिशत बढ़कर 2,10,063 यूनिट्स हो गई। हालांकि, सबसे अधिक चर्चा कंपनी के निर्यात कारोबार को लेकर हो रही है। बजाज आटो ने अप्रैल में 2,65,582 यूनिट्स का एक्सपोर्ट किया, जबकि पिछले वर्ष यह आंकड़ा 1,45,195 यूनिट्स था, जो टू-व्हीलर निर्यात में 78 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्शाता है। अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और दक्षिण-पूर्व एशिया जैसे बाजारों में कंपनी की मजबूत पकड़ स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। कमर्शियल व्हीकल सेगमेंट में भी कंपनी ने 54 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जिसमें बिक्री 47,873 यूनिट्स से बढ़कर 73,839 यूनिट्स हो गई। कंपनी के आरई और मैक्सिमा प्लेटफार्म को अंतरराष्ट्रीय बाजार में अच्छी मांग मिल रही है, वहीं बजाज पल्सर और इलेक्ट्रिक स्कूटर बजाज चेतक भी लगातार लोकप्रिय बने हुए हैं।

कई नई इलेक्ट्रिक कारें भारतीय बाजार में देंगी दस्तक

नई दिल्ली। आगामी महीनों में कई नई इलेक्ट्रिक कारें भारतीय बाजार में दस्तक देने वाली हैं, जिससे ग्राहकों

के पास विकल्पों की भरमार होगी। भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग तेजी से बढ़ रही है। देश की बडी आटो कंपनियां अलग-अलग बजट और फीचर्स वाली नई ईवी लान्च करने की तैयारी में हैं। टोयोटा अपनी पहली इलेक्ट्रिक एसयूवी टोयोटा अर्बन क्रूजर इबेला को लान्च कर सकती है, जिसमें 49 किलोवाट और 61 किलोवाट बैटरी पैक मिलने की उम्मीद है। यह कार एक बार चार्ज होने पर 440 से 543 किलोमीटर तक की रेंज दे सकती है और इसकी संभावित कीमत 18 से 25 लाख रुपये बताई जा रही है। वहीं, टाटा मोटर्स अपनी लोकप्रिय एसयूवी टाटा सिएरा ईवी और टाटा सफारी ईवी को इलेक्ट्रिक अवतार में पेश करने जा रही है, जिसमें सफारी ईवी कंपनी की पहली सात सीटर इलेक्ट्रिक एसयूवी हो सकती है। इसके अलावा, टाटा टियागो ईवी का फेसलिफ्ट माडल भी लान्च होने वाला है। किआ भी अपनी कामपैक्ट इलेक्ट्रिक एसयूवी किआ सायरोस ईवी के जरिए बजट सेगमेंट में एंट्री करेगी। वियतनाम की कंपनी विनफास्ट भी भारत में अपनी इलेक्ट्रिक कारें विनफास्ट वीएफ3, विनफास्ट वीएफ5 और विनफास्ट लीमो ग्रीन लान्च करने की तैयारी में है। वहीं, बीवाईडी अपनी नई इलेक्ट्रिक कार बीवाईडी अट्टो 2 के जरिए प्रीमियम सेगमेंट में चुनौती पेश करेगी।

सऊदी अरब ने घटाए कच्चे तेल के दाम, भारत के लिए बड़ी राहत

नई दिल्ली

भारत के लिए एक बड़ी राहत की खबर आ रही है। अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे तनाव और वैश्विक ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता के माहौल के बीच, सऊदी अरब ने एशिया को बिकने वाले अपने कच्चे तेल की कीमतों में कटौती करने का फैसला किया है। इस कदम से भारत जैसे बड़े तेल आयातक देशों को काफी फायदा होने की उम्मीद है।

रिपोर्ट के अनुसार, सऊदी अरामको ने जून महीने के लिए एशिया में बिकने वाले अपने प्रमुख कच्चे तेल अरब लाइट की कीमत 19.50 डालर प्रति बैरल से घटाकर 15.50 डालर प्रति बैरल तय की है। यह कटौती पिछले महीने के रिकार्ड स्तर की तुलना में की गई है, हालांकि यह अब भी दूसरा सबसे उच्च रिकार्ड प्रीमियम बना हुआ है। पिछले महीने ही एक सर्वे में एशिया के लिए सऊदी अरब द्वारा तेल के दामों में कमी करने का अनुमान लगाया गया था। यह फैसला तब आया है जब यूएस और ईरान के बीच चल रही जंग पर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने हाल ही में बयान दिया है कि ईरान के साथ डील जल्द फाइनल होगी, लेकिन स्ट्रेट आफ हार्मुज पर नाकाबंदी जारी रहेगी। कीमतों में कमी का यह रुझान केवल एशिया तक ही सीमित कंपनी ने नार्थवेस्ट यूरोप के लिए अरब लाइट तेल की कीमत भी आईसीई ब्रेंट के मुकाबले 2 डालर प्रति बैरल कम कर दी है, जबकि नार्थ अमेरिका के ग्राहकों के लिए कीमतें अपरिवर्तित रखी गई हैं।

इसी बीच, ओपेक प्लस के सात सदस्य देशों ने जून में तेल उत्पादन में 1.88 लाख बैरल प्रतिदिन की वृद्धि करने का फैसला किया है, जो लगातार तीसरी मासिक वृद्धि है। यह निर्णय यूएई द्वारा ओपेक और ओपेक प्लस से बाहर होने की घोषणा के बाद आया है, जबकि ईरान युद्ध के कारण पहले से ही वैश्विक ऊर्जा बाजार और अर्थव्यवस्था पर दबाव बना हुआ है। गौरतलब है कि अप्रैल के महीने में ही सऊदी अरब ने एशियाई देशों के लिए अपने कच्चे तेल अरब लाइट की कीमत में बड़ी बढ़ोतरी की थी, जिससे इसका प्रीमियम रिकार्ड स्तर पर पहुंच गया था। मई महीने के लिए यह कीमत बेंचमार्क से 19.50 डालर प्रति बैरल ज्यादा रखी गई थी, लेकिन अब इसमें नरमी देखी जा रही है और ब्रेंट क्रूड का रेट 108 डालर प्रति बैरल पर आ गया है।

ऊर्जा सुरक्षा के लिए भारत को व्यापक भंडारण नीति की दरकार

नई दिल्ली। भारत को ऊर्जा आपूर्ति के झटकों से निपटने के लिए एक व्यापक भंडारण नीति बनाने की सलाह दी गई है। इसकी जरूरत ऊर्जा आयात पर देश की भारी निर्भरता और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से रेखांकित हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में बैटरी भंडारण 2 गीगावाट से कम है। वहीं एलपीजी का लगभग 22 दिनों का, विमान ईंधन (एटीएफ) का 60 दिनों का और कच्चे तेल का 74 दिनों का स्टाक है। हालांकि, प्राकृतिक गैस के लिए कोई रणनीतिक भंडार नहीं है। पश्चिम एशिया की अस्थिरता ने भारत की ऊर्जा आयात निर्भरता उजागर की है। देश को औद्योगिक उपयोगकर्ताओं के लिए बैटरी ऊर्जा और उत्पाद-स्तरीय भंडारण हेतु सहायक नीतियों की आवश्यकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की इन देशों से निकटता और बुनियादी ढांचे के कारण निर्भरता बहुत अधिक है। वैकल्पिक स्रोत कुछ झटके कम कर सकते हैं, पर आर्थिक व लाजिस्टिकल दक्षता के चलते वे खाड़ी आपूर्तिकर्ताओं की जगह नहीं ले सकते।

सऊदी अरब द्वारा कच्चे तेल की कीमतों में की गई इस कटौती से भारत को सबसे अधिक फायदा मिलने की उम्मीद है। भारत अपनी कुल तेल आवश्यकता का लगभग 85-90 प्रतिशत आयात करता है, इसके बाद वैश्विक कीमतों में कमी आने से देश का आयात बिल काफी कम हो जाएगा। इससे राजकोषीय घाटे पर पड़ने वाला दबाव भी कम होगा। तेल की कीमतों में कमी का सीधा असर माल ढुलाई लागत पर भी पड़ेगा, जिससे फल, सब्जियां और अन्य आवश्यक वस्तुओं के दाम घट सकते हैं। अंततः, यह आम लोगों पर महंगाई के बोझ को कम करने में मदद करेगा, जिससे उन्हें बड़ी राहत मिलेगी।

भारत में जीसीसी का दबदबा बढ़ा, राजस्व रिकार्ड 98 अरब डालर के पार

नई दिल्ली

भारत के ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) ने प्रौद्योगिकी उद्योग में अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। नैसकाम और जिनोव की एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, पिछले वित्त वर्ष के अंत तक इन केंद्रों का अनुमानित राजस्व रिकार्ड 98.4 अरब डालर तक पहुंच गया है, जो दो साल पहले के 65 अरब डालर से 50 फीसदी से अधिक की वृद्धि है। यह उल्लेखनीय उछाल देश के प्रौद्योगिकी परिदृश्य में जीसीसी की बढ़ती रणनीतिक भूमिका और मूल्य-संचालित नवाचार की ओर उनके बदलाव को दर्शाता है।

देश में जीसीसी की संख्या भी 2,000 को पार कर 2,117 तक पहुंच गई है, जो एक साल पहले लगभग 1,760 थी। इनमें से 583 केंद्र प्रति वर्ष 10 करोड़ डालर से 1 अरब डालर का राजस्व उत्पन्न करते हैं, जबकि 423 केंद्र 10 करोड़ डालर से कम कमाते हैं।

2,100 से अधिक केंद्र बने, दो साल में राजस्व में 50 फीसदी से अधिक का उछाल

रिपोर्ट के अनुसार, जीसीसी का यह तीव्र विकास मूल्य-संचालित केंद्रों में बदलाव, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) उत्कृष्टता केंद्रों की बढ़ती संख्या, उच्च कुशल कार्यबल और विश्वविद्यालयों के साथ कौशल-विकास सहयोग जैसे प्रमुख कारकों पर आधारित है।

नैसकाम के अध्यक्ष राजेश नांबियार ने इस बदलाव पर जोर देते हुए कहा कि एआई एक उत्प्रेरक के रूप में काम कर रहा है और भारत वैश्विक उत्पादों व प्लेटफार्मों के लिए एक रणनीतिक केंद्र के रूप में स्थापित हो रहा है। लगभग 75 फीसदी भारतीय जीसीसी में अगले पांच वर्षों में परिवर्तनकारी हब बनने की क्षमता है, जिसके लिए जटिल कार्यों की ओर बढ़ना, एआई-सक्षम कार्यबल तैयार करना और व्यावसायिक परिणामों पर ध्यान केंद्रित करना आवश्यक होगा। ये केंद्र करीब 23.6 लाख लोगों को रोजगार देते हैं, जिनमें बेंगलुरु (34 फीसदी) और हैदराबाद (14 फीसदी) प्रमुख रोजगार केंद्र हैं, जिसके बाद चेन्नई और पुणे का स्थान आता है।

मीशो के घाटे में 88 फीसदी गिरावट, राजस्व में तेजी

नई दिल्ली। ई-कामर्स कंपनी मीशो ने अपनी वित्तीय स्थिति में उल्लेखनीय सुधार दिखाते हुए मार्च तिमाही में घाटे को 88 फीसदी तक कम कर दिया है। यह घटकर 166.3 करोड़ रुपये रह गया, जो पिछले साल की समान अवधि के 1,391.4 करोड़ रुपये से कहीं बेहतर है। इस तिमाही में परिचालन राजस्व में भी 47.14 फीसदी की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई, जो 3,531.21 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने पूरे वित्त वर्ष 2024 (पिछले वित्त वर्ष) में भी अपने घाटे को 66 फीसदी तक कम करके 1,357.7 करोड़ रुपये पर ला दिया, जो एक साल पहले 3,941.7 करोड़ रुपये था। कंपनी के एक अधिकारी ने कहा कि भारतीय ई-कामर्स बाजार में विकास की अपार संभावनाएं हैं। उनका मानना है कि भारत में स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं का केवल 30 फीसदी ही आनलाइन खरीदारी करता है, जबकि अन्य उभरते बाजारों में यह आंकड़ा 80 फीसदी से अधिक है। आत्रे ने जोर दिया कि भारत में अभी भी एक ऐसा ई-कामर्स प्लेटफार्म बनाने की आवश्यकता है जो भारतीय उपभोक्ताओं की विशिष्ट जरूरतों को पूरा करे।

महिंद्रा ने बनाई बड़ी रणनीति, आपूर्ति श्रृंखला को बनाया झटका-मुक्त

चुनौतियों से निपटने जोखिम विश्लेषण और बहु-स्तरीय सुधार रणनीति अपनाई

नई दिल्ली

महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) समूह वैश्विक भू-राजनीतिक अस्थिरता के मौजूदा दौर में अपनी आपूर्ति श्रृंखला को और अधिक मजबूत तथा लचीला बनाने के लिए सक्रिय कदम उठा रहा है। समूह के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कंपनी ने हाल की वैश्विक बाधाओं से सीखे गए सबक के आधार पर भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए बड़े पैमाने पर जोखिम विश्लेषण और बहु-स्तरीय सुधार रणनीति अपनाई है। यह कवायद चक्रीय समाधानों के बजाय वाहन कारोबार में संरचनात्मक मजबूती लाने का व्यापक प्रयास है।

अधिकारी ने 1,00,600 करोड़ रुपये की खरीद, 1,00,000 पुर्जों और 40 कमोडिटी पर किए गए विस्तृत जोखिम-विश्लेषण का विवरण दिया। इस विश्लेषण में 82 पुर्जा-समूहों और 9 कमोडिटी को भू-राजनीतिक, कच्चे माल, एकल-आपूर्तिकर्ता, लाजिस्टिक और नियामकीय पहलुओं के कारण उच्च जोखिम वाला पाया गया है। कंपनी ने परिचालन, सोर्सिंग और डिजाइन तक विस्तृत बहु-स्तरीय सुधार वाली रणनीति अपनाई है।

इसमें स्टाक बढ़ाना, वैकल्पिक आपूर्तिकर्ताओं का स्थानीयकरण, डिजाइन में कमी लाना और एक सक्रिय इंटेलिजेंस डेस्क बनाना शामिल है ताकि किसी भी घटना पर तेजी से प्रतिक्रिया दी जा सके। शाह ने कहा कि इन उपायों ने सेमीकंडक्टर से लेकर दुर्लभ खनिज और मेमोरी चिप तक की पिछली बाधाओं से निपटने में कंपनी की मदद की है। एमएंडएम के निवेशक प्रस्तुतीकरण में जोखिम मुक्त आपूर्ति श्रृंखला और कमोडिटी प्रतिरक्षा कार्यक्रम को प्रमुख व्यावसायिक कार्यों के रूप में सूचीबद्ध किया गया है, जो दर्शाता है कि ये उपाय अस्थायी प्रतिक्रियाओं के बजाय स्थायी परिचालन रणनीति का हिस्सा हैं।

वैश्विक महामारी, सेमीकंडक्टर की कमी और रूस-यूक्रेन युद्ध जैसी घटनाओं ने पिछले कुछ वर्षों में आपूर्ति श्रृंखलाओं को गंभीर रूप से बाधित किया है, जिससे विनिर्माताओं को आपूर्ति और जोखिम प्रबंधन के बारे में नए सिरे से सोचने पर मजबूर होना पड़ा है। महिंद्रा का यह कदम इन्हीं अनुभवों का परिणाम है।

एपल का भारत में बड़ा ग्रीन निवेश, रिन्यूएबल एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए लगाएगी 100 करोड़ रुपये

नई दिल्ली

अमेरिकी टेक दिग्गज और आईफोन निर्माता कंपनी एपल ने भारत के स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में एक अहम रणनीतिक कदम उठाया है। अपने व्यापक स्थिरता और कार्बन तटस्थता लक्ष्यों को तेजी से पूरा करने के लिए, कंपनी ने भारत में नवीकरणीय ऊर्जा बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 100 करोड़ रुपये का निवेश करने की आधिकारिक घोषणा की है। यह निवेश भारत में पर्यावरण संरक्षण और ग्रीन सप्लाई चेन को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा प्रयास माना जा रहा है।

क्लीनमैक्स के साथ 150 एमडब्लू क्षमता का निर्माण - एपल ने यह महत्वपूर्ण निवेश भारत की प्रमुख नवीकरणीय ऊर्जा डेवलपर कंपनियों में से एक क्लीनमैक्स के साथ मिलकर करने का फैसला किया है। इस साझेदारी के तहत देशभर में 150 मेगावाट से अधिक की नई नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का निर्माण किया जाएगा। इस नई ऊर्जा क्षमता के प्रभाव का आकलन करते हुए एपल ने बताया कि यह उत्पादित ऊर्जा सालाना लगभग 1.5 लाख भारतीय घरों को बिजली देने के लिए पर्याप्त होगी। कंपनी का विजन यहीं तक सीमित नहीं है, बल्कि आने वाले वर्षों में इस क्षमता को और अधिक बढ़ाने की भी योजना है।

लक्ष्य और रणनीतिक फोकस - 2030 कार्बन न्यूट्रल लक्ष्य: इस पहल का प्राथमिक उद्देश्य भारत में एपल के आपूर्ति श्रृंखला संचालन में नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाना है। इसके जरिए कंपनी साल 2030 तक अपने पूरे वैश्विक पदचिह्न को 100 फीसदी कार्बन न्यूट्रल बनाने के लक्ष्य की ओर मजबूती से आगे बढ़ रही है। पहले भी हुई थी साझेदारी: यह पहली बार नहीं है जब एपल ने ग्रीन एनर्जी के लिए कदम उठाया है। इससे पहले भी, अमेरिका स्थित इस कंपनी ने भारत में अपने कार्यालयों और रिटेल स्टोर्स को 100 प्रतिशत स्वच्छ ऊर्जा से संचालित करने के लिए रूफटाप सोलर प्रोजेक्ट्स पर क्लीनमैक्स के साथ साझेदारी की थी।

पर्यावरण के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता - इस निवेश पर प्रतिक्रिया देते हुए, एपल की पर्यावरण और आपूर्ति श्रृंखला नवाचार उपाध्यक्ष, सारा चांडलर ने कहा, एपल में पर्यावरण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता न केवल हमारी जिम्मेदारी है, बल्कि यह पूरी कंपनी और दुनिया भर में नवाचार के लिए एक प्रेरक शक्ति भी है। उन्होंने जोर देकर कहा, हम भारत की स्वच्छ ऊर्जा अर्थव्यवस्था में निवेश करने और देश के बहुमूल्य प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा के अपने प्रयासों का विस्तार करने पर गर्व महसूस कर रहे हैं।

प्लास्टिक प्रदूषण और हरित उद्यमिता पर जोर - ऊर्जा बुनियादी ढांचे में सीधे निवेश के अलावा, एपल ने भारत में प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने और हरित उद्यमिता को बढ़ावा देने पर केंद्रित नई साझेदारियों का भी ऐलान किया है।

डब्लूडब्लूएफ -इंडिया के साथ करार: एपल ने पारिस्थितिक तंत्र में प्लास्टिक के रिसाव को रोकने और सामग्री पुनर्प्राप्ति में सुधार के लिए डब्लूडब्लूएफ -इंडिया के साथ हाथ मिलाया है। इस साझेदारी के तहत रिसाइकलिंग और अपशिष्ट प्रबंधन की दिशा में काम किया जाएगा।

एक्यूमेन को समर्थन: शुरुआती दौर के ग्रीन एंटरप्राइजेज को आगे बढ़ाने के लिए एपल ने एक्यूमेन के साथ भी साझेदारी की है। इसके जरिए अपशिष्ट प्रबंधन, पुनर्योजी कृषि और सर्कुलर इकानमी साल्यूशंस जैसे क्षेत्रों में काम करने वाले छोटे और नए उद्यमियों को अनुदान और मेंटरशिप सपोर्ट प्रदान किया जाएगा।

एपल द्वारा किया गया यह 100 करोड़ रुपये का निवेश और कई रणनीतिक साझेदारियां इस बात का प्रमाण हैं कि ग्लोबल कंपनियां अब भारत को न केवल एक बड़े बाजार के रूप में देख रही हैं, बल्कि देश की क्लीन एनर्जी और सस्टेनेबिलिटी जर्नी में भी महत्वपूर्ण हिस्सेदार बन रही हैं। पर्यावरण सुरक्षा और हरित उद्यमिता की यह पहल भारतीय आपूर्ति श्रृंखला को एक नए ग्रीन हारिजन की ओर ले जाएगी।

पीएसजी ने बायर्न म्यूनिख को बाहर कर चैंपियंस लीग फाइनल में बनाई जगह, अब आर्सेनल से होगी टक्कर

म्यूनिख

बायर्न म्यूनिख के खिलाफ सेमीफाइनल के दूसरे चरण में 1-1 से ड्रॉ खेलने के बाद मौजूदा चैंपियन पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने कुल 6-5 की बढ़त के साथ यूईएफए चैंपियंस लीग फाइनल में प्रवेश कर लिया। यह मुकाबला बुधवार को एलियांज एरिना में खेला गया।

पिछले सप्ताह पेरिस में खेले गए पहले चरण के रोमांचक मुकाबले में 5-4 की बढ़त हासिल करने वाली लुइस एनरिके की टीम ने इस मैच में भी शुरुआती बढ़त बना ली। उस्मान डेम्बेले ने मैच के शुरुआती मिनटों में गोल कर पीएसजी की कुल बढ़त को और मजबूत कर दिया।

बायर्न म्यूनिख के लिए हैरी केन ने अतिरिक्त समय में गोल जरूर किया, लेकिन जर्मन क्लब अतिरिक्त समय तक मुकाबले को ले जाने के लिए जरूरी दूसरा गोल नहीं कर सका।

अब पीएसजी का सामना 30 मई को बुडापेस्ट में होने वाले फाइनल में प्रीमियर लीग की शीर्ष टीम आर्सेनल से होगा। एलियांज एरिना वही मैदान है, जहां पिछले साल पीएसजी ने इंटर मिलान को हराकर पहली बार चैंपियंस लीग का खिताब जीता था।

फ्रेंच चैंपियन पीएसजी अब 1990 के बाद लगातार दो बार चैंपियंस लीग जीतने वाली दूसरी टीम बनने की कोशिश करेगा। इससे पहले यह उपलब्धि रियल मैड्रिड ने हासिल की थी।

मुकाबले के पहले हाफ में बायर्न म्यूनिख कई रेफरी फैसलों से नाराज नजर आया, लेकिन टीम लंबे समय तक साफ मौके बनाने में संघर्ष करती रही।

छह बार की यूरोपीय चैंपियन बायर्न म्यूनिख 2020 में लिस्बन में पीएसजी को हराकर खिताब जीतने के बाद से अब तक फाइनल में पहुंचने में नाकाम रही है।

मैच के तीसरे मिनट में ही पीएसजी ने कुल बढ़त दोगुनी कर दी, जब ख्विचा क्वारात्सखेलिया के पास पर डेम्बेले ने शानदार शॉट लगाकर गेंद को जाल में पहुंचा दिया।

दूसरे हाफ में मैनुएल नोयर ने ख्विचा क्वारात्सखेलिया और डेज़िरे डूए के शॉट्स को रोककर बायर्न की उम्मीदें जिंदा रखीं।

अतिरिक्त समय के चौथे मिनट में हैरी केन ने टूर्नामेंट में अपना 14वां गोल दागा, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी और पीएसजी ने फाइनल का टिकट पक्का कर लिया।

न्यूज ब्रीफ

पूर्व क्रिकेटर अमनप्रीत सिंह गिल का निधन

चंडीगढ़। पंजाब के पूर्व क्रिकेटर अमनप्रीत सिंह गिल का बुधवार को निधन हो गया। पूर्व अंडर-19 टीम में

शामिल रहे 36 साल के अमनप्रीत की अचानक हुई मौत से क्रिकेट जगत में शोक की लहर दौड़ गयी। मौत के कारणों का हालांकि अभी खुलासा नहीं हुआ है। इस क्रिकेटर ने पंजाब की ओर से छह प्रथम श्रेणी मैचों में 11 विकेट लिए थे। वह आईपीएल सत्र में पंजाब किंग्स इलेवन में भी शामिल रहे हैं। खेल से संन्यास के बाद वह पंजाब की सीनियर चयन समिति में सदस्य के तौर पर अपनी सेवाएं देने लगे। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) ने भी उनके निधन की जानकारी देते हुए लिखा कि, पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन पूर्व क्रिकेटर और सीनियर चयन समिति के सदस्य अमनप्रीत के दुखद निधन पर गहरा शोक व्यक्त करता है। हमारी हार्दिक संवेदनाएं उनके परिवार और प्रियजनों के साथ हैं। वाहेगुरु दिवंगत आत्मा को शांति और परिवार को इस कठिन समय में शक्ति प्रदान करे। वहीं आईपीएल टीम पंजाब किंग्स ने भी अमनप्रीत के निधन पर शोक जताया है। इसके अलावा भारतीय टीम के पूर्व आलराउंड युवराज सिंह ने भी अमनप्रीत के निधन पर दुख जताते हुए श्रद्धांजलि दी है। युवराज ने कहा अमनप्रीत सिंह के निधन की खबर सुनकर गहरा दुख हुआ। हमने शुरुआती दिनों में ड्रेसिंग रूम साझा किया था, वह एक शांत और मेहनती क्रिकेटर थे जिन्हें खेल से बहुत लगाव था। उनके परिवार के प्रति मेरी संवेदनाएं। अमनप्रीत ने 2007 में भारत के लिए पांच यूथ वनडे और एक यूथ टेस्ट मैच खेला था. टेस्ट प्रारूप में उनके नाम एक विकेट है।

सैमसन ने सीएसके में आते ही अपने को साबित किया : गायकवाड़

नई दिल्ली। बल्लेबाज संजू सैमसन ने आईपीएल के इस सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से सबसे अधिक रन बनाये हैं। अब तक सीएसके को जीत मिली हैं। उसमें भी सैमसन की सबसे बड़ी भूमिका रही है। सैमसन को इसी साल सीएसके ने ट्रेड डील के जरिये राजस्थान रायल्स ने खरीदा था और उसका ये दांव सफल रहा। सैमसन ने उसकी ओर से अब तक इस सत्र में दो शतक लगा दिया है। वहीं कैपिटल्स के खिलाफ पिछले मैच में सैमसन ने नाबाद 87 रनों की पारी खेलकर टीम को जीत दिलाने के साथ ही पलेआफ की दौड़ में भी बनाये रखा है। इसी को देखते हुए टीम के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने भी कहा है कि सैमसन ने आते ही कमाल कर दिया। अपने प्रदर्शन से वह टीम के सबसे भरोसमंद खिलाड़ी बन गये हैं। सैमसन ने तीसरी बार 80 से अधिक रन का स्कोर था, और एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि जब भी उन्होंने 40 रन का आंकड़ा पार किया है, सीएसके ने जीत हासिल की है। संजू की ये फार्म 2026 टी20 विश्व कप के अंतिम चरणों से ही लगातार जारी है। गायकवाड़ ने सैमसन की प्रशंसा करते हुए कहा, विश्व कप से लेकर अभी जिस तरह का टूर्नामेंट संजू ने खेला है, उसके बाद टीम में उनका होना हमारे लिए बहुत बड़ी बात है। अब वह हमारी बल्लेबाजी की रीढ़ हैं। संजू के प्रदर्शन के कारण ही सीएसके 10 अंकों के साथ अंक तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गई है। अब उसकी नजरें प्लेआफ की दौड़ में आगे बढ़ने के लिए अगले दो बेहद महत्वपूर्ण मुकाबलों पर होंगी।

रियान पराग को बिना कुछ किये ही मिल गई रायल्स की कप्तानी : मांजरेकर

मुम्बई। अपने बयानों के कारण विवादों में रहने पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने राजस्थान रायल्स की कप्तानी रियान पराग को दिये जाने पर सवाल उठाये हैं। मांजरेकर ने कहा है कि रियान को बिना कुछ किये ही कप्तानी मिल गयी। मांजरेकर ने कहा कि रियान को कप्तानी एक प्राकर से इनाम के तौर पर मिली है। रायल्स ने नियमित कप्तान संजू सैमसन के चेन्नई सुपर किंग्स जाने के बाद रियान को कप्तानी दे दी थी। आईपीएल 2025 में भी रियान ने कुछ मैचों में कप्तानी की थी पर वह सफल नहीं रहे थे। पर आईपीएल इसे वर्तमान सत्र में उन्होंने टीम को 10 में से 6 मैच जिताकर अपने को साबित किया है। इसके बाद भी मांजरेकर के उनपर सवाल उठाने से सभी हैरान हैं। मांजरेकर ने पराग को लेकर कहा, वह आम भारतीय खिलाड़ियों में से एक नहीं है। वह फिट है, लेकिन मैं कहूंगा, इतने सालों में मैंने जिस तरह का प्रदर्शन देखा है, उसके बाद, यह कुछ ऐसा है जो मुझे थोड़ा अजीब लगता है कि राजस्थान रायल्स ने उसे इतना अधिक समर्थन दिया है।

दिल्ली कैपिटल्स के लिए प्लेऑफ के दरवाजे अभी बंद नहीं, बड़े अंतर से जीतने होंगे सभी बचे हुए मैच

नई दिल्ली

आईपीएल के इस 19 वें सत्र में अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है और उसे 10 में से 6 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। जिससे उसके प्लेआफ में पहुंचने की संभावनएं भी कमजोर हुई हैं हालांकि ये समाप्त नहीं हुई हैं। कैपिटल्स की प्लेआफ में पहुंचने की उम्मीदें अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई हैं। टीम 6 हारने के बाद वे अंक तालिका में सातवें स्थान पर खिसक गयी है। टीम के अभी आठ अंक हैं और उसे अब बचे हुए सभी चार मैच बड़े अंतर से जीतने होंगे।

उसे प्लेआफ में पहुंचने इन सभी चारों मैचों में हर हाल में जीत हासिल करनी होगी। ऐसा करने पर उनके अंकों की संख्या बढ़कर 16 पहुंच जाएगी। आईपीएल इतिहास पर ध्यान दें तो 16 अंकों वाली टीम को प्लेआफ में अवसर मिल ही जाता है। उसे पर, अपने नेट रन रेट में भी सुधार करना होगा, जो वर्तमान में माइनस में है और करीबी मुकाबलों में निर्णायक साबित हो सकता है।

दिल्ली कैपिटल्स को अब हर मैच जीतना होगा। एक भी हार उसे बाहर कर देगी। यदि वे बचे हुए चार मैचों में से एक भी मुकाबला हारते हैं, तो उनके अधिकतम अंक 14 तक ही पहुंच पाएंगे। इस बार 14 अंकों के साथ प्लेआ में पहुंचना लगभग असंभव है। अंक तालिका की स्थिति देखें तो पाएंगे कि पहले से ही छह टीमों के खाते में 10 या उससे अधिक अंक हैं। इनमें से एक टीम के पास 13 अंक हैं और चार टीमें 12-12 अंकों के साथ शीर्ष-4 में जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रही हैं। ऐसे में 14 अंक पर टीम बाहर हो जाएगी। अधिकतर टीमें 16 या उससे अधिक अंक तक पहुंच सकती हैं। दिल्ली के लिए राह और भी कठिन इस कारण से है क्योंकि उनके बाकी बचे चार मुकाबले आसान नहीं हैं। उन्हें दो बार कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से खेलना है। इसके अलावा उसे पंजाब किंग्स और राजस्थान रायल्स से भी खेलना है। पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछली टक्कर में दिल्ली को 264 रन बनाने के बावजूद हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में उसे पंजाब से सतर्क रहना होगा। वहीं, राजस्थान रायल्स इस सीजन की सबसे खतरनाक टीमों में से एक रही है, हालांकि लीग चरण में दिल्ली ने उन्हें एक बार हराया है।

आ ईपीएल 2026 : हैदराबाद की धमाकेदार जीत, पंजाब को हराकर पाइंट्स टेबल में टाप पर पहुंची सनराइजर्स

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए पंजाब किंग्स को 33 रन से हराकर अंक तालिका में पहला स्थान हासिल कर लिया है। वहीं, पंजाब को लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा, जिसके चलते वह शीर्ष स्थान से खिसककर दूसरे नंबर पर पहुंच गई। राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में पंजाब ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। इसके बाद हैदराबाद ने 20 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 235 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में 236 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 202 रन ही बना सकी। हैदराबाद की पारी में कई बल्लेबाजों ने योगदान दिया। हेनरिक क्लासन ने 43 गेंदों पर 69 रन बनाए, जबकि ईशान किशन ने 32 गेंदों पर 55 रन की तेज पारी खेली। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 88 रन की साझेदारी हुई। इसके अलावा अभिषेक शर्मा (35) और ट्रैविस हेड (38) ने टीम को मजबूत शुरुआत दी। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब की टीम को अच्छी शुरुआत नहीं मिल सकी। हालांकि कूपर कोनोली ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 59 गेंदों पर नाबाद 107 रन बनाए, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से पर्याप्त समर्थन नहीं मिला। मार्कस स्टोयनिस (28) और सूर्यांश शेडगे (25) ने कुछ योगदान दिया, लेकिन टीम लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकी। गेंदबाजी में हैदराबाद के लिए पैट कमिंस और शिवांग कुमार ने 2-2 विकेट लिए।

पीसीबी अब व्यावसायिक साझेदारों से वसूली में लगी

लाहौर

आर्थिक संकटों में फंसे पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अब पीमियर लीग (पीएसएल) टूर्नामेंट समाप्त होने के बाद अरबों रुपये की वसूली के लिए अभियान शुरु कर दिया है। पीसीबी को कई फ्रेंचाइजी, प्रसारण और व्यावसायिक साझेदारों से बकाया अरबों रुपये की राशि अब तक नहीं मिली है। जिसको देखते हुए बोर्ड अब कड़ा रुख अपनाना चाहता है। बोर्ड ने इन सभी पक्षों को कानूनी नोटिस जारी कर भुगतान न करने पर गंभीर कानूनी कार्रवाई का सामना करने की चेतावनी दी है।

इस अभियान के तहत शुरुआत में पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) की कुछ ऐसी फ्रेंचाइजी को नोटिस भेजे गए थे, जिन्होंने अपनी वार्षिक फीस का भुगतान नहीं किया था। इन नोटिसों के बाद, संबंधित फ्रेंचाइजी ने अपनी बकाया राशि का भुगतान कर दिया है। हालांकि, भुगतान के साथ ही उन्होंने बोर्ड से यह भी मांग की है कि वह 2010 से लंबित फ्रेंचाइजी के केंद्रीय पूल से उनके हिस्से का बकाया चुकाए। वहीं कि एक फ्रेंचाइजी ने अपनी शिकायत में कहा था कि उसकी वार्षिक फीस इसलिए अटकी हुई थी क्योंकि बोर्ड ने पीएसएल के 10वें सत्र के लिए केंद्रीय पूल से उसके पूरे हिस्से (लगभग 96 करोड़ पाकिस्तानी रुपये) का भुगतान अभी तक नहीं किया है। इस पर पीसीबी ने स्पष्ट कर दिया कि जब तक अनुबंधित पक्ष अपनी जिम्मेदारियों को पूरा नहीं करेंगे, तब तक बोर्ड बकाये का भुगतान कैसे कर सकता है। बोर्ड पर अब भी पीएसएल के 2025 के केंद्रीय पूल से कुछ फ्रेंचाइजी का 40 से 45 करोड़ रुपये बकाया है, जिसे अभी चुकाया जाना बाकी है। पीसीबी की सबसे बड़ा बकायेदार एक ऐसी कंपनी है जिसने बोर्ड से न केवल पीएसएल के लिए बल्कि अन्य अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मुकाबलों के लिए भी प्रसारण, अन्य मीडिया और व्यावसायिक अधिकार हासिल किए थे। इस कंपनी पर लगभग 4.5 अरब पाकिस्तानी रुपये बकाया हैं, जिसका भुगतान उसने अभी तक नहीं किया है।

मैनचेस्टर सिटी ने 10 साल बाद जीता विमेंस फुटबॉल सुपर लीग का खिताब

ब्राइटन। मैनचेस्टर सिटी ने बुधवार को एक दशक बाद पहली बार विमेंस फुटबॉल सुपर लीग का खिताब अपने नाम कर लिया। खिताब की दौड़ में बची आखिरी चुनौती देने वाली टीम आर्सेनल को ब्राइटन एंड होव एल्बियन ने 1-1 से ड्रॉ पर रोक दिया, जिसके बाद मैनचेस्टर सिटी चैंपियन बन गई। मैनचेस्टर सिटी ने 22 में से 21 मुकाबले खेलकर 52 अंक हासिल किए हैं। दूसरी ओर आर्सेनल को शीर्ष स्थान हासिल करने की उम्मीद बनाए रखने के लिए अपने बाकी बचे चारों मैच जीतने जरूरी थे, लेकिन ब्राइटन के खिलाफ ड्रॉ के बाद उसका सपना टूट गया और खिताब नॉर्थ लंदन के बजाय नॉर्थ-वेस्ट पहुंच गया। पिछले सप्ताह ओएल लियोनेस के खिलाफ हारकर चैंपियंस लीग सेमीफाइनल से बाहर होने वाली आर्सेनल टीम पर इस मुकाबले में दबाव साफ नजर आया। मैच के पहले हाफ के अंत से ठीक पहले फुका सुनोडा ने गोल कर ब्राइटन को बढ़त दिला दी।

सबालेंका बोली, खिलाड़ियों की मांगे नहीं मानी तो टूर्नामेंटों का बहिष्कार तक करेंगे

रोम

विश्व भर के स्टार टेनिस खिलाड़ी अब टूर्नामेंटों में राशि बढ़ाये जाने की मांग पर अड़ गये हैं। इन खिलाड़ियों ने आगाह किया है कि अगर उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो वे ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों का बहिष्कार करने के लिए भी मजबूर हो जाएंगे। बेलारुस की महिला टेनिस खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने कहा है कि ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों में बड़ी पुरस्कार राशि पाना खिलाड़ियों का अधिकार है और अगर ये नहीं मिलती है तो इसके लिए आंदोलन तक किया जाएगा। इटैलियन ओपन के दौरान उन्होंने साफ कर दिया कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं होती हैं, तो खिलाड़ी टूर्नामेंट का बहिष्कार तक कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों के बिना कोई टूर्नामेंट या मनोरंजन संभव नहीं है, और इसलिए वे निश्चित रूप से अधिक राशि के अधिकारी हैं।

सबालेंका ने यह भी कहा कि किसी समय हम बहिष्कार भी करेंगे। अपने अधिकारों के लिए लड़ने का यही एकमात्र तरीका है। उन्होंने लड़कियों की एकजुटता पर भरोसा जताया, यह कहते

हुए कि हम लड़कियां आसानी से एक साथ आ सकती हैं और इसके लिए जा सकती हैं। उनका मानना है कि खिलाड़ियों के साथ कुछ चीजें बहुत गलत हैं और यह स्थिति अपने शीर्ष स्तर पर पहुंचने वाली है। गौरततब है कि पिछले साल लगभग सभी बड़े खिलाड़ियों ने चार ग्रैंड स्लैम आयोजकों को दो पत्र भेजे थे, जिसमें पुरस्कार राशि बढ़ाने, संन्यास के बाद और मातृत्व के अवसर पर बेहतर सुविधाओं के साथ-साथ खिलाड़ियों के कल्याण के लिए भुगतान की मांग की गई थी। इन पत्रों में टूर्नामेंट के राजस्व में 22 प्रतिशत हिस्सेदारी का लक्ष्य रखा गया था, जो मेजर टूर्नामेंट को एटीपी मेन्स टूर और डब्ल्यूटीए टूर द्वारा चलाए जाने वाले नौ संयुक्त 1000-स्तरीय आयोजनों के बराबर लाता है। हालांकि, महिला एकल में चार बार की फ्रेंच ओपन विजेता पोलैंड की इगा स्वियाटेक ने बहिष्कार के फैसले का सही नहीं बताया। स्वियाटेक ने कहा, सबसे जरूरी बात गवर्निंग बाडीज के साथ सही संवाद और चर्चा है।

हाकी इंडिया ने आस्ट्रेलिया सीरीज़ के लिए अंडर-18 पुरुष और महिला टीमों की घोषणा की

केतन कुशवाहा और स्वीटी कुजूर संभालेंगे कप्तानी, भोपाल में आस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली जाएगी चार मैचों की सीरीज़

भोपाल

हाकी इंडिया ने गुरुवार को आस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली अंडर-18 सीरीज़ के लिए भारतीय पुरुष और महिला टीमों की 24 सदस्यीय टीमों की घोषणा कर दी। यह सीरीज़ 15 से 20 मई 2026 तक भोपाल स्थित उधव दास मेहता (भाई जी) साई सेंट्रल सेंटर में खेली जाएगी।

चार मैचों की यह सीरीज़ 29 मई से 6 जून 2026 तक जापान के काकामिगहारा में आयोजित होने वाले पुरुष और महिला अंडर-18 एशिया कप की तैयारियों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही हैं। राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के दौरान

42 खिलाड़ियों के प्रारंभिक समूह में से फिटनेस और सामरिक अनुकूलन क्षमता के आधार पर अंतिम 24 खिलाड़ियों का चयन किया गया।

भारतीय अंडर-18 पुरुष टीम की कप्तानी फारवर्ड खिलाड़ी केतन कुशवाहा को सौंपी गई है, जबकि महिला टीम की कमान स्वीटी कुजूर संभालेंगी।

पुरुष टीम को पूर्व भारतीय हाकी खिलाड़ी सरदार सिंह और रजनीश मिश्रा प्रशिक्षण दे रहे हैं। आगामी मुकाबलों को लेकर सरदार सिंह ने कहा, शिविर में एक उपयोगी सप्ताह बिताने के बाद हमने उन 24 खिलाड़ियों का चयन किया है जिन्हें हम अंतरराष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार मानते हैं। आस्ट्रेलिया के खिलाफ ये मुकाबले सिर्फ अभ्यास मैच नहीं हैं, बल्कि खिलाड़ियों के मानसिक संतुलन और सामरिक अनुशासन की बड़ी परीक्षा भी हैं। केतन मैदान पर स्वाभाविक नेता हैं और मैं देखना चाहता हूं कि यह टीम आस्ट्रेलियाई शैली के दबाव और गति का सामना कैसे करती है।

महिला टीम पूर्व भारतीय कप्तान रानी रामपाल के मार्गदर्शन में अभ्यास कर रही है। टीम चयन पर रानी ने कहा, हमने टीम को घटाकर 24 खिलाड़ियों तक सीमित किया है, जिन्होंने शिविर के दौरान सबसे अधिक निरंतरता और विकास दिखाया। स्वीटी के पास इस युवा टीम का नेतृत्व करने के लिए जरूरी अनुभव और दृष्टि है। भोपाल में आस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ चार मैच खेलने से हमें अपनी ताकत और कमजोरियों का स्पष्ट आकलन मिलेगा। एशिया कप से पहले यह सीरीज़ टीम के लिए अंतिम बड़ी तैयारी है।

भारतीय अंडर-18 पुरुष टीम: गोलकीपर: सावन कुमार, आयुष रजक, विशाल बाड़ा

डिफेंडर: अंश बहुत्रा, आशीष तानी पूर्ति, अरमान सोरेंग, दीपकप्रकाश टोप्पो, करण गौतम, करण धनुक

मिडफील्डर: प्रेमचंद सोय, राहुल यादव, बरिंदर सिंह, रोमित पाल, अर्जनदीप सिंह, गुरसिमरनप्रीत सिंह, अर्शदीप सिंह, अवि मानिकपुरी

फारवर्ड: आकाश दीप, केतन कुशवाहा (कप्तान), शाहरुख अली, गाज़ी खान, प्रहलाद राजभर, सिद्धार्थ बेन, जैसन कंदुलना

भारतीय अंडर-18 महिला टीम: गोलकीपर: महक परिहार, हैरी, खिली कुमारी

डिफेंडर: सुगन सांगा, नीलम टोपनो, रूबीना बक्सला, किरण एक्का, दिव्या यादव, सुलोचनी

मिडफील्डर: श्रुति कुमारी, दिया, हर्षिता, रश्मीन कौर, लामिंगनबी अकोइजाम, नैन्सी सरोहा, टोंगब्रेम लांचेनबी देवी, स्नेहा दावड़े

फारवर्ड: नौशीन नाज़, स्वीटी कुजूर (कप्तान), प्रियंका मिंज, संदीपा कुमारी, नम्मी गीताश्री, प्रिंसेस प्रिया एक्का, पुष्पा मांझी।

184 सालों में पहली बार नहाया ये कछुआ...

दुनिया का सबसे पुराने जिंदा जीव के तौर पर पहचान रखने वाले जोनाथन ने 184 सालों में पहली बार नहाया है। उसका ये स्नान तो जानकारी में है, जो पहली बार है। उसने 184 सालों से पहले कभी नहाया हो, तो उसका रिकॉर्ड नहीं। ये जोनाथन दरअसल दुनिया का सबसे पुराना जीवित जीव है। जो एक विशालकाय कछुआ है। ये कछुआ सेंट हेलेना द्वीप पर रहता है। जिसकी सारी जिम्मेदारी सरकार उठाती है। सेंट हेलेना सरकार की तरफ वीडियो में जोनाथन को नहाते दिखाया गया है। सरकार ने इसे ऐतिहासिक पल करार देते हुए सभी सेंट हेलेना वासियों को उसे नहाते देखने के लिए आमंत्रित किया था। जोनाथन की देखरेख करने का जिम्मा संभालने वाले हॉलिंस का कहना है कि हम चाहते थे कि लोग आएं और जो लोग उससे मोहब्बत करते हैं, वो उसे महसूस करें। वो बहुत प्यारा है। हॉलिंस ने कहा कि मैं जब कुछ बोलता हूं, तो जोनाथन अलग ही आवाज में मुझे जवाब देता है। जोनाथन के साथ मेरी ट्यूनिंग बेहतरीन है। मैं हर सप्ताह उसकी जांच करता हूं और साफ सब्जियों की डाइट देता हूं। जोनाथन की देखरेख की इसलिए भी जरूरत है, क्योंकि वो दुनिया का सबसे उम्रदराज जीव है। मैं जोनाथन की देखरेख का जिम्मा पाकर खुद को धन्य महसूस कर रहा हूं ।

आंखों को साफ पानी से धोते रहें

आंखों की कोशिकाओं और रेटिना को मजबूती प्रदान करने में ल्युटेन आदि तत्वों की अहम भूमिका होती है। हरी सब्जियों और फलों में यह तत्व भरपूर मात्र में पाए जाते हैं। आंखों के स्वास्थ्य के लिए हरी सब्जियों, फलों के साथ डेयरी उत्पाद भी पर्याप्त मात्र में खाएं। लक्षणों को नजरअंदाज न करें : आंखों या सिर में भारीपन और धुंधला दिखाई देना। आंखें लाल होना और उनसे पानी आना। आंखों में खुजली होना।

योग रखेगा रोग मुक्त

बदलती जीवनशैली में पेट में गैस बनना आम समस्या हो गई है। मैडीसन से राहत तो मिल जाती है पर इससे कई समस्याएं भी पैदा होती हैं। अगर नियमित योग करें तो इससे हमेशा के लिए छुटकारा मिल सकता है।

गैस बनने की वजह

खाने में कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और स्टार्चयुक्त पदार्थों की बहुलता। शारीरिक श्रम की कमी। रात में देर से भोजन करना और सो जाना। सलाद और रेशेदार फल-सब्जियों की कमी। मल-मूत्र, अपान वायु के वेगों को रोकना। खाने में ज्यादा नमकीन, चटपटे और तेज मिर्च-मसाले का इस्तेमाल।

पेट संबंधी रोग

कब्ज, दस्त, आंतों में सूजन, अल्सर, कोलाइटिस, पित्ताशय की पथरी आदि रोगों के कारण भी गैस बनती है।

आहार

- सुबह खाली पेट 600 एमएल पानी नींबू के साथ लें। नाश्ते में दलिया, खिचड़ी या मूंग की दाल का सूप इस्तेमाल करें। दलिया या खिचड़ी में हरी सब्जियां डालें या अंकुरित अन्न चबा-चबाकर खाएं।
- दोपहर के खाने में मोटे आटे की रोटी, छिलका युक्त दाल, हरी सब्जियां और सलाद लें। खाने के दो घंटे बाद 250 एमएल छाछ काला नमक व भुना जीरा के साथ लें।
- रात का खाना 9 बजे के आसपास लें। रोटी, हरी सब्जी लें।

लाभदायक यौगिक क्रिया

- **आसन:** पवन मुक्तासन, वज्रासन, शशांकासन, नौकासन, भुजंगासन, सुप्त वज्रासन, मत्स्यासन, मयूरासन, कटि चक्रासन।
- **बंध:** उड्डियान बंध, अग्रिसार क्रिया।
- **मुद्रा:** योग मुद्रा, अपान मुद्रा, अश्विनी मुद्रा।
- **प्राणायाम:** भस्त्रिका, कपालभाति, अनुलोम-विलोम।
- **षड्कर्म:** कुंजल, लघु शंख प्रक्षालन, बस्ति क्रिया, भोजनोपरांत दस मिनट वज्रासन में बैठना।

बेहद खतरनाक है फोबिया

यदि आपका डर आपके लिए सजा बन जाए तो यह आपके लिए खतरे की बात है, क्योंकि आपको मात्र डर नहीं है बल्कि आप फोबिया से ग्रस्त हैं। फोबिया केवल डर ही नहीं, एक गंभीर बीमारी है, जो आपके पूरे जीवन को प्रभावित कर सकती है।

क्या है फोबिया

फोबिया एक प्रकार का रोग है, जिसमें इंसान को किसी खास वस्तु, कार्य एवं परिस्थिति के प्रति भय उत्पन्न हो जाता है। इसमें व्यक्ति उन चीजों से बचने की कोशिश करता है। फोबिया में अपने डर की सोच भी व्यक्ति को इतना डरा देती है कि उसकी मानसिक व शारीरिक क्षमताओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसमें इंसान का डर वास्तविक या काल्पनिक दोनों हो सकते हैं। आमतौर पर किसी भी तरह के फोबिया से ग्रस्त रोगी अपने डर पर पर्दा डाले रहते हैं। उन्हें लगता है कि अपना डर दूसरों को बताने से लोग उन पर हंसेंगे। इसलिए वे अपने डर व उस परिस्थिति से सामना करने की बजाय बचने की हर संभव कोशिश करते हैं।

कैसे-कैसे फोबिया

चाइल्डहुड फोबिया

यह फोबिया बचपन से होने वाला फोबिया है। इसमें बचपन में ही किसी चीज, व्यक्ति, जानवर या परिस्थिति के प्रति डर बैठ जाता है, जो वक्त के साथ खत्म न होने पर फोबिया बन जाता है। यह डर या तो बच्चों में खुद होता है या कई बार अभिभावक ही बच्चों को अनुशासन में रखने के लिए किसी चीज से डरा देते हैं। वैसे तो यह डर उम्र के साथ खत्म हो जाता है, लेकिन कई बार जब यह डर बड़े होने पर भी नहीं जाता तो फोबिया का रूप धारण कर लेता है। इसलिए बच्चों को डराने की बजाय प्यार से समझाने की कोशिश करें।

एडल्टहुड फोबिया

कुछ डर वयस्क होने के बाद पैदा होते हैं। इनका प्रभाव सबसे ज्यादा यंग जनरेशन पर पड़ता है। एडल्टहुड फोबिया में कई तरह के फोबिया शामिल होते हैं।

एग्रोफोबिया

एग्रोफोबिया एक तरह का फोबिक डिसऑर्डर है, जो यह अपने साथ कई अन्य परेशानियां भी लाता है। इनमें डिप्रेशन, हर तरह की बेचैनी आदि प्रमुख हैं। एग्रोफोबिया में व्यक्ति को बिना किसी कारण के ही डर लगता है। यह डर किसी चीज, व्यक्ति, जानवर या परिस्थिति से जुड़ा हुआ न होकर खुद के प्रति ही होता है। एग्रोफोबिया का मरीज अकेलेपन से डरता है। वह भीड़ में खड़ा होकर भी खुद को अकेला ही महसूस करता है। वह कहीं अकेले जा नहीं सकता, अकेले रह नहीं सकता। उसे लगता है कि वह किसी भी परिस्थिति का सामना नहीं कर सकता। ऐसे लोगों का आत्मविश्वास न के बराबर होता है। ऐसे लोग अकेले बाहर न जा सकने के कारण खुद को घर में ही कैद कर लेते हैं। कुछ मामलों में तो यहां तक देखा गया है कि एग्रोफोबिया के मरीज कई सालों तक घर से बाहर नहीं निकले हैं।

सोशलफोबिया

युवाओं में पाया जाने वाला सबसे आम फोबिया है। इस फोबिया के शिकार आमतौर पर स्कूल और कॉलेज जाने वाले युवा होते हैं। सोशल फोबिया के शिकार लोग किसी भी सार्वजनिक स्थान पर जाने से, वहां बोलने से, वहां खाने से भी डरते हैं। इस फोबिया में सबसे ज्यादा स्पीचिंग कम्यूनिकेशन की समस्या होती है।

मोनो जाइगोटिक ट्वीन्स फोबिया

यह एक तरह का जेनेटिक फोबिया होता है, जो जुड़वा बच्चों को ही होता है। इसमें अगर एक बच्चा किसी फोबिया का शिकार है तो दूसरा बच्चा भी उसी फोबिया से ग्रस्त होगा। सभी ट्वीन्स के साथ ये समस्या नहीं होती है, लेकिन फिर भी आमतौर पर ट्वीन्स के साथ इस तरह की शिकायत देखी गई है।

फोबिया के लक्षण

फोबिया के रोगी आम लोगों की तरह ही दिखाई देते हैं। वैसे तो इस रोग का पता नहीं चल पाता है, लेकिन फोबिया के रोगियों का अपने डर से सामना होने और अपने डर के बारे में बात करने पर इसके लक्षण सामने आते हैं। आमतौर पर फोबिया के रोगी अपने डर से दूर ही रहते हैं, लेकिन अनजाने में अपने डर को अपने सामने देखकर उन्हें फोबिया का दौरा पड़ता है। ऐसे में उनमें तनाव, बेचैनी, पसीने आना, परिस्थिति या लोगों से दूर भागना, सिर में भारीपन, कानों में अलग-अलग आवाजें सुनाई देना, दिल की धड़कन बढ़ जाना, सांस तेज होना, डायरिया, चक्कर आना, शरीर में कहीं भी दर्द को महसूस करना, पेट खराब हो जाना, ब्लड प्रेशर बढ़ना या कम हो जाना जैसी दिक्कतें दिखाई देती हैं। फोबिया का दौरा पड़ने पर रोगी में इस तरह के लक्षण दिखाई देने लगते हैं। ऐसे में रोगी बहुत ज्यादा पेनिक हो जाता है। ऐसी स्थिति में रोगी के साथ किसी भी तरह की जबरदस्ती उसके लिए खतरनाक हो सकती है। जबरदस्ती करने से रोगी और भी ज्यादा पेनिक हो जाता है और उसका डर कोई भी भयंकर रूप ले सकता है।

उपचार

फोबिया के इलाज के लिए कोई एक खास ट्रीटमेंट नहीं होता है। हर मरीज का फोबिया और उसकी परिस्थिति अलग-अलग होती है, इसलिए फोबिया का इलाज भी मरीज और उसके डर के अनुरूप ही किया जाता है। डॉ. बोहरा बताते हैं कि फोबिया के इलाज के लिए दवाएं, काउंसिलिंग, मनोवैज्ञानिक थेरेपी का इस्तेमाल किया जाता है। फोबिया के ट्रीटमेंट के लिए रोगी के थायरॉयड, ब्लड शुगर, डायबिटीज आदि की जांच करना भी जरूरी होता है।

बड़े डर की आशंका खतरे को बढ़ा देती है

ब्रिटिश वैज्ञानिकों ने चिंता और डर के रहस्य को खोलने की कोशिश में कई महत्वपूर्ण बातों का पता लगाया है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, किसी भी तरह के खतरे पर दिमाग की प्रतिक्रिया खतरे की दूरी, दिशा और खतरे के अनुमान पर निर्भर होती है। रिसर्च में पता चला है कि दिमाग के भय नेटवर्क के विभिन्न हिस्से अलग-अलग खतरे पर अलग-अलग प्रतिक्रिया के लिए जिम्मेदार होते हैं। शोध टीम का नेतृत्व करने वाले डीन मोब्स का कहना है कि दिमाग में सिर्फ एक ढांचा नहीं होता, बल्कि भय नेटवर्क के अलग-अलग अंग होते हैं और वे डर पर होने वाली प्रतिक्रिया को दिखाने के लिए मिलकर काम करते हैं। खतरे का गलत अंदाजा लगाने की भूल ही लोगों में फोबिया के बढ़ने का कारण होती है। किसी चीज, लोग, जानवर और परिस्थितियों से बेतुका, गहन और लगातार भय ही फोबिया कहलाता है। मोब्स का कहना है कि बड़े डर की आशंका ही दिमाग में खतरे के आकार को बढ़ा देती है।

कुछ आम फोबिक डर

- बंद जगह में डर लगना
- अंधेरे में डर लगना
- ज्यादा ऊंचाई वाली जगह में डर लगना
- भीड़भाड़ वाली जगह में डर लगना
- कहीं बाहर जाने का डर
- चूहा, छिपकली, मकड़ी जैसे छोटे-छोटे जीवों का डर
- मरने का डर
- बिजली की चमक, गड़गड़ाहट और तेज बारिश से डर
- पानी से डर

आयुर्वेद से करें एक्जिमा का उपचार

एक्जिमा एक प्रकार का चर्म रोग है। त्वचा के उत्तेजक, दीर्घकालीन विकार को एक्जिमा के नाम से जाना जाता है। इस रोग में त्वचा शुष्क हो जाती है और बार-बार खुजली करने का मन करता है क्योंकि त्वचा की ऊपरी सतह पर नमी की कमी हो जाती है, जिसके परिणामस्वरूप त्वचा को कोई सुरक्षा नहीं रहती, और जीवाणुओं और कोशाणुओं के लिए हमला करने और त्वचा के भीतर घुसने के लिए आसान हो जाता है। एक्जिमा के गंभीर मामलों में त्वचा के ग्रसित जगहों से में पस और रक्त का स्राव भी होने लगता है। यह रोग डर्माटाईटिस के नाम से भी जाना जाता है। मुख्य रूप से यह रोग खून की खराबी के कारण होता है और चिकित्सा न कराने पर तेजी से शरीर में फैलता है। एक्जिमा का रोग अपने रोगियों को उम्र और लिंग के आधार पर नहीं चुनता। एक्जिमा के रोग से ग्रस्त रोगी अन्य विकारों के भी शिकार होते हैं। यह किसी भी उम्र के पुरुष या महिलाओं को प्रभावित कर सकता है। लेकिन कुछ आयुर्वेदिक उपचारों को अपनाकर इस समस्या के लक्षणों को कम किया जा सकता है।

खदिरारिष्ट

20 मिलीलीटर खदिरारिष्ट को 20 मिलीलीटर पानी में मिलाकर खाना खाने के बाद दिन में दो बार लेने से फायदा होता है।

गुदुच्याड़ी तेल

एक औषधियुक्त तेल जिसे ग्रसित जगह पर लगाने से लाभ मिलता है।

पञ्चनिम्बडी चूर्ण

खाना खाने के बाद आधे से एक चमच पानी के साथ लेने से भी लाभ होता है।

साफी

रक्त शुद्धी की एक बहुत ही प्रचलित औषधि, जिसके एक दो चम्मच खाली पेट पर लेने से एक्जमि काफी हद तक ठीक हो जाता है।

शुद्ध गुग्गूल

आयुर्वेद की बहुत ही प्रचलित जड़ी बूटी, गुग्गूल में शुद्धि और तरोताजा करने के लिए अत्यधिक ओजस्वी शक्तियों का समावेश होता है।

चन्दन

एक चम्मच कपूर के साथ एक चम्मच चन्दन की लई मिलाकर एक्जिमा से ग्रसित जगह पर लगाने से भी बहुत फायदा होता है।

आहार और खान पान

- दही और अचार जैसे खट्टी चीजों का सेवन बिलकु ल ना करें।
- करेले और नीम के फूलों का सेवन भी लाभकारी होता है।
- शुद्ध हल्दी भी एक्जिमा की चिकित्सा में लाभ प्रदान करती है। इसे एक्जिमा के चकतों पर लगाया जा सकता है और दूध में मिलाकर भी पीया जा सकता है।

क्या करें क्या ना करें

- डिटरजेंट (कपड़े धोने का पाउडर) को बिलकुल भी ना छुएं, पर अगर मजबूरी से छूना भी पड़े तो सूती दस्तानों का प्रयोग करें।
- एक्जिमा से ग्रसित जगह पर तंग कपड़े ना पहनें।
- सिंथेटिक कपड़ों का भी बिलकुल प्रयोग ना करें, क्योंकि इससे पसीने के निष्काशन में कठिनाई होती है।
- तरबूज जैसे फलों का नियमित रूप से सेवन करें।
- गाजर और पालक के रस का मिश्रण पीने से भी एक्जिमा के ठीक होने में लाभ मिलता है।
- पानी का भरपूर मात्रा में सेवन करें और चाहें तो संतरे का रस भी पी सकते हैं।

नीम

नीम के कोमल पत्तों का रस निकालकर उसमें थोड़ी सी मिश्री मिला लें। इसे प्रतिदिन सुबह पीने से खून की खराबी दूर होकर एक्जिमा ठीक होने लगता है।

हरड़

4 हरड़ को गौमूत्र में पीसकर लेप बना लें। यह लेप प्रतिदिन दो से तीन बार एक्जिमा पर लगाने से लाभ होता है।

रेसिपी

आटे का मालपुवा

सामग्री

1 कप गेहूं का आटा
1/2 कप शक्कर
1/2 टी-स्पून दरदरी पीसी हुई कालीमिर्च
1 टेबल-स्पून सौंफ
घी , तलने के लिए

विधि

एक गहरे नॉन-स्टिक पॅन में शक्कर और 1 कप पानी को मिलाकर, मध्यम आँच पर, लगातार हिलाते हुए 3 मिनट के लिए पका लें। मिश्रण को गहरे बाउल में निकाल ले और पुरी तरह ठंडा करने के लिए रख दें। ठंडा करने के बाद, क्रश की हुई कालीमिर्च, सौंफ, गेहूं का आटा और 1/4 कप पानी डालकर अच्छी तरह मिलाकर फेंट लें। एक तरफ रख दें। एक चौड़े नॉन-स्टिक पॅन मे घी गरम करें, चम्मच भर घोल गरमा गरम घी में डालकर, तेज़ आँच पर उनके दोनो तरफ से सुनहरा होने तक तल लें। विधी क्रमांक 4 कोप दोहराकर 14 और मालपुवे बना लें। तुरंत परोसें।

खोबा रोटी

सामग्री

2 कप गेहूं का आटा
2 टी-स्पून घी
नमक स्वादअनुसार
गेहूं का आटा , बेलने के लिए
घी , चुपड़ने और परोसने के लिए

विधि

सभी सामग्री को एक गहरे बाउल में डालकर, पर्याप्त मात्रा में पानी का प्रयोग कर सख्त आटा गूंथ लें। आटे को 4 भाग में बाँट लें। थोड़े सूखे आटे का प्रयोग कर, आटे के प्रत्येक भाग को 150 मिमी। व्यास के गोल आकार में बेल लें। एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें और रोटी को दोनो तरफ से लगभग 2-3 मिनट तक पकाकर प्लेट में निकाल लें। रोटी को समान अंतर पर ऊंगली से चिमट लें। रोटी को सुबारा तवे पर डालकर, धिमी आंच पर 5-6 मिनट या दोनो तरफ से सुनहरे दाग पड़ने तक, सूती के कपड़े से सबाते हुए पका लें। 3 और रोटी बना लें। घी और अपनी पसंद की सब्जी के साथ तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**